खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :20°C
न्यूनतम: 09°C

हल्द्वानी, शनिवार 14 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 170 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 25 शाबान 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है उत्तर प्रदेश : योगी

पेज 2

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबसे बड़ा उलटफेर किया

खेल टाइम्स

नई प्रजातियों की खोज समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक नई उपलब्धि

सम्पादकीय

बांग्लादेश में दो दशक बाद बीएनपी की बड़ी जीत

पेज 12

संक्षिप्त समाचार

अभ्युदय योजना भर्ती में गड़बड़ी, संयुक्त निदेशक निलंबित

लखनऊ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कोर्स कोऑर्डिनेटर पदों की चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार बिसेन को निलंबित कर दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या लापरवाही प्रमाणित होने पर उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि में वे निदेशालय से संबद्ध रहेंगे तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करेंगे। चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की एक गोपनीय शिकायत विभागीय मंत्री असीम अरुण को प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर जांच कराई गई। जांच के दौरान संयुक्त निदेशक की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इतना ही नहीं जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों का मूल अभिलेखों से समुचित सत्यापन नहीं किया गया।

महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर घिरे दयानिधि मारन

मुजफ्फरपुर। उत्तर भारत की महिलाओं को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के सांसद दयानिधि मारन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मुजफ्फरपुर की सीजेएम कोर्ट ने उनके खिलाफ नोटिस जारी करते हुए 23 फरवरी 2026 को व्यक्तिगत रूप से (सदेह) उपस्थित होने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, हाल में दिए एक बयान में दयानिधि मारन ने कथित तौर पर उत्तर भारत की महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा कि उत्तर भारत की महिलाएं केवल घर का काम और बच्चों को जन्म देने तक सीमित हैं, जबकि तमिलनाडु की महिलाएं अधिक शिक्षित, कामकाजी और सर्वांगण संपन्न हैं। इस बयान के बाद उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में नाराजगी देखी गई।

सरकार की 25 लाख टन गेहूं व चीनी निर्यात को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को 25 लाख टन गेहूं के निर्यात के साथ-साथ 5 लाख टन गेहूं उत्पादों और चीनी के निर्यात की अनुमति दी। यह कदम पर्याप्त स्टॉक की स्थिति को देखते हुए उठाया गया है। यह फैसला घरेलू बाजारों को स्थिर करने और किसानों को पर्याप्त लाभ दिलाने के लिए लिया गया है। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वर्तमान उपलब्धता और कीमतों के आकलन के बाद यह निर्णय लिया गया है। अभी निजी संस्थाओं के पास 2025-26 के दौरान गेहूं का स्टॉक लगभग 75 लाख टन है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 32 लाख टन अधिक है, जो देश में पर्याप्त आपूर्ति स्थिति का संकेत देता है। मंत्रालय ने कहा कि एक अप्रैल, 2026 तक, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के केंद्रीय भंडार में कुल गेहूं की उपलब्धता लगभग 1.82 लाख टन होने का अनुमान है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निर्यात अनुमतियों से घरेलू खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में स्थिर गति से होगा सुधार!

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनावों में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान को शुक्रवार सुबह बधाई देने वाले भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पड़ोसी नेता के साथ संबंध विकसित करने के लिए व्यक्तिगत तौर पर प्रयास कर सकते हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार के साथ भारत की असहजता जगजाहिर रही है। संबंध तब और निचले स्तर पर पहुंच गए थे जब यह संदेह जताया गया था कि वर्तमान शासन ने बांग्लादेश में भारतीय मिशनों के बाहर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे, जिनमें हमले की घटनाएं भी शामिल थीं। हालांकि, विश्लेषकों को तुरंत बहुत अधिक आत्मीयता बढ़ने की उम्मीद नहीं है, बल्कि वे एक नपे-तुले और व्यवस्थित दृष्टिकोण की आशा करते हैं।

■ पड़ोसी नेता के साथ संबंध विकसित करने को व्यक्तिगत तौर पर प्रयास कर सकते हैं पीएम मोदी

कहा: बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों में भारत साथ

मोदी ने तारिक रहमान से की बात, जीत पर दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के प्रमुख तारिक रहमान से बात कर उन्हें बांग्लादेश के संसदीय चुनावों में शानदार जीत पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के लोगों की शांति और प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री रहमान को बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनके प्रयासों के लिए समर्थन और शुभकामनाएं दीं। बाद में श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि तारिक रहमान से बातचीत कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश के हाल के चुनावों में मिली उल्लेखनीय विजय पर बधाई दी। मैंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया। गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले दो निकट पड़ोसी देशों के रूप में, भारत दोनों देशों के लोगों की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता दोहराता है।

वहीं श्री रहमान द्वारा भारत के साथ संबंधों को सुधारने में बहुत तेजी दिखाने की भी संभावना कम है। बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में भारत-विरोधी भावना लंबे समय से एक शक्तिशाली राजनीतिक हथियार रही है। भारत के साथ बहुत अधिक उत्सुकता दिखाने की किसी भी धारणा से उनके राजनीतिक विरोधियों को हथियार मिल सकता है, जो नई सरकार को राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता करने वाली सरकार के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे। नतीजतन, दो सबसे संवेदनशील द्विपक्षीय मुद्दों, व्यापार और नदी जल बंटवारे, पर स्थिर प्रगति होने की उम्मीद है। बांग्लादेश ने लगातार बाजार तक व्यापक पहुंच और लंबे समय से लंबित जल-बंटवारा समझौतों के समाधान की मांग की है। भारत अपनी ओर से सुरक्षा सहयोग और क्षेत्रीय रणनीतिक तालमेल के बारे में चिंतित रहता है। एक प्रमुख बांग्लादेशी बुद्धिजीवी और संपादक जफर शोभन का तर्क है कि आने वाली बीएनपी सरकार के सामने विदेश नीति के पुनर्गठन के अलावा भी कई चुनौतियां हैं। वह कहते हैं कि भारत के साथ संबंध निश्चित रूप से उनमें से एक हैं, लेकिन यह कई बड़ी परीक्षाओं में से केवल एक है। दूसरी बड़ी चुनौती अवामी लीग के राजनीतिक भविष्य को संभालना होगा। बीएनपी ने लंबे समय से अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पर प्रतिबंधों की मांग की है।

उत्तराखंड के 7 शहरों में पारा माइनस 10 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली। देश में फरवरी के दूसरे हफ्ते में मैदानी राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पारा 30 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर चुका है। इन राज्यों में कई जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है और सुबह-शाम सर्दी हो रही है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में पारा 31 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं मध्य प्रदेश के 15 शहरों में तापमान ने 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दक्षिण भारत के कर्नाटक में शुक्रवार को गर्मी का अलर्ट था। हिमालय के राज्यों में उत्तराखंड के 7 शहरों में पारा माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। गुरुवार को सबसे कम तापमान मुनस्यारी में माइनस 26 डिग्री रहा।

मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट गंभीर

जांच कर रही सीबीआई से दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट मांगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा की जांच कर रही सीबीआई से दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि अब मणिपुर या गुवाहाटी हाईकोर्ट इन मामलों की निगरानी करें। साथ ही, सरकार को पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बनी कमेटी की सिफारिशें जल्द लागू करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा के मामलों पर सुनवाई की। कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया कि वह जातीय हिंसा से जुड़ी 11 एफआईआर की जांच पर दो हफ्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बजाय मणिपुर हाई कोर्ट या गुवाहाटी हाईकोर्ट को इन मामलों के ट्रायल और जांच की निगरानी करनी चाहिए। बेंच के अनुसार, मणिपुर हाईकोर्ट में अब नए चीफ जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

कहा: मणिपुर या गुवाहाटी हाईकोर्ट इन मामलों की निगरानी करें

हिमाचल में पंचायत चुनाव की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पंचायत और नगर पालिका चुनावों पर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार कर लिया और चुनाव कराने की समय सीमा बढ़ा दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग को पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया 31 मई, 2026 तक या उससे पहले पूरी करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि आरक्षण सूची को 31 मार्च, 2026 तक अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाए। महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) अनूप रतन ने बताया कि शीर्ष न्यायालय ने एसएलपी स्वीकार कर ली है और राज्य में पंचायत चुनाव की समय सीमा बढ़ा दी है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने राज्य को 28 फरवरी तक आरक्षण सूची जारी करने और 30 अप्रैल, 2026 से पहले चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की थी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के हक में, राहुल उन्हें भड़का रहे: गोयल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को पूरी तरह देश के किसानों के हित में बताते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर इस समझौते को लेकर किसानों को गुमराह करने और उन्हें आपस में भिड़ाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

श्री गोयल ने कहा है कि अमेरिका के साथ समझौते से देश के किसानों को फायदा होगा, खेती के सामान का ज्यादा निर्यात होगा और उनके उत्पादों मांग बढ़ेगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और किसानों की खुशहाली होगी। उन्होंने किसानों को समझौते को लेकर आश्वस्त किया है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा किसानों के साथ हमदर्दी रखते हैं तथा समझौते में देश के किसानों के हित को सबसे ऊपर रखा गया है। श्री गोयल ने शुक्रवार तड़के जारी एक बयान में कहा कि राहुल गांधी जी को मिथ्याचार की आदत है। उन्हें भारत मां या हमारे किसानों और युवाओं की भलाई की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने जारी एक वीडियो में, झूठ बोलने और बेबुनियाद आरोप लगाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

■ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले: अमेरिका के साथ समझौते से देश के किसानों को फायदा होगा

लोकसभा में हरदीप पुरी इस्तीफा दो के नारे लगे

नई दिल्ली। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हरदीप पुरी इस्तीफा दो के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे।

संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित, भाजपा ने कहा: सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे राहुल

साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक: मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ से कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन किया। साथ ही डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक में कई अहम फैसले हुए और नीतियां बनीं लेकिन ये इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। इनका मकसद भारत को सदियों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रखना था। इनसे निकलना जरूरी था।

■ गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी, पीएमओ की नई इमारत का उद्घाटन करते हुए बोले पीएम

उन्होंने कहा कि एक समय था, जब कोलकाता शहर देश की राजधानी हुआ करता था। 1905 के बंगाल विभाजन के दौर में कोलकाता ब्रिटिश विरोधी आंदोलन का प्रबल केंद्र बन चुका था। इसलिए 1911 में अंग्रेजों ने भारत की राजधानी को दिल्ली शिफ्ट किया। उसी के बाद अंग्रेजी हुकूमतों की जरूरतों और उसकी सोच को ध्यान में रखकर नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतें बनी। मोदी ने कहा कि भवन ब्रिटेन के महाराज के सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। रायसीना हिल्स को इसलिए चुना गया ताकि ये इमारतें अन्य इमारतों से ऊंची रहें। सौभाग्य से सेवा तीर्थ की इमारतें जमीन से जुड़ी हैं, पहाड़ पर नहीं हैं। पीएम ने एक्स पर लिखा- सेवा तीर्थ कर्तव्य, करुणा और भारत सर्वोपरि के सिद्धांत का प्रतीक है।

नई दिल्ली: सेवा तीर्थ नागरिक देवो भव भवन का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी।

कंगना रनौत प्रकरण: अंतिम बहस अब छह मार्च को

आगरा। आगरा की विशेष एमपी-एमएलए अदालत में भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत से जुड़े प्रकरण में अंतिम बहस की अगली तारीख छह मार्च तय की है। शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने फाइनल बहस के लिए यह तिथि निर्धारित की। अंतिम बहस के उपरांत अदालत यह निर्णय देगी कि कंगना रनौत के खिलाफ वाद चलाया जाएगा या नहीं। अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा द्वारा 11 सितम्बर 2024 को स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में वाद दायर किया गया था।

भारतीय पासपोर्ट मजबूत, रैंकिंग में पांच पायदान की उछाल

नई दिल्ली। भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में सुधार हुआ है। लेटेस्ट हेनले पासपोर्ट इंडेक्स (फरवरी 2026) के अनुसार, अब भारत का पासपोर्ट दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट्स की सूची में 75वें स्थान पर पहुंच गया है।

साल की शुरुआत में यह 80वें स्थान पर था, यानी हाल ही में इसमें 5 स्थानों का सुधार हुआ है। इससे पहले 2025 में यह 85वें स्थान पर था, जिससे कुल मिलाकर 10 स्थानों की छलांग लगी है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दुनिया भर के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट को रैंक करता है। यह रैंकिंग इस बात पर आधारित होती है कि उस देश के

56 देशों में वीजा फ्री एंट्री, पाकिस्तान की पोजिशन फलस्तीन और नॉर्थ-कोरिया से भी नीचे

पासपोर्ट धारक कितने देशों में बिना वीजा के या वीजा ऑन अराइवल के साथ जा सकते हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है। यह रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के ट्रैवल आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है। इस इंडेक्स में पाकिस्तानी पासपोर्ट 97वें नंबर है। उसकी पोजिशन फलस्तीन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे हैं। नई रैंकिंग में सुधार का मतलब है कि भारतीय नागरिकों के लिए विदेश यात्रा पहले से आसान हुई है। छुट्टियों, कारोबार और सांस्कृतिक यात्राओं के लिए अब ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी। एशिया, कैरेबियन, अफ्रीका और ओशिनिया के कई देश भारतीयों को आसान वीजा सुविधा दे रहे हैं। भारत की रैंकिंग पिछले दस साल में लगातार ऊपर-नीचे होती रही है। साल 2006 में भारत 71वें पायदान पर था, जो उसकी अब तक की सबसे अच्छी पोजिशन थी। इसके बाद रैंकिंग गिरती गई और पिछले साल तो 85वें स्थान पर पहुंच गई थी। 2026 की शुरुआत में भारत 80वें पायदान पर आया और अब 75वें स्थान पर पहुंच गया है। मजबूत पासपोर्ट का मतलब है कि उस देश के लोग ज्यादा देशों में बिना पहले से वीजा लिए जा सकते हैं। ऐसे पासपोर्ट पर वीजा-फ्री, वीजा-ऑन-अराइवल -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की।

इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई। किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा।

■ बोले: किसान हितों से समझौता नहीं

■ भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन पर हुई बात

संक्षिप्त समाचार

बाराबंकी में मुख्तार अंसारी के शूटर और अधिवक्ता की हत्या

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को ज्ञात बदमाशों ने मुख्तार अंसारी के शूटर और अधिवक्ता सुएब उर्फ बॉबी की गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कोतवाली नगर अंतर्गत असैनी मोड पर अधिवक्ता सुएब उर्फ बॉबी लखनऊ से बाराबंकी की ओर अपनी कार से आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार असैनी मोड़ ब्रिज के पास पहुंची, पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिग शुरू कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजय वर्गीय और अपर पुलिस अधीक्षक विकास त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पफॉरेंसिक टीम साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। बताया जा रहा है कि एडीजी जोन लखनऊ भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

काशी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

वाराणसी। धार्मिक नगरी काशी में शुक्रवार को जिला न्यायालय (कचहरी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। कचहरी परिसर को तत्काल खाली कराया जा रहा है तथा सभी वकीलों को घर लौटने की अपील की जा रही है। पुलिस उपायुक्त प्रमोद कुमार ने बताया कि जिला जज संजीव शुक्ला को ई मेल के माध्यम से खबर दी गई है। बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वायड के साथ कई थानों के फोर्स के साथ परिसर को खाली कराया गया।

विधानसभा में योगी बोले-उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है उत्तर प्रदेश

अब न कर्फ्यू है, न दंगा, यूपी में अब सब चंगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब न कर्फ्यू है, न दंगा है, अब यूपी में सब चंगा है।

सीएम योगी ने दावा किया कि पिछले 9 सालों में कानून-व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, अपराधियों पर बुलडोजर चला, माफिया का सफाया हुआ और यूपी अब सुरक्षित राज्य बन गया है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग दंगा-कर्फ्यू की बात करते हैं, वे पुरानी यादें ताजा कर रहे हैं। आज यूपी के हर जिले में एक साइबर थाने हैं, हर थाने में साइबर डेस्क है, आज हजारों करोड़ रुपए

■ 2017 से पहले राज्य में सत्ता के संरक्षण में गुंडे व माफिया पनप रहे थे, हमारी सरकार ने पहले ही दिन से जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई

ठगों से वापस दिलाने में सहयोग किया है। आज सेफ सिटी की तरफ हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने पीएसी का पुर्नगठन किया है, तीन महिला पीएसी का गठन किया है, आगे हम तीन और करेंगे, पीएसी वाहिनियों से ही दंगाई डरते हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र (वित्तीय वर्ष 2026-27) में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए कानून-व्यवस्था, विकास, महिला सुरक्षा और प्रदेश की बदली छवि पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा।

उन्होंने दोहराया कि यह कर्फ्यू से कानून तक, समस्या से समाधान तक और अव्यवस्था से सुशासन तक की यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नई परिभाषा के साथ उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस समय सत्ता के संरक्षण में गुंडे और माफिया पनप रहे थे। अपराधी, अपराधी होता है। हमारी सरकार ने पहले दिन 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई थी और आज भी उसी पर कायम है। योगी ने कहा कि पहले कानून चंद हाथों की जागीर बन चुका था, कर्फ्यू और दंगे आम बात थे तथा पर्व-त्योहार आशंका के पर्याय बन गए थे। पहले पुलिस का मनोबल टूटा हुआ था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी। आज यूपी उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है। उन्होंने दावा किया कि 2017 के बाद से प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ और आज भय नहीं, आस्था का वातावरण है।

महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। 2 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों में 20 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है और वर्तमान में प्रदेश में 44 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। पुलिस की प्रशिक्षण क्षमता को भी कई गुना बढ़ाया गया है। पफॉरेंसिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में दो-तीन फॉरेंसिक लैब थीं, जबकि अब 12 लैब कार्यरत हैं। नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित किया जाएगा। राशन, स्वास्थ्य और अन्य सभी सुविधाएं यथावत मिलती रहेंगी।

उप्र के बड़े करदाताओं को सरकार से बड़ी राहत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 20 फरवरी से प्रदेश में व्यक्तिगत सुनवाई वर्चुअल माध्यम से करेगा राज्य कर विभाग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में करदाताओं को बड़ी सहूलियत देते हुए राज्य कर विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब प्रदेश के बड़े करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई वर्चुअल माध्यम से की जाएगी। यह व्यवस्था 20 फरवरी से प्रभावी होगी। इस पहल का उद्देश्य टैक्स प्रणाली को सरल बनाना, तकनीकी का अधिकतम उपयोग करना और 'ईज आफ डूइंग' को बढ़ावा देना है।

शासन स्तर पर मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में यह निर्णय लिया गया है, जिससे न्याय निर्णयन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और करदाता-हितैषी बन सके। यह व्यवस्था संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट) एवं संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर) स्तर पर लागू होगी। शुक्रवार को प्रमुख सचिव, राज्य कर, कामिनी रतन चौहान ने बताया कि प्रदेश के सभी संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट) एवं संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर) स्तर पर पंजीकृत करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई सामान्य परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के अनुरूप होगी। उन्होंने बताया कि करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

यदि कोई करदाता या उसका अधिकृत प्रतिनिधि किसी विशेष कारण से वर्चुअल के बजाय भौतिक रूप से उपस्थित होकर सुनवाई कराना चाहता है, तो उसके प्रार्थना पत्र पर विचार कर अधिकारी द्वारा अवसर प्रदान किया जाएगा। आयुक्त, राज्य कर, उत्तर प्रदेश डा. नितिन बंसल ने बताया कि कारपोरेट सर्किल का गठन बड़े करदाताओं को बेहतर और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा उठा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितीकरण और किशोरों को ड्राइविंग लाइसेंस दिए जाने का मामला सदन में उठाया गया।

सरकार ने दोनों ही मामले में सदन में जवाब दिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक संग्राम यादव ने आजमगढ़ राजकीय मेडिकल कॉलेज से जुड़े 100 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाए जाने का मामला उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से कार्यरत संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित क्यों नहीं किया जा रहा है और उन्हें सेवा सुरक्षा क्यों नहीं दी जा रही। जवाब में श्रम मंत्री अनिल राजभर ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की वर्तमान नीति के तहत

■ अभी नियमितीकरण संभव नहीं: योगी सरकार

आउटसोर्स कर्मचारियों का नियमितीकरण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक पृथक निगम का गठन किया गया है, जिससे वेतन भुगतान और सेवा शर्तों में मनमानी की शिकायतों को रोका जा सके। विपक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कंपनियों के माध्यम से वेतन वितरण में पारदर्शिता की कमी है तथा ईपीएफ की कटौती के बावजूद कई मामलों में राशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही। सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एनकाउंटर व रोजगार पर विपक्ष ने घेरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने राज्य सरकार को कई अहम मुद्दों पर घेरते हुए भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, एनकाउंटर नीति और रोजगार जैसे विषयों पर गंभीर सवाल उठाए।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सदन में भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई, जबकि आम जनता सबसे अधिक भ्रष्टाचार से ही परेशान है। उन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच के मामले लोकायुक्त के पास लंबित हैं और कई अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायतें भी दर्ज हैं, लेकिन उनकी स्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी सदन को नहीं दी गई। उनका कहना था कि यदि लोकायुक्त की सिफारिशें सदन के पटल पर लाई जातीं, तो सदस्य भी उनकी समीक्षा कर सकते थे।

■ कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर पूछे सवाल

उन्होंने लोकायुक्त के कार्यकाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उनका कार्यकाल कब तक है। लोकायुक्त आठ वर्षों से पद पर हैं, इस विषय पर सरकार को स्पष्टता लानी चाहिए। कानून-व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाल के मामलों में पुलिसकर्मियों का नाम आपराधिक घटनाओं में सामने आना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि डीजीपी कार्यालय प्रभावी ढंग से काम करता नहीं दिख रहा है और राज्य में कार्यवाहक व्यवस्था से काम चलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप स्थाई डीजीपी की नियुक्ति की जाए, ताकि अधिकारी बिना किसी दबाव के काम कर सकें। एनकाउंटर की घटनाओं पर भी माता प्रसाद पांडेय ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी का भविष्य बर्बाद करने वाली गलत परंपरा शुरू नहीं होनी चाहिए। यदि आज गलत मिसाल कायम की जाएगी तो आने वाली सरकारें उससे भी आगे बढ़ सकती हैं। गैंगस्टर कानून में संशोधन की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के कार्यकाल में यह अधिनियम लाया गया था और तब भी उन्होंने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि केवल गोली से अपराध खत्म नहीं होगा, बल्कि व्यवस्था में भरोसा पैदा करना जरूरी है। साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि संगठित साइबर गिरोह आम लोगों को घर बैठे निशाना बना रहे हैं।

विधानसभा में सपा सदस्य रागिनी सोनकर के सवाल को लेकर हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भर्तियों में आरक्षण के मुद्दे पर शुक्रवार को जोरदार हंगामा देखने को मिला। समाजवादी पार्टी विधायक रागिनी सोनकर ने राज्य स्तरीय भर्तियों में अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी को दिए जा रहे आरक्षण को लेकर सरकार से सवाल पूछा। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब देते हुए बताया कि अप्रैल 2017 से अब तक कुल 47 हजार पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। इनमें 18 हजार सामान्य वर्ग, 2081 (ईडब्ल्यूएस), 9580 अनुसूचित जाति, 447 अनुसूचित जनजाति और 17,295 ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी दी गई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट रागिनी सोनकर ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरक्षण के अनुपालन को लेकर दोबारा स्पष्टीकरण मांगा। इसी दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े होकर हंगामा करने लगे, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। स्थिति को संभालते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सत्तापक्ष के सदस्यों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ष्जब हम विपक्ष से बात कर रहे हैं, तो आप लोग हंगामा क्यों कर रहे हैं। सदन हमें चलाना है या आपको। इसके बाद अध्यक्ष ने नाराजगी में अपना हेडफोन टेबल पर रख दिया और सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 82626.76
निफ्टी 25471.10

सोना रु. 154000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 250000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली, सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 1,048.16 अंक (1.25 प्रतिशत) लुढ़ककर 82,626.76 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 336.10 अंक यानी 1.30 प्रतिशत टूटकर 25,471.10 अंक पर बंद हुआ।

प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन टूटे हैं। यह दोनों सूचकांकों का 2 फरवरी के बाद का निचला स्तर है।मझौली और छोटी कंपनियों पर और भी अधिक दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.69 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.79 फीसदी गिर गया। आईटी, एफएमसीजी, धातु, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और रसायन समेत सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।आईटी कंपनियों में सुबह तेज गिरावट थी, लेकिन

बाद में उनमें काफी सुधार हुआ। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस (करीब ढाई प्रतिशत) और भारतीय स्टेट बैंक की तेजी को छोड़कर अन्य कंपनियों गिरावट में रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर और इटरनल के शेयर चार प्रतिशत से अधिक गिर गए। टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दो प्रतिशत से अधिक टूटे। बीईएल, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, इंफोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडिगो में एक से दो प्रतिशत के बीच गिरावट रही।

सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। रिकॉर्ड कीमतों के बाद पहली बार भारत में सोना डिस्काउंट रेट पर बिक रहा है, लेकिन खरीददार फिर भी दूरी बनाए हुए हैं। करीब एक महीने बाद इस हफ्ते भारतीय बाजार में सोना आधिकारिक कीमत से नीचे यानी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा है। एक ज्वैलर ने बताया कि मेकिंग चार्ज में छूट देने के बावजूद ज्वैलरी की मांग नहीं सुधरी है। मौजूदा ऊंची कीमतों पर रिटेल खरीदार सहज महसूस नहीं कर रहे। 13 फरवरी शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोने का भाव करीब 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास रहा। हालांकि पिछले हफ्ते कीमत फिसलकर 1,33,687 रुपए प्रति 10 ग्राम तक आ गई थी। यानी रिकॉर्ड हाई से गिरावट आई है, लेकिन कीमत अब भी आम खरीदार की पहुंच से ऊपर मानी जा रही है। रॉकेट की रफ्तार से भागने के बाद अब चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर चांदी फिसलकर करीब ढाई लाख रुपये प्रति किलो के स्तर तक आ गई है। इससे पहले चांदी ने 4.20 लाख रुपये प्रति किलो का ऐतिहासिक उच्च स्तर छुआ था। उस रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद से लगातार मुनाफावसूली और वैश्विक दबाव के कारण कीमतों में गिरावट जारी है। फिलहाल यह 2.30 लाख रुपये से 2.70 लाख रुपये प्रति किलो के दायरे में कारोबार कर रही है। मुंबई के एक निजी बैंक से जुड़े बुलियन डीलर ने बताया कि ज्यादातर ज्वैलर्स और डीलर फिलहाल बैंकों से खरीदारी से बच रहे हैं।

चावल, गेहूं और खाद्य तेल मजबूत, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ गेहूं और खाद्य तेलों में भी तेजी रही। चीनी में कमोबेश टिकाव रहा, जबकि दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 23 रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत सात रुपये चढ़कर 2,854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर रही।

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। उड़द दाल औसतन 34 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल की कीमत 22 रुपये और चना दाल की 16 रुपये बढ़ी। मूंग दाल पांच रुपये चढ़ गई। वहीं मसूर दाल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा तीन रिंगिट की बढ़त में 4,046 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 0.52 प्रतिशत टूटकर 57.24 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल और वनस्पति की औसत कीमत 101 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। पाम ऑयल 75 रुपये और सरसों तेल में 51 रुपये महंगी हुई। मूंगफली तेल में 14 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। सोया तेल के भाव लगभग गत दिवस से स्तर पर पड़े रहे। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं चीनी में टिकाव रहा। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7785.08 रुपये, मसूर काली 8104.70 रुपये, मूंग दाल 10132.57 रुपये, उड़द दाल 10628.72 रुपये, तुअर दाल 11085.05 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2853.84 रुपये और चावल 3859.09 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3317.20 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काज़ीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

मणिपुर हिंसा... आ चुके हैं, इसलिए वे स्थानीय हालात को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। कोर्ट ने केंद्र और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि वे जस्टिस गीता मित्तल कमेटी की सिफारिशों को हर हाल में लागू करें। यह कमेटी पीड़ितों के पुनर्वास और उनके कल्याण के लिए बनाई गई थी। इस कमेटी में तीन पूर्व महिला जज शामिल हैं, जो अब तक पीड़ितों की मदद के लिए कई रिपोर्ट सौंप चुकी हैं। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। हजारों लोग बेघर हुए हैं और कई घायल हुए हैं। यह हिंसा तब भड़की थी जब मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। सुनवाई के दौरान पीड़ित की तरफ से पेश हुईं वकील वृंदा ग्रोवर ने एक पीड़ित महिला का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि गैंगरेप की शिकार एक कुकी महिला की पिछले महीने सदमे और बीमारी से मौत हो गई। वकील ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने चार्जशीट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और मुख्य आरोपी भी कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। उन्होंने जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इस पर सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि मणिपुर में अब हालात पहले से बेहतर और शांतिपूर्ण हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि पीड़ितों को मुफ्त कानूनी मदद मिलनी चाहिए। अगर स्थानीय स्तर पर वकील उपलब्ध नहीं हैं, तो गुवाहाटी बार से वकील भेजे जा सकते हैं। वहीं, वकील कॉलिन गोंसाल्वेस ने शिकायत की कि उन्हें कमेटी की रिपोर्ट नहीं मिल रही है, जिससे पुनर्वास का काम धीमा पड़ा है। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में कुछ संवेदनशील जानकारी हो सकती है, इसलिए उसे सावधानी से साझा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर 26 फरवरी को अगली सुनवाई करेगा। कोर्ट ने जस्टिस गीता मित्तल कमेटी का कार्यकाल भी 31 जुलाई तक बढ़ा दिया है ताकि राहत कार्य जारी रह सके।

भारतीय पासपोर्ट... या ई-वीजा की सुविधा मिलती है। वीजा के लिए कम कागजी काम और कम इंतजार करना पड़ता है। विदेश घूमने, पढ़ाई करने या बिजनेस ट्रिप पर जाना आसान हो जाता है। यह दिखाता है कि दूसरे देश उस देश के नागरिकों पर भरोसा करते हैं। 2026 की रैंकिंग में सिंगापुर पहले स्थान पर है। सिंगापुर के पासपोर्ट से 192 देशों में वीजा-फ्री यात्रा की जा सकती है। दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिनके नागरिक 187 देशों में बिना वीजा जा सकते हैं। तीसरे स्थान पर स्वीडन और यूएई हैं, जहां से 186 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। चौथे स्थान पर बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड्स और नार्वे हैं, जिनके पासपोर्ट से 185 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा संभव है। पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रिया, ग्रीस, माल्टा और पुर्तगाल हैं, जहां से 184 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। छठे से दसवें स्थान तक न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिका के पासपोर्ट से 179 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा की जा सकती है।

मेरे भाषण से संसदीय कामकाज पर टिप्पणी और प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना हटाई गई : खड़गे

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा 'बिना किसी औचित्य के' कार्यवाही से हटा दिया गया, जिसमें उन्होंने संसदीय कामकाज पर टिप्पणियां और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की थी। शून्यकाल की समाप्ति के बाद खड़गे ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में उन्होंने सामाजिक न्याय से लेकर संसदीय तथ्यों पर अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा की वेबसाइट पर अपलोड किए गए भाषण की समीक्षा करने पर मैंने पाया कि मेरे भाषण का बड़ा हिस्सा बिना किसी औचित्य के हटा दिया गया है। ए वे हिस्से हैं, जिनमें मैंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संसदीय कामकाज पर तथ्यों के साथ टिप्पणियां की हैं और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की है, जो नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मेरा दायित्व भी है, क्योंकि मुझे लगता है कि वे नीतियां भारतीय जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। पांच दशक से अधिक के संसदीय जीवन में वह हमेशा भाषा की मर्यादा के प्रति सजग और सचेत रहे हैं। राज्यसभा के नियम एवं संचालन प्रक्रिया का नियम 261 केवल विशिष्ट और सीमित परिस्थितियों में ही लागू होता है। उन्होंने कहा कि जो टिप्पणियां हटाई गई हैं, उनमें कुछ भी असंसदीय नहीं है।

आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य व नैतिक ढांचा प्रदान करती है: मुर्मू

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां ब्रह्मा कुमारीज के अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा 'सशक्त भारत के लिए कर्मयोग' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रपति ने गुरुग्राम स्थित ओम शांति 'रिट्रीट सेंटर' के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया। मुर्मू ने कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है। आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी प्रगति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है। ये एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं। किन्तु नैतिकता के बिना आर्थिक और

■ ओम शांति सेंटर के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ किया

तकनीकी विकास समाज में असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। उदाहरण के लिए, अनैतिक आर्थिक प्रगति से धन और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरण को क्षति तथा समाज के कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है। नैतिक मूल्यों के बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य और नैतिक ढांचा प्रदान करती है, जो हमें कर्मयोग अर्थात निस्वार्थ सेवा का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करता है। आध्यात्मिकता सत्यनिष्ठा, करुणा, अहिंसा और सेवा जैसे गुणों पर भी बल देती है। ये एक शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक सिद्धांत हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजयोग की शिक्षा देता है। यह केवल एक स्थान पर बैठकर आत्मचितन करने तक सीमित नहीं है। कर्मयोग इसका एक मूलभूत अंग है। कर्मयोग का अर्थ है अपनी सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उच्च आध्यात्मिक सिद्धांतों का पालन करना। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ब्रह्मा कुमारीज से जुड़े लाखों लोग नियमित रूप से कर्मयोग का अभ्यास कर सार्थक जीवन जी रहे हैं।

झारखंड के गैंगस्टर की दून में हत्या

सिल्वर सिटी के बाहर दिनदहाड़े हमलावरों ने बरसाई गोलियां

- जिम से निकलते ही स्टोन क्रशर कारोबारी विक्रम शर्मा को बदमाशों ने उतारा मौत के घाट
- पिस्टल निकालने का भी नहीं मिला मौका

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी का सबसे पॉश इलाका राजपुर रोड शुक्रवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा। सिल्वर सिटी मॉल स्थित जिम से कसरत कर नीचे उतरे स्टोन क्रशर कारोबारी और झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर 45 वर्षीय विक्रम शर्मा की बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े हत्या कर दी।

हमलावर इस कदर बेखौफ थे कि उन्होंने मुख्य मार्ग पर बाइक 'स्टार्ट' मोड में रखी थी और वारदात को अंजाम देकर पलक झपकते ही फरार हो गए। प्राप्त समाचार के अनुसार शुक्रवार को सुबह करीब 10 बजे विक्रम शर्मा जिम से निकलकर अपनी कार की ओर बढ़ रहा था, तभी घात लगाए दो बदमाशों ने उसे घेर लिया। हमलावरों ने बेहद करीब से तीन गोलियां दागीं। विक्रम लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा और मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमलावर पूरी रेकी के साथ आए थे। तीसरा साथी बाइक स्टार्ट कर बैकअप के लिए खड़ा था। रायपुर थाना क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से रह रहे मृतक विक्रम शर्मा खुद भी सुरक्षा को लेकर चौकन्ना था। वह जिम भी अपनी लोडेड पिस्टल साथ लेकर पहुंचा था। वारदात के वक्त उसकी पिस्टल उसकी कमर में ही दबी रह गई। हमलावरों ने उसे संभलने या जवाबी फायरिंग करने का एक सेकंड का मौका भी नहीं दिया।

खाकी पर उठे सवाल, क्या सो रही थी एलआईयू?

राजधानी के सबसे व्यस्त और वीवीआईपी मार्ग पर इस तरह की वारदात ने पुलिस की चौकसी की पोल खोल दी है। झारखंड का इतना बड़ा गैंगस्टर, जिस पर तीन से ज्यादा मर्डर केस व रंगदारी के अनेक मामले दर्ज लगी। वह दून में छिपा बैठा था और पुलिस को भनक तक नहीं लगी।दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने शहरवासियों में दहशत भर दी है। पॉश इलाके में हथियारबंद बदमाश बेखौफ घूम रहे हैं। पुलिस की गतिविधियों को लेकर अब हर शहरी के दिमाग में यह बात दौड़ रही है कि आखिरकार पुलिस क्या कर रही है क्योंकि राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में पिछले दोनों कई मर्डर हुए हैं।

कौन था विक्रम शर्मा?

एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, विक्रम शर्मा कोई साधारण कारोबारी नहीं, बल्कि एक हार्डकोर गैंगस्टर था।झारखंड और उत्तराखंड में उस पर दर्जनों संगीन मुकदमे दर्ज हैं।अकेले विक्रम पर तीन से अधिक हत्याओं व अनेक रंगदारी के मामलों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि यह हत्या पुरानी रंजिश या झारखंड के किसी प्रतिद्वंद्वी गैंग द्वारा अंजाम दी गई श्कॉन्ट्रैक्ट किलिंगश हो सकती है। दून के एसएसपी अजय सिंह का कहना है कि मृतक का आपराधिक इतिहास काफी बड़ा है। वह झारखंड का नामी गैंगस्टर रहा है। शुरुआती जांच में यह गैंगवार का मामला लग रहा है। शहर के एग्जिट पॉइंट्स सील कर दिए गए हैं और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

... क्या अपराधियों के लिए 'सॉफ्ट टारगेट' बन गई है राजधानी?

- दिनदहाड़े हो रही हत्याओं से दहशत में दून, 17 दिनों में 5 हत्याएं

इमरान चौधरी

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून, जिसे अपनी शांति और कानून-व्यवस्था के लिए जाना जाता था, आज रक्तचरित्र का केंद्र बनती जा रही है।

पिछले 17 दिनों के भीतर हुई 5 वीभत्स हत्याओं ने न केवल पुलिसिया इकबाल को चुनौती दी है, बल्कि आम नागरिकों के मन में गहरा डर पैदा कर दिया है।

शुक्रवार को सुबह राजपुर रोड जैसे पॉश और व्यस्त इलाके में स्थित सिल्वर सिटी मॉल में दिनदहाड़े हुई हत्या ने शहर को हिला कर रख दिया।

झारखंड के हिस्ट्रीशीटर विक्रम शर्मा को जिम से निकलते समय सीढ़ियों पर गोलियों से भून दिया गया। हमलावर वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए, जो शहर की नाकाबंदी और सुरक्षा दावों की पोल खोलता है।

खूनी सिलसिला, पिछले 15-17 दिनों का काला चिट्ठा: देहरादून में अपराध का यह सिल. सिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को सेवर सिल्वर सिटी मॉल में दिनदहाड़े गोलीबारी मे विक्रम शर्मा हत्याकांड।

11 फरवरी तिब्बती मार्केट के पास गैस एजेंसी संचालक अर्जुन शर्मा की सुपारी देकर हत्या।यह बात अलग है कि उसकी मां ने ही सुपारी देकर उसे मौत के घाट उतरवाया है जिसका खुलासा कर पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

31 जनवरी ऋषिकेशएक महिला की गोली मारकर हत्या।29 जनवरी विकासनगर मे 18 वर्षीय छात्रा की नृशंस हत्या। हाल ही में भरे बाजार में एक युवती पर चापड़ से हमला कर गर्दन रेत गर्दन हत्या कर दी थी।

मित्र पुलिस को चैलेंज कर रहे हैं अपराधी

राजधानी में बैकअप अपराधी मित्र पुलिस को चौलेंज करने में जुटे हैं और दिनदहाड़े कहीं भी घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं।क्या पुलिस का खुफिया तंत्र अपराधियों की आवाजाही को ट्रैक करने में नाकाम रहा है।मॉल और बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में हत्याएं होना यह दर्शाता है कि अपराधियों में कानून का डर खत्म हो चुका है।क्या देहरादून बाहरी राज्यों के गैंगस्टर्स के लिए सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है?राजधानी में बढ़ता अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह देवभूमि की छवि पर भी गहरा आघात है। यदि समय रहते पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए और श्प्रिवेंटिव पुलिसिंगश (निवारक पुलिस व्यवस्था) पर जोर नहीं दिया, तो दून की शांति केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगी। गढ़वाल आईजी का कहना है कि पुलिस को अलर्ट किया गया है और क्षेत्र में हो रही घटनाओं अंकुश लगाने के लिए पुलिस टीम में गठित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की राजनैतिक दलों के साथ बैठक

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण, बीएलओ आउटरीच अभियान,बूथ लेवल एजेंट्स की शत प्रतिशत नियुक्ति के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कहा कि आगामी एसआईआर की तैयारियों को लेकर पूरे प्रदेश में बीएलओ द्वारा आउटरीच अभियान के तहत वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 79 प्रतिशत मैपिंग की जा चुकी है।

दून के एसएसपी बने प्रमेन्द्र, नवनीत को हरिद्वार की कमान

- अजय सिंह को एसएसपी एसटीएफ बनाया गया
- कई आईपीएस सहित 20 अधिकारियों के तबादले

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने शुक्रवार को पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और प्रांतीय पुलिस सेवा के 20 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं।

गृह सचिव शैलेश बगौली द्वारा जारी आदेश के अनुसार, देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर जैसे महत्वपूर्ण जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को बदला गया है। हरिद्वार के पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र डोबाल को अब राजधानी देहरादून का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। नवनीत सिंह को हरिद्वार जिले की कमान सौंपी गई है।चम्पावत के एसपी अजय गणपति कुम्भार को पदोन्नत करते हुए ऊधमसिंहनगर का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। लंबे समय से राजधानी की पुलिस कप्तान रहे अजय सिंह को अब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ के पद पर तैनात किया गया है।बागेश्वर के चन्द्रशेखर आर. घोड़के को अल्मोड़ा का नया एसएसपी बनाया गया है।निवेदिता कुकरेती को डीआईजी से पदोन्नत कर आईजी एसडीआरएफ बनाया गया है। प्रल्हाद नारायण मीणा को एसएसपी सतर्कता से पदोन्नत कर डीआईजी, सतर्कता मुख्यालय नियुक्त किया गया है।

रेखा यादव को पिथौरागढ़ से हटाकर एसपी चम्पावत बनाया गया है, जबकि अक्षय प्रहलाद कोण्डे अब पिथौरागढ़ के नए एसपी होंगे।ऊधमसिंहनगर के मणिकान्त मिश्रा को एसपी अभिसूचना के पद पर भेजा गया है।रुद्रप्रयाग की कमान निहारिका तोमर को दी गई है, जबकि जितेन्द्र कुमार मेहरा बागेश्वर के नए एसपी होंगे।

मुखबिर तंत्र को मजबूत व अपराधियों में कानून का भय करें स्थापित : सीएम

- मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में हाल के दिनों में सामने आई आपराधिक घटनाओं को लेकर गंभीर रुख अपनाया,
- आम नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने पर दिया जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में हाल के दिनों में सामने आई आपराधिक घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीर रुख अपनाया है।

मुख्यमंत्री ने पहले भी कानून-व्यवस्था की लगातार समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे और स्पष्ट किया था कि अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

हाल की घटनाओं के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को समयबद्ध तरीके से गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपराध की रोकथाम के लिए केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई ही नहीं, बल्कि पूर्व-निवारक रणनीति भी मजबूत की जाए। इसी क्रम में पुलिस विभाग में प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक तबादले किए गए हैं।

यह कदम पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्रिय, जवाबदेह और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मुखबिर तंत्र को मजबूत करने, अपराधियों में कानून का भय स्थापित करने तथा आम नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आमजन बिना किसी भय के पुलिस के पास अपनी शिकायत लेकर जाएं और उन्हें त्वरित न्याय मिले। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति और अधिक मजबूत हो तथा अपराधियों के लिए कोई स्थान न बचे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री धामी पहले भी साफ कह चुके है कि पुलिस पूरी सक्रियता, सतर्कता और जवाबदेही के साथ कार्य करे। थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। कानून हाथ में लेने वालों, असामाजिक तत्वों और प्रदेश की शांति भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी

अपराधियों के खिलाफ प्रदेश में जारी है जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश मे चल रहे अवैध अतिक्रमण और डेमोग्राफी चेंज के खिलाफ कार्यवाही से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है और कानून व्यवस्था को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। सरकार ऐसे किसी भी मंसूबे को कामयाब नही होने देगी।

- कहा, कानून व्यवस्था का सवाल उठाकर कांग्रेस कर रही डेमोग्राफी से ध्यान भटकाने की कोशिश

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सखघ्त कार्यवाहियों से डेमोग्राफी बदलने वालों के मंसूबों पर फिर पानी फिर गया है। सखघ्त धर्मांतरण कानून

अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए गए अभियान से देवभूमि की छवि खघ्राब करने वालों को रोका गया तथा कांग्रेस का इरादा तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने का था, लेकिन मुख्यमंत्री धामी के सख्त रूख के चलते डेमोग्राफी बदलाव को रोकने के प्रयासों का प्रभाव धरारतल पर दिखने लगा है। जिसे कांग्रेस पचा नही पा रही है।उन्होंने कहा कि राज्य की संस्कघति के सरंक्षण और डेमोग्राफी की हिफाजत के लिए सरकार के द्वारा उठाये जा रहे कदम कांग्रेस को रास नही आ रहे है। इसी कारण कांग्रेस लगातार मुद्दे बदल रही है। धामी सरकार आम जन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी हाल मे राज्य वासियों के हितों से खिलवाड नही होने देगी।

भट्ट ने कहा कि डाकपत्थर में प्रस्तावित एजुकेशन सिटी को लेकर कांग्रेस का विरोध दुर्भाग्यपूर्ण है।

लैंड जिहादियों के लिए कांग्रेस एजुकेशन सिटी का विरोध कर रही है। मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पैरोकारों को आधुनिक शिक्षा रास नहीं आ रही है। राज्य के विकास से अधिक उनकी चिंता लैंड जिहादियों की है।

महेंद्र भट्ट ने कहा कि डाकपत्थर में जिस जमीन पर उत्तराखंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड एजुकेशन सिटी विकसित करने जा रहा है, उसे लेकर कांग्रेस को परेशानी है। एजुकेशन सिटी के बावजूद वहां भविष्य की जल विद्युत परियोजनाओं से जुड़े कामों के लिए पर्याप्त जमीन उपलब्ध है।

16 दिनों में 5 हत्याएं सामान्य आंकड़ा नहीं: नेता प्रतिपक्ष

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि जब प्रदेश की राजधानी ही असुरक्षित हो जाए, तो आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा? राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और शासन-प्रशासन मौन दर्शक बना हुआ है।

- प्रदेश के अंदर अपराधियों में कानून का भय समाप्तः यशपाल आर्य

आर्य ने कहा कि हत्या जैसी जघन्य घटनाओं का लगातार सामने आना यह दर्शाता है कि पुलिस तंत्र पर दबाव या ढिलाई है, अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है, खुफिया और निगरानी व्यवस्था कमजोर पड़ चुकी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राजधानी में 16 दिन में 5 मर्डर होना किसी भी सरकार के लिए गंभीर चेतावनी है। यह सिर्फ आँकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर परिवार की सुरक्षा का सवाल है।

उन्होंने कहा कि सरकार को तुरंत इन सभी मामलों की उच्चस्तरीय समीक्षा करनी चाहिए। अपराध नियंत्रण को विशेष अभियान चलाना चाहिए। पुलिस गश्त और खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए। जनता को पारदर्शी जानकारी देनी चाहिए कि अब तक क्या कार्रवाई हुई।

अपराध की घटनाएं दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण शीघ्र पकड़े जाएंगे हत्यारोपी : चमोली

देहरादून (संवाददाता शाह टाइम्स)। भाजपा ने राजधानी में हुई अपराध की घटना को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कहा कि सरकार का रुख सख्त और स्पष्ट है कि अपराधी किसी कीमत पर नही बख्शे जायेंगे। आरोप प्रत्यारोप की राजनीति से बचते हुए सभी को धैर्य से पुलिस कार्रवाई का इंतजार करना चाहिए। पार्टी मुख्यालय में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस पूरी घटना को लेकर पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता क्षुब्ध और चिंतित हैं। हम सभी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परि. जनों के साथ है और उन्हें न्याय से लेकर सभी संभव मदद सरकार से दिलाने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध हैं। हमे विश्वास है, जो भी इस अमानवीय घटना के दोषी हैं, वे शीघ्र कानूनी शिकंजे में कसे जाएंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री धामी के भी स्पष्ट निर्देश हैं कि हत्यारे पाताल में भी छिप जाएं उन्हें ढूंढ कर कठोरतम सजा दिलवाई जाए।

नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

देहरादून। राजधानी के पटेलनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रबनी श्मशान घाट के पास शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव गंदे नाले में पड़ा हुआ था। शुक्रवार को कंट्रोल रूम के माध्यम से पटेलनगर पुलिस को सूचना मिली कि चंद्रबनी श्मशान घाट के पास स्थित एक नाले में एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुँचा। पुलिस ने फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव के निरीक्षण के दौरान मृतक के शरीर पर प्रथम दृष्टया किसी भी प्रकार के चोट या खरोच के निशान नहीं पाए। मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या पहचान पत्र भी बरामद नहीं हुआ है जिससे उसकी शिनाख्त हो सके।

अपराधों से दहला उत्तराखंड, सरकार बेबस: कांग्रेस

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में लगातार हो रही दिनदहाड़े हत्याओं, महिला अपराधों और बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने उत्तराखंड को झकझोर कर रख दिया है, जिसको लेकर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने धामी सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

- आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति को खनन का पट्टा किस आधार पर दिया?

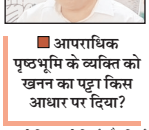

शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत में गोदियाल ने कहा प्रदेश की अस्थायी राजधानी देहरादून में जिस तरह से विकासनगर, ऋषिकेश, मच्छी बाजार, सिल्वर सिटी और तिब्बती मार्केट में एक के बाद एक हत्याएं हुई, वह बताती हैं कि कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। गोदियाल ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री का अब कोई कंट्रोल नहीं रहा, क्योंकि उनकी दिलचस्पी सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार करने में है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह कितनी हैरत की बात है कि तिब्बती मार्केट में एक नौजवान की हत्या कर दी जाती है उसके बावजूद

मुख्यमंत्री और उनकी पूरी कैबिनेट बगल की एक पिक्चर हॉल में 3 घंटे की पिक्चर देखते हैं जिसके परिणाम स्वरूप आज देहरादून में एक और हत्या को अंजाम दे दिया गया यह बताता है कि मुख्यमंत्री राज्य में हो रहे अपराधों के प्रति कितने गंभीर हैं।

आज प्रदेश में कानून का राज ध्वस्त हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री को नफरत फैलाने से फुरसत नहीं है। मुख्यमंत्री का आज एक ही काम रह गया है खुद काले कारनामे करो और काले कपड़े विरोधी पार्टी को पहना दो। लेकिन ये अब नहीं चलेगा। गोदियाल ने यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन के द्वारा बताया जा रहा है कि सिल्वर सिटी में जिस व्यक्ति की हत्या की गई है वह झारखंड का रहने वाला है और उसके ऊपर पहले से 50 मुकदमे चल रहे हैं ऐसे में मुख्यमंत्री बताएं कि आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को बिना जांच पड़ताल के उनकी सरकार ने यहां खनन का पट्टा किस आधार पर दिया?

देवभूमि को चाहिए शांति, जंगलराज नही: माहरा

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा राज में देवभूमि उत्तराखंड की शांति और सुरक्षा पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदेश में बढ़ते अपराध और आए दिन हो रही हत्याएं साफ संकेत हैं कि कानून-व्यवस्था कमजोर पड़ी है। जिस सरकार ने सुरक्षित उत्तराखंड का वादा किया था, वही आज जवाब देने से बचती नजर आ रही है। मुख्यमंत्री अभी भी खुद को 'धाकड' कहलाने में बिल्कुल नहीं शरमा रहे हैं और जमीन पर जनता डर और असुरक्षा का माहौल महसूस कर रही है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और सत्ता की छत्रछाया उन्हें खुली छूट दे रही है। माहरा ने कहा कि देवभूमि को विकास और शांति चाहिए, ना कि जंगलराज।

शादी-ब्याह में छलकाए जाम, तो ग्रामसभा निपटेगी

खुली बैठक में शराब पर प्रतिबंध का प्रस्ताव पारित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। विकास खंड कपकोट के चलकाना ग्राम सभा की ग्राम प्रधान गीता मेहता की अध्यक्षता में शुक्रवार को खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में नव युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल का गठन हुआ। इसके साथ ही समस्त ग्राम वासियों ने प्रस्ताव पास कर गांव में शराब पीना एवं बेचने पर कड़ी पाबंदी लगाई। बैठक में तय किया गया कि यदि कोई गांव में आयोजित होने वाले शादी ब्याह एवं अन्य गतिविधियों में शराब पीते हुए या अन्य को शरब पिलाते हुए पाया गया तो ग्राम सभा उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही करेगी। बैठक में राशन कार्ड सत्यापन पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा ग्राम सभा के कई समस्याओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य भगवती गढ़िया ने कहा कि उनके क्षेत्र सीट छलकाना, लखमारा, पुड़कुनी की समस्या को प्राथमिकता के साथ ब्लाक में आयोजित बीडीसी बैठक में उठाया जाएगा। अगर जन समस्याओं के लिए आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन आदि भी किए जाएंगे। बैठक में सर्व सहमति से नव युवक मंगल दल के अध्यक्ष धीरज गढ़िया, अनूप कोरंगा उपाध्यक्ष, मदन मेहता सचिव, करम सिंह कोषाध्यक्ष चुने गए। जबकि महिला मंगल दल की अध्यक्ष अंचल गढ़िया, शोभा को.रंगा उपाध्यक्ष, मंजू दानू सचिव, सुनीता मेहता उप सचिव, विद्या गढ़िया कोषाध्यक्ष चुनी गई। इस अवसर पर भावना देवी, गीता देवी, कमला देवी, कैलाश सिंह, नंदन सिंह अनिल आर्या सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

विज्ञान सम्मेलन का सीएम ने किया वर्चुअली शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में तीन दिवसीय 21 वें राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का आगाज हो गया है। शुक्रवार को सम्मेलन का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से किया। सम्मेलन में देशभर से 50 से अधिक विज्ञान संग्रहालयों एवं विज्ञान केंद्रों के निदेशक, प्रमुख, वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे है, जो विज्ञान केंद्रों का भविष्य विषय पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विज्ञान केंद्र आज केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं रहे, बल्कि नवाच.ार, अनुभवात्मक शिक्षण और वैज्ञानिक सोच के सशक्त केंद्र बन चुके हैं।

कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विज्ञान प्रत्येक जनपद तक पहुंचे, ताकि पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों का हर युवा विज्ञान से सशक्त हो सके। कहा कि मानसखंड विज्ञान केंद्र और महिला प्रौद्योगिकी पार्क जैसी पहले विज्ञान को जन-आंदोलन और

आत्मनिर्भरता का माध्यम बना रही हैं। वहीं, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में स्वदेशी नवाचार वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम हैं। यू-कॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि युवाओं को केवल विज्ञान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनाना समय की मांग है। डीएम अंशुल सिंह ने इस राष्ट्रीय सम्मेलन को उत्तराखंड के लिए विज्ञान एवं तकनीकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अल्मोड़ा में राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा के प्रभारी डा. नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि सम्मेलन विज्ञान संग्रहालयों को पारंपरिक प्रदर्शनी स्थलों से आगे बढ़ाकर उन्हें ज्ञान, नवाचार, अनुसंधान और युवा नेतृत्व के सशक्त राष्ट्रीय केंद्रों के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक पहल सिद्ध होगा। बताया कि सम्मेलन के दौरान विज्ञान संग्रहालयों की बदलती भूमिका, डिजिटल एवं इंटरैक्टिव तकनीकों का उपयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित आधुनिक प्रदर्शन, विज्ञान संचार के नवाचारी मॉडल तथा बच्चों और युवाओं को विज्ञान से जोड़ने के भविष्य-उन्मुख उपायों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। मानसखंड विज्ञान केंद्र के प्रभारी डा. नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि केंद्र द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामान्य जन, वन पंचायत सदस्यों एवं शोधार्थियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया है। इस दौरान आगंतुकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 28,157 तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 10,976 आगंतुक केंद्र का भ्रमण कर चुके हैं, जो इसे क्षेत्रीय स्तर पर विज्ञान और शिक्षा का एक प्रभावी केंद्र सिद्ध करता है। यहां एनसीएसएम डिप्टी डायरेक्टर जनरल अनुराग कुमार, वीपीकेएएस निदेशक डा. लक्ष्मीकांत, निदेशक जीबी पंत संस्थान डा. आईडी भट्ट, डा. गिरीश नेगी समेत कई लोग मौजूद रहे।

शिव मंदिर के स्थापना कार्यक्रम में मेयर दीपक बाली ने किया प्रतिभाग

काशीपुर। कुमाऊँ कॉलोनी स्थित शिव मंदिर के स्थापना कार्यक्रम में महापौर दीपक बाली ने बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता निभाई और देवादिदेव महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भगवान शिव से सभी क्षेत्र एवं प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। महापौर दीपक वाली ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज को एकता और आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ते हैं। इस दौरान अर्जुन सिंह, रंजीत सिंह, अशोक कुमार, योगेश, महेंद्र सिंह, जगमोहन सिंह बंटी, वीरेंद्र सिंह, जसविंदर सिंह, दिलेर सिंह, हीरा सिंह, मुख्य पंडित लक्की समेत दर्जनों स्त्री पुरुष श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

आम बजट को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री की प्रेस वार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। केंद्रीय आम बजट को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने आम बजट को लेकर जानकारी दी।

कहा कि यह हर वर्ग को विकास की ओर ले जाने वाला आम बजट है। नगर के एक होटल सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि यह बजट विक.सित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। जबकि बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा समेत सड़क और रेल आदि के लिए प्रावधान रखे गए है। वहीं, क्वारब और स्वाला पर बोलते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा ने कहा कि जल्द दोनों समस्याओं का समाधान निकल जाएगी। कहा कि क्वारब में पहाड़ी का ट्रीटमेंट कार्य तेजी के साथ चल रहा है। वहीं, वैकल्पिक मार्ग में भी कार्य तेजी के साथ चल रहा है, जिसे जल्द यातायात के लिए चालू कर दिया जाएगा। यहां प्रेस वार्ता में मेयर अजय वर्मा, जिलाध्यक्ष महेश नयाल, महामंत्री दर्शन रावत, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, प्रकाश भट्ट, महिला जिलाध्यक्ष पूनम पाल.ीवाल, संजय बिष्ट, सुनील बिष्ट, सौरभ वर्मा, संजय जोशी, कैलाश गुरुरानी, मनोज सनवाल, पीयूष समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिल्म 'गोदान' की विशेष स्क्रीनिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। आरआर स्क्वायर माल स्थित एसआरएस सिनेमा हॉल में आज फिल्म 'गोदान' की विशेष स्क्रीनिंग का शुभारंभ महापौर दीपक बाली ने किया। इस अवसर पर नगर निगम परिवार, पार्षदगण, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। मेयर ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सभी के साथ फिल्म देखी। इस दौरान मेयर बाली ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौ माता का विशेष महत्व है। गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि आस्था, परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गौ माता का दूध अमृत के समान है, वहीं गोमूत्र और गोबर भी जैविक खेती सहित कई क्षेत्रों में उपयोगी हैं। जब

गाय दूध देना बंद कर देती है तो उसे अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं, बल्कि उसका संरक्षण और सेवा समाज का दायित्व है। शहर में बढ़ती आवारा एवं बेसहारा गौवंश की समस्या पर मेयर ने कहा कि गौशाला निर्माण के लिए भूमि स्थानांतरित की जा चुकी है तथा प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। धनराशि स्वीकृत होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर भव्य गौशाला का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिल्म की स्क्रीनिंग का उद्देश्य किसी प्रकार की राजनी.ति नहीं, बल्कि सामा.जिक और सांस्कृतिक जागरूकता फैलाना है। इस दौरान पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, मुकेश चावला, मानवेंद्र मानस, ईश्वर गुप्ता, अभिषेक गोयल, बृजेश पाल, अमित मित्तल, चौधरी समरपाल सिंह, नितिन गोला, राजीव अरोरा बच्चू, घनश्याम, बबलू चौधरी, पार्षद सीमा सागर, ममता कुमारी, गुंजन प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

एक नजर...

बिंदुखत्ता में विराट सद्भावना सम्मेलन कल

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। बिंदुखत्ता स्थित श्री हंस प्रेम योग आश्रम में 15 फरवरी को विराट सद्भावना सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संत सदगुरुदेव सतपाल महाराज संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन से एक दिन पूर्व 14 फरवरी को बिंदेश्वर महादेव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो सुबह 9 बजे शुरू होगी। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक महात्मा सत्यबोधानंद जी के अनुसार, सम्मेलन में अमृता माताजी समेत अन्य संत और महात्मा भी उपस्थित रहेंगे। कलश यात्रा बिंदेश्वर महादेव मंदिर से होकर रावत नगर, शांतिपुरी मार्ग, और कालिका मंदिर होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद, 4 बजे से संत सम्मेलन का आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। बिंदुखत्ता और आसपास के क्षेत्रों में भव्य तोरण द्वार और होर्डिंग्स लगाए गए हैं। पूर्व में 2018 में भी यहां सद्भावना सम्मेलन हुआ था, और अब 8 साल बाद सदगुरुदेव महाराज जी का आगमन स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ा आस्थापूर्ण क्षण बन चुका है।

मलड़ा ने पौधों के महत्व के बारे में बताया

बागेश्वर। देवकी लघु वाटिका, मंडलसेरा में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मातृसम्मान को प्रकृति संरक्षण से जोड़ना और सभी को पौधा रोपित करने का संकल्प दिलाना था। इस अवसर पर किशन सिंह मलड़ा ने पौधों के महत्व बारे में बताया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर मेरा युवा भारत एवं जन शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृसम्मान को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा रोपित कर उसके संरक्षण का संकल्प दिलाना रहा। कार्यक्रम में वृक्ष प्रेमी किशन मलड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए पारिजात, चंदन, सीलिंग, रुद्राक्ष, बेल, औषधीय, मूंगा, रेशम तथा बांस-चारा पत्ती आदि के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा यदि हर व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसकी सेवा और संरक्षण का संकल्प ले, तो यह धरती और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्ची कृतज्ञता होगी। इस मौके पर डा. जितेंद्र तिवाड़ी, रमेश पर्वतीय, धन सिंह, देवकी देवी, राधा गड़िया, रमा देवी, ममता, मनीषा, हेमा बिष्ट, जया भाकुनी, दीपा चौबे आदि लोग मौजूद रहे।

वनाग्नि नियंत्रण मॉक ड्रिल का आयोजन

बागेश्वर। वन प्रभाग ने आगामी वनाग्नि काल को देखते हुए जौलकाण्डे में एक दिवसीय मॉक ड्रिल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उप प्रभागीय वनाधिकारी तनुजा परिहार की अध्यक्षता में हुए इस अभ्यास में वन विभाग, अग्निशमन विभाग और पुलिस ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल में दो स्थानों पर काल्पनिक वनाग्नि घटनाएं बनाई गई, जिसमें चार मुख्य टीमों और दो रिजर्व टीमों का गठन कर घटनास्थल पर त्वरित कार्रवाई की गई। अभ्यास के दौरान घास और पिरूल की क्षति दिखाई गई, लेकिन जनहानि नहीं हुई। उप प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यास से आपात स्थिति में विभागों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है। इस अवसर पर उपजिलाधिक.ारी प्रियंका रानी, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंतनगर विवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पंतनगर। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत आईसीएआर-केंद्रीय महिला कृषि संस्थान, भुवनेश्वर के सहयोग से भीमपुरी गांव, कोटाबाग ब्लॉक में हुआ। प्रशिक्षण में कृषक महिलाओं के कौशल विकास और आजीविका संवर्धन पर ध्यान केंद्रित किया गया। पहले दिन हर्बल गुलाल और धूप निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया, जबकि दूसरे दिन मशरूम उत्पादन पर जानकारी दी गई। अंतिम दिन प्राकृतिक रंगाई की तकनीक सिखाई गई। कार्यक्रम के समापन पर 30 महिलाओं को कृषि कार्य हेतु आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन डा. मनीषा गहलौत, डा. अनिल कुमार और उनकी शोध टीम के सहयोग से हुआ। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की उम्मीद जताई।

रेडक्रॉस का चिकित्सा शिविर दूसरे दिन भी जारी

काशीपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी काशीपुर शाखा इकाई के तत्वावधान में ढेला नदी पार बैल्जूडी चौराहे पर कांवड़ियों के उपचार हेतु लगाए गए स्वास्थ्य सेवा और मैत्री भाव से नि:शुल्क रेडक्रॉस चिकित्सा शिविर में दूसरे दिन दो सौ से अधिक कांवड़ियों समेत सेवादारों ने तैनात चिकित्सकों द्वारा उपचार कराकर स्वास्थ्य लाभ उठाया। वहीं उपचार कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि शिविर में ज्यादातर मरीज पेट दर्द, सर्दी जुखाम बुखार तथा लूज मोशन के आ रहे है। इस दौरान नीता पंत सरोज ठाकुर डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. अकील हुसैन, सचिव अरुण पंत, कौशलेश गुप्ता, मौ आरिफ, संजीव शर्मा, अनीता पंत, रिया शर्मा समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

काशीपुर में कांवड़ियों का जगह-जगह हो रहा स्वागत

काशीपुर। आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर अपने अराध्य देव भगवान शंकर का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से कांवर में गंगाजल लेकर आने वाले सितारगंज, हल्द्वानी, रुद्रपुर, किच्छा, पीलीभीत, बेहड़ी, रामनगर के कांवरिये बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ काशीपुर पहुंचने लगे हैं। इन कांवरियों के लिए शिवभक्तों ने जगह-जगह भंडारे, ठहरने व मेडिकल सुविधा के लिए पंडाल लगाए हैं। काशीपुर से होकर गुजरने वाले कांवरियों के लिए कुंडा चौराहा, मिस्सरवाला, बैलजुड़ी तिराहा के पास, श्मशान घाट के पास, चाचा की बगिया, गंगेबाबा मंदिर, मुल्तानी मोड़, रतन रोड, रोडवेज के समीप, बिजलीघर परिसर, तीर्थ द्रोणासागर परिसर, मोटेश्वर महादेव मंदिर आदि स्थानों पर पंडाल सजाए गए हैं। बम-बम भोले के उद्घोषों के साथ पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आ रहा है। इधर, सुरक्षात्मक एवं व्यवस्थात्मक दृष्टि से कांवर यात्रा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस कर्मी तैनात हैं।

सरकार का लाखों करोड़ों का मुआवजा बांटा,, फिर होने दिया अवैध निर्माण

रूद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे चौड़ीकरण से प्रभावित भवन स्वामियों और भूमिधरों को मुआवजा वितरित किया गया, लेकिन स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव वाले लोगों को अनुपात से अधिक मुआवजा दिया गया। कुछ मामलों में पूरे भवन का मुआवजा स्वीकृत होने के बावजूद ढांचों को पूरी तरह नहीं हटाया गया है। यह स्थिति हाईवे के तिलवाड़ा में देखने को मिल रही है। यहां नेशनल हाईवे चौड़ीकरण में अभियंता और कर्मचारियों की मिलीभगत से मुआवजे की बंदरबांट की जा रही है। परिणामस्वरूप, उन्हीं भूखंडों पर दोबारा निर्माण और अतिक्रमण बढ़ने की शिकायतें सामने आई हैं।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम का समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज के स्किल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जेपीएनएटीसी एम्स नई दिल्ली के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चिकित्सकों को मेडिकल आपात स्थितियों में बेसिक लाइफ सपोर्ट तथा ट्रामा मैनेजमेंट के महत्वपूर्ण कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया।

समापन अवसर पर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. जीएस तितियाल ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रतिभागी चिकित्सकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जेपीएनएटीसी एम्स से डा. बीएल मनीष कुमार, नर्सिंग ऑफिसर संगीता अफारिया, नर्सिंग ऑफिसर गीता सिन्हा, जगदीश चन्द्र मेडिकल कालेज हल्द्वानी से डा. राजीव सिंह, डा. रितु रखोलिया, डा. परमजीत सिंह, डा. दीपा देउपा, डा. जहांआरा, डा. राहुल सक्सेना, अनीता अधिकारी आदि मौजूद रहे।

न्यायालय श्रीमान जिला जज, जनपद उधम सिहं नगर (रूद्रपुर)

हर आम व खास को सूचनार्थ नोटिस

प्रकीर्ण वाद संख्या-01 सन् 2026

प्रार्थिनी-श्रीमती फूल जहां
पत्नी स्व. मोहम्मद अनीस
नाबालिग मो. अयान (उम्र 17 वर्ष) आफरीन (उम्र 16 वर्ष) की प्राकृतिक अभिभावक एवं संरक्षिका माता श्रीमती फूल जहां, निवासी मौ. अल्ली खाँ, तहसील काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर।

बनाम

हर आम व खास

हरगाह हर आम व खास को सूचना दी जाती है कि प्रार्थिनी ने एक प्रार्थना पत्र अंतर्गत अभिभावक और वार्ड अधिनियम 1890 की धारा 29 अपने नाबालिग पुत्र मो. अयान व पुत्री आफरीन के नाम राजस्व ग्राम बैलजूड़ी तहसील काशीपुर के खाता संख्या 435, व खसरा नं0 966 मिन, रकबा 179.88 वर्गमीटर, भूमि मध्य नाबालिगों के अंश को विक्रय करने की अनुमति प्राप्त करने बाबत इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसमें दिनांक 18/3/2026 की तिथि नियत है।
लिहाजा यदि किसी को प्रार्थिनी का उक्त प्रार्थनापत्र स्वीकार किये जाने में कोई आपत्ति हो तो वह उक्त नियत तिथि को दिन के ठीक 10 बजे असालतन / वकालतन इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, ऐसा करने में कोई त्रुटि न हो, अन्यथा प्रार्थनापत्र पर अग्रिम कार्यवाही निष्पादित की जावेगी।
जिला दिनांक 12/2/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुहर से जारी।

सेना की वजह से हम सुरक्षित: गजराज बिष्ट

कोटाबाग में पूर्व सैनिकों ने कराया सैनिक सम्मान कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। शुक्रवार को पूर्व सैनिकों द्वारा सैनिक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कोटाबाग के भटलानी स्थित बजरंग बैंकट हॉल में आयोजित हुआ। जहां कोटाबाग एवं कालाढूंगी के डेढ़ सौ पूर्व सैनिक मौजूद रहे। कर्नल सुयाल ने दीप प्रजनन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर कोटाबाग के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत, एवं देश भक्ति कार्यक्रम किया, बच्चों के द्वारा सुंदर कार्यक्रम को देखकर वहां मौजूद सैनिकों एवं उनके परिवार की माताओं की आंखों में आंसू आ गए। सम्मान समारोह कार्यक्रम में सन 71

की लड़ाई लड़ने वाले 1 जवान, सन 99 में कारगिल की लड़ाई लड़ने वाले 1 जवान, सन 17-18 में जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद 3 जवानों, गलवान घाटी में चीनी सेना से मुठभेड़ में 1 जवान, 80 वर्ष से अधिक उम्र के 4 जवानो सहित कुछ सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हल्द्वानी के मेयर गजराज सिंह बिष्ट मौजूद रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में सभी पूर्व सैनिकों से अपने-अपने क्षेत्र में युवाओं को साथ लेकर समाज में चल रहे नशे एवं अन्य गलत कार्यों के खिलाफ जागरूक करने एवं उन्हें रो.कने की बात कही। गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि सेवा के जवान के कारण ही हम सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कार्यक्रम की शुभकामनाएं देते हुए सैनिकों के सभी कार्यक्रम में हमेशा सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम में सूबेदार धारा बल्लभ नैनवाल, कैप्टन मोहन चंद कबड्वाल, कैप्टन तारा सिंह अधिक.ारी, कैप्टन सुरेश लाल शाह, सूबेदार त्रिलोक सिंह सहित कई सैनिक मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट के निर्देशन में कांग्रेस कार्यकताओं ने एडीएम के मध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नाम पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने विधान सभा सत्र के दौरान सभी विधान सभा के विधायकों को बोलने का पूरा अवसर दिए जाने सहित स्थानीय स्तर पर व्याप्त समस्याएं अंकित की गई। शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी एवं अन्य कार्यकताओं ने अपर जिला.धिकारी एन एस नबियाल से मुलाक.ात की। कार्यकर्ताओं ने उनके माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग करते हुए कहा कि राज्य का बजट सत्र प्रश्नकाल के साथ शुरू हो। सीएम प्रश्नकाल में पूछे गए प्रश्नों का जवाब दें। कार्यकताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में आज पंचायती राज एक्ट में वर्तमान तक उत्तर प्रदेश के नियमावली चल रही है, इन कानूनों को उत्तराखंड के अनुसार बदला जाए। कहा कि राज्य में आए दिन बिगड़ती कानून व्यवस्था, वन्य जीवो का मानवों पर हमला, सरकारी जमीन को अपने चहेतो में बंटवारा आदि समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। इसके अलावा उन्होंने विधान सभा का बजट सत्र कम से कम तीन सप्ताह तक चलाए जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में कुंदन गिरी, मनोज शाह, प्रमोद कुमार, ईश्वर पांडे, सुरेश खेतवाल, खीम सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रामीणों ने सड़क के लिए भरी हुंकार

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। सड़क की समस्या को लेकर भैरूचौबट्टा के ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय के बाहर हुंकार भरी। ग्रामीणों ने विभाग पर 16 साल पहले सर्वे हुई सड़क को आज तक नहीं बनाए जाने का आरोप लगाया। इस आश्रय का उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

शुक्रवार को भैरूचौबट्टा से आए ग्रामीण क्षेत्र पंचायत सदस्य अनीता देवी के नेतृत्व में अपनी प्रमुख समस्याओं सड़क, खेल मैदान सहित अन्य समस्याओं की मांग को लेकर जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के लिए 16 साल पहले सड़क की सर्वे हो चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य आज तक नहीं हो पाया है। उन्होंने जल्द समस्या

दूर करने की मांग की वही मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। वक्ताओं ने कहा कि गैराड़-सुकराड़ी से भैरूचौबट्टा गांव के लिए साढ़े चार किमी सड़क स्वीकृत हुई। जिसकी सर्वे 2010 व वर्ष 2025 में पुन: हो चुकी है। इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि गांव में खेल मैदान आज तक नहीं बनाया गया है। बच्चे खेतों में खेलने को मजबूर हैं। इस मौके पर गणेश धोनी, नवीन चंद्र, भूपेंद्र आर्या, कमलेश कुमार धौनी, कुंदन लाल, भाष्करानंद, केवलानंदी, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

गंदगी फैलाई तो कटेगा चालान

वार्ड 28 में रमज़ान से पहले चलेगा विशेष सफाई अभियान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उजाला नगर वार्ड 28 के कई क्षेत्रों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी हो रही है। खासकर सफदर का बगीचा क्षेत्र में लिंक रोड नाले के कवर की हालत और भी बदतर हो गई है, जहां कुछ शरारती तत्व कूड़ा फेंक रहे हैं। इसके अलावा कई घरों की ड्रेनेज लाइन खुले में सड़कों पर निकलने से गंदगी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य और सफाई की स्थिति गंभीर हो गई है। वार्ड 28 के पार्षद, इमरान खान ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को इस समस्या की शिकायत करते हुए गंदगी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई और चालानी कार्रवाई की अपील की है। पार्षद खान ने बताया कि रमज़ान के महीने के मद्देनजर, वार्ड के सफाई कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

दिए गए हैं। इसी संदर्भ में गंदगी वाले प्रमुख प्वाइंट्स, जैसे उजाला नगर के उजालेश्वर मंदिर के पास समेत अन्य स्थानों की सफाई नगर निगम की टीम द्वारा की जाएगी। इसके साथ ही गंदगी फैलाने वालों को नोटिस जारी करने और चालान की कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं। पार्षद इमरान खान ने क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की कमी की समस्या भी उठाई। उन्होंने कहा कि फिलहाल, निजी खर्च पर सफाई कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है ताकि क्षेत्रवासी किसी भी प्रकार की समस्या से जूझने न पाएं। पार्षद इमरान ने वार्डवासियों से अपील की कि वे खुले में कूड़ा न डालें और स्वच्छता में अपना सहयोग प्रदान करें।

कार्यालय सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई उपखण्ड कपकोट

पत्रांक: 63/ल0सिं0/नि0सू0/2025-26 दिनांक: 13 फरवरी 2026

निविदा सूचना

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबंद निविदा वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 26.02.2026 के अपराह्न 2.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपराहन 3.00 बजे सहायक अभियंता लघु सिंचाई उपखण्ड कपकोट के कार्यालय में निविदा समिति द्वारा उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.02.2026 को अपराहन 4.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा पंजीकरण के प्रमाण पत्रों की सत्य प्रतिलिपि के साथ निविदा प्रपत्र दिनांक 25.02.2026 को सहायक अभियन्ता कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। किसी निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा। निविदा क्रय के समय जीएसटी नम्बर चालू होना अनिवार्य है अन्यथा निविदा विक्रय नहीं किया जाएगा।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	विकासखण्ड	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	दरों की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	श्रेणी
1	सा0 सिं0 योजना विकासखण्ड कपकोट के अन्तर्गत ग्राम पौसारी के मानीगैर से सिंचाई गूल का मरम्मत कार्य।	कपकोट	12000.00	1000 + GST	45 दिन	60 दिन	ई0 एवं उच्च
2	सा0 सिं0 योजना विकासखण्ड कपकोट के अन्तर्गत ग्राम पौसारी के पौसारी प्रथम में सिंचाई गूल का मरम्मत कार्य।	कपकोट	12000.00	1000 + GST	45 दिन	60 दिन	ई0 एवं उच्च
3	सा0 सिं0 योजना विकासखण्ड कपकोट के अन्तर्गत ग्राम बैशानी के तमगड़ी में सिंचाई गूल का मरम्मत कार्य।	कपकोट	13000.00	1000 + GST	45 दिन	60 दिन	ई0 एवं उच्च
4	सा0 सिं0 योजना विकासखण्ड कपकोट के अन्तर्गत ग्राम बैशानी के जाखडाबगड में सिंचाई गूल का मरम्मत कार्य।	कपकोट	10000.00	500 + GST	45 दिन	60 दिन	ई0 एवं उच्च

निविदा संबंधी अन्य शर्तें कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई उपखण्ड, कपकोट

कानून व्यवस्था की आईजी ने टटोली नब्ज

रिद्धिम अग्रवाल ने आधी रात सड़क पर निकलकर देखा, तो मिलीं कई खामियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊं परिक्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष सघन चेकिंग अभियान के तहत बीती गुरूवार की मध्यरात्रि आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कानून व्यवस्था की नब्ज टटोलने के लिए जिले के विभिन्न नाको, पुलिस बैरियरों और चौकी क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। आईजी के निरीक्षण के दौरान आईजी ने स्वयं वाहनों की चेकिंग की, संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन कराया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। नाको और बैरियरों पर आगंतुकों एवं वाहनों की आवाजाही से संबंधित रजिस्टरों की जांच में कई स्थानों पर अभिलेखों के संधारण में कमियां पाई गई। इस पर संबंधित थाना प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से अभिलेख अद्यतन कर एक दिवस के भीतर पूर्ण विवरण सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कुछ चौकियों में स्थापित सीसीटीवी कैमरे खराब अवस्था में पाए गए, जिसकी सूचना उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई थी। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए आईजी ने कड़ी आपत्ति जताई और सभी सीसीटीवी कैमरों को तत्काल कार्यशील बनाने तथा अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने गश्त पर तैनात कुछ कर्मचारियों के पास बीट बुक/ई-बीट बुक और वायरलेस सेट उपलब्ध न पाए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की गई। अभियान के दौरान कई ओवरलोड वाहनों को सीज कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। आईजी के निर्देशन में परिक्षेत्र के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक ने भी अपने-अपने क्षेत्र का निरीक्षण कर रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की सतर्कता का परीक्षण किया।

शराब और जुए के अड्डों पर रखी जाए नजर: एसएसपी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गल्ला मंडी में हुए डबल मर्डर के बाद पुलिस महकमा पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल और एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी खुद बीती देर रात सड़कों पर उतरे और गश्त, पिकेट व चेकिंग व्यवस्था का जायजा लिया।

बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रभावी रोकथाम के आदेश दिए हैं। जिसके बाद पुलिस की हाई लेवल मीटिंग में पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अब विजिबल पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि वे स्वयं रात्रि गश्त में मौजूद रहे और अपनी लोकेशन की जानकारी उच्चाधिकारियों को दें। रात 11 बजे तक बाजार और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद कराने और शराब और जुए के अड्डों पर विशेष नजर रखने को कहा गया। रंजिशन विवाद वाले मामलों को चिन्हित कर निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा सक्रिय अपराधियों पर गैंगस्टर और गुंडा एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने चेतावनी दी कि ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वही देर रात चलाए गए सघन अभियान के दौरान 18 लोगों के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई करते हुए 4150 रुपये संयोजन शुल्क वसूला गया। जबकि 28 वाहन चालकों के चालान कर 13,500 रुपये जुर्माना वसूला और 3 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। जनपद में शांति भंग करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

कार में कारतूस लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पुलिस ने बीती रात्रि रोडवेज के पास वाहन चैकिंग के दौरान एक काली फिल्म लगी एक कार को रोककर पूछताछ की तो वह नशे में धुत पाया गया साथ ही कार सवार के पास से 5 अवैध कारतूस भी बरामद किए। पुलिस ने वाहन को सीज करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। बता दें कि एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी के निर्देश में पुलिस द्वारा लगातार चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान बीते गुरूवार की रात्रि पुलिस टीम रोडवेज चौराहे के पास चैकिंग कर रही थी तभी एक काली फिल्म लगी एक कार आती दिखाई दी। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और काली फिल्म उतारने की बात कहीं। नशे में धुत कार चालक पुलिस उलझ गया। पुलिस ने कार चालक को पकड़कर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 12 बोर के अवैध 5 कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने कार को सीज करते हुए करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

दस कारोबारियों पर चार लाख 20 हजार का अर्थदंड

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत न्यायालय ने जिले के दस कारोबारियों पर कुल 4 लाख 20 हजार रुपये का अर्थदण्ड आरोपित किया। न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी विवेक राय द्वारा की गई सुनवाई के बाद लिया गया। सुनवाई के दौरान सहायक अभियोजन अधिकारी अन्जनी कुमार तिवारी ने राज्य सरकार की ओर से आरोपितों पर कार्रवाई की। इसके अंतर्गत, निम्नलिखित कारोबारियों पर अर्थदण्ड आरोपित किया गया। जिसमें कुशाल सिंह नेगी कार्बेट रिजॉर्ट और स्पा प्राइवेट लिमिटेड, बैलपड़ाव रामनगर पर 50 हजार रूपये का जुर्माना, रोहित जोशी, मैनेजर, होटल आरिफ कास्टल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड मल्लीताल को 80 हजार, बुद्धि सागर मशहूर राजमा चावल हल्द्वानी को 20 हजार, अख्तर खान उत्तराखल किराना स्टोर लालकुआँ को 50 हजार, अमित अग्रवाल, गणपत राम एंड सन्स, लालकुआँ को 50 हजार, धीरेन्द्र सिंह कुमाऊँनी रसोई हल्द्वानी 25 हजार, योगेश सनवाल, सिक्स सीजन रिजॉर्ट कालाढूंगी 50 हजार, आशीष सिंह त्रिदेव रेस्टोरेंट अमृतपुर पर 25 हजार, संजय पाल हल्द्वानी पर भी 25 हजार, राजेन्द्र प्रसाद प्रजापति सेल्स हल्द्वानी पर 20 हजार, सुनील पाल, आरके मटन एंड चिकन शॉप हल्द्वानी पर 25 हजार रूपये का जुर्माना लगाते हुए सभी आरोपितों को खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के लिए यह दण्ड प्रदान किया गया। न्यायालय ने कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमों का पालन करने की भी अपील की।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत की गयी कार्रवाई

मिलवाटखोरों के खिलाफ छापेमारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। होली पर्व के मद्देनजर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा विभाग ने अलग-अलग टीम बनाकर मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने चैकिंग के दौरान पनीर व खोया के सैंपल लिए, साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर नोटिस दिया गया।

शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा उपायुक्त डा. राजेन्द्र सिंह कठायत के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन टीम ने रामनगर स्थित हल्दुवा चौक पोस्ट सहित कई जगहों पर चैकिंग व निरीक्षण किया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश के स्वार, मुरादाबाद, गजरौला आदि क्षेत्रों से आने वाले खाद्य आपूर्तिकर्ता वाहनों पर विशेष रूप से केंद्रित था। इस अभियान के तहत लगभग तीन दर्जन से अधिक वाहनों की जांच की गई, जिनमें दूध, पनीर, बिस्कुट, ब्रेड, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों का परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान 7 खाद्य पदार्थों के नमूने संदेह के आधार पर लिए गए, जिनमें दूध, पनीर, ब्रेड, नमकीन और रस्क बिस्कुट शामिल थे। ये नमूने परीक्षण के लिए राजकीय विश्लेषणशाला भेजे गए हैं। अभियान के दौरान स्वार, मुरादाबाद क्षेत्र से एक ओविनी मारूति वैन में खुले पनीर की जांच की गई, जो अस्वस्थकर परिस्थितियों में परिवहन किया जा रहा था। इसे खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार न पाकर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य प्रतिष्ठान मालिकों को निर्देश दिए हैं कि वे केवल पंजीकृत और लाइसेंस प्राप्त कारोबारकर्ताओं से ही खाद्य पदार्थ खरीदें। सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुनिश्चित करना होगा कि उनके उत्पादों पर एफएसएसएआई लाइसेंस संख्या अंकित हो। इसके साथ ही उन्होंने आम जनता से भी अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थ खरीदते समय निर्माण तिथि, उपभोग तिथि और खाद्य लाइसेंस देखे, और किसी भी संदिग्ध खाद्य पदार्थ के विक्रय की सूचना टोल फ्री नंबर 18001804246 पर दें। चैकिंग के दौरान खाद्य सुरक्षा उपायुक्त डा. राजेन्द्र सिंह कठायत, सहायक आयुक्त अजब सिंह रावत, और वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खाँ शामिल थे।

बाइकों की रफ्तार पर ब्रेक लगाएगी पुलिस

डा. हरभजन के एक्सीडेंट के बाद एसएसपी ने ठंडी सड़क का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर में बेखौफ होकर स्टंट और तेज रफ्तार बाइक चलाने वाले युवा अब डर का सबब बन गए हैं। तंग गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ये बाइक सवार अक्सर 70-80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहे हैं। जिससे कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। बीते गुरूवार की रात्रि एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने ठंडी सड़क पर पैदल चल रहे कृष्णा हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. हरभजन सिंह को टक्कर मार दी।

जिससे वह गंभीर रूप से घायल, जिनका उपचार कृष्णा अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ कार्रवाई कर बाइक को सीज कर दिया। शुक्रवार को एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने ठंडी सड़क पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ ठंडी सड़क का किया निरीक्षण किया और फिर घायल डा. हरभजन सिंह से मुलाकात की। बता दें कि बीते गुरूवार की रात्रि डा. हरभजन सिंह रोजना की तरह बीती रात्रि ठंडी सड़क पर इवनिंग वॉक कर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी।

डा. हरभजन सिंह के घायल होने की सूचना मिलते ही कई जनप्रतिनिधि, व्यापारी, परिचित, अधिकारी व चिकित्सक अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल जाना। घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने घटनास्थल का जायजा लिया और डा. हरभजन सिंह का हालचाल जाना। एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने ठंडी सड़क पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर ठंडी सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी ने कहा कि रैश राइडिंग, ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों, बाइकर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। उन्होंने बताया कि डा. हरभजन को टक्कर मारने वाले बाइक सवार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी बाइक को सीज कर दिया है। कहा कि कानून व्यवस्था और शहर का माहौल खराब करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा ठंडी सड़क समेत आंतरिक सड़कों पर स्पीड ब्रेकर लगाए जायेगे। इसके साथ ही तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन चैकिंग अभियान चलाया जायेगा। इस निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त हल्द्वानी परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, सीओ हल्द्वानी अमित कुमार सहित एसएसआई रो. हताश सिंह कई पुलिस कर्मी व विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्मैक व चरस लेकर घूम रहा तस्कर दबोचा

हल्द्वानी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भारी मात्रा में चरस व स्मैक लेकर घूम रहे एक तस्कर को रामनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार नशे के खिलाफ रामनगर कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में एसआई धर्मेन्द्र सिंह मय टीम के साथ क्षेत्र में चैकिंग कर रहे थे तभी एक युवक संदिग्ध अवस्था में आता दिखाई दिया जिसे रोककर पुलिस ने पूछताछ की और शक होने पर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 64.47 ग्राम चरस व 25.43 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम दीपक कश्यप उर्फ काली पुत्र स्व. राम चन्द्र कश्यप निवासी नई बस्ती गुलरघट्टी रामनगर बताया। पकड़े गए आरोपी युवक के खिलाफ रामनगर थाने में तीन मुकदमें दर्ज है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

शराब तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी। मुखानी पुलिस ने 106 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मुखानी सुशील जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इस दौरान चार धाम मंदिर मुखानी के पास एक व्यक्ति को 106 पाउच कच्ची शराब खाम के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने अपना नाम बलकार सिंह निवासी मोहाली जंगल भजुवा नगला थाना केलाखेड़ा जिला उधमसिंह नगर बताया।

कानून व पेयजल पर हो बजट सत्र में चर्चा

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आगामी बजट सत्र को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल के नेतृत्व में कांग्रेस के शिष्टमंडल ने शुक्रवार को डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि उत्तराखंड में बजट सत्र अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम समय के लिए होता है, जिससे विधायकों के क्षेत्रीय और जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे विधानसभा में उठ नहीं पाते। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि प्रदेश में 70 विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों के विभिन्न मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछने होते है, लेकिन बजट सत्र का समय इतना कम होता है कि कई मुद्दे अधूरे ही रह जाते है। यह स्थिति राज्य की जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने बजट सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था, पेयजल संकट, वन्य जीवों के हमले, आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और मुआवजे और सरकारी जमीनों की नीलामी जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग की है। साथ ही उन्होंने इस वर्ष वन्य जीवों के हमलों में मानव क्षति, जल जीवन मिशन के बाद भी प्रदेश के कई हिस्सों में पेयजल संकट, पिछले साल आपदा से प्रभावित लोगों का पुनर्वास और मुआवजा न मिलने तथा सरकार द्वारा सरकारी जमीनों की नीलामी के रास्ते खोलने जैसे मुद्दों को विधानसभा में उठाने की मांग की है।

कहा कि मुख्यमंत्री के पास 40 विभाग है लेकिन अधिकांश समय मुख्यमंत्री प्रश्नकाल से बचते हैं। कहा कि प्रस्तावित बजट सत्र में सोमवार को प्रश्नकाल और अन्य विधायी कार्य एक साथ होते है, इसलिए बजट सत्र इस तरह आयोजित किया जाए कि कम से कम तीन सोमवार मुख्यमंत्री अपने विभागों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दें। ज्ञापन देने वालों में हरीश मेहता, जगमोहन चिलवाल, मनोज शर्मा, राजेन्द्र सिंह बिष्ट (रज्जी), प्रकाश पांडे, मधु सांगुड़ी, भावना भट्ट, गीता बहुगुणा, हेमंत बगड़वाल, नरेश अग्रवाल, गोविन्द बगड़वाल, मनोज भट्ट, डा. केदार पड़लिया, सुरेंद्र बर्गली आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त: उनियाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर तीखा प्रहार करते हुए प्रेस को जारी बयान में कहा कि उत्तराखंड में जंगलराज जैसा माहौल बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि देहरादून, हल्द्वानी और अन्य क्षेत्रों में लगातार हो रही हत्याओं और गंभीर अपराधों के चलते आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। सुशील उनियाल ने कहा कि छोटे से राज्य में लगभग 73-75 आईपीएस अधिकारी तैनात हैं, फिर भी अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने बड़े पुलिस तंत्र के बावजूद अपराधों पर नियंत्रण क्यों नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि यह स्थिति प्रशासनिक विफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यूकेडी नेता ने चेतावनी दी कि अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है, और दिनदहाड़े हो रही वारदातें इस बात का संकेत हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। यदि यही स्थिति रही, तो जनता का सरकार और पुलिस प्रशासन पर विश्वास उठ जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि कानून व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त नहीं किया गया तो उत्तराखंड क्रांति दल जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होगा।

कुमाऊंनी भाषा पर कविता प्रतियोगिता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊँनी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से सौहार्द जनसेवा समिति द्वारा आयोजित अभियान की श्रृंखला के चौथे दिन शुक्रवार को वुडलैंड स्कूल कमलुवागांजा में कविता प्रतियोगिता संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की ऑनर रंजना धौनी, डायरेक्टर लता खोलिया, प्रधानाचार्या पूनम जोशी और संस्था की अध्यक्ष विद्या महतोलिया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्रतियोगिता में 20 बच्चों ने भाग लिया और उन्होंने कुमाऊँनी संस्कृति, देशभक्ति, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, स्वच्छता और पर्यावरण जैसे विषयों पर अपनी कविताओं के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। निर्णायक मंडल में साहित्यकार डा. गीता मिश्रा और आचार्य ईश्वर चंद्र भट्ट शामिल रहे। इस दौरान संस्था की अध्यक्ष विद्या महतोलिया ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल भाषा को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि बच्चों में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाने और जनहित कार्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। उन्होंने बताया प्रतियोगिता में हिमांशु जोशी प्रथम, वर्तिका और आरुष द्वितीय, भानु और उपासना तीसरे स्थान पर रहे। जबकि जयेश जोशी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। स्कूल की ऑनर रंजना धौनी ने संस्था का आभार व्यक्त किया और कुमाऊँनी भाषा को विलुप्त होने से बचाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सचिव विद्या जोशी, संरक्षक नीरजा बोरा, सह उपाध्यक्ष पूर्णिमा पांडेय, उप सचिव अंजू पांडेय, कोषाध्यक्ष ममता भट्ट, पुनीता पांडेय आदि मौजूद रहे।

आंखों के शिविर का लाभ उठाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। तेजस्विनी जन सेवा समिति द्वारा वेदांता नेत्रालय के सहयोग से शुक्रवार को बिठोरिया नंबर-2 स्थित एक बैंक्वेट हॉल में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने 200 से अधिक लोगों की आंखों की जांच कर परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया। शिविर का उद्घाटन नगर निगम के मेयर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। संस्था की अध्यक्ष कृति तिवारी जोशी ने बताया कि भविष्य में भी संस्था द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर रोगियों को त्वरित उपचार एवं दवा उपलब्ध कराना ही सबसे बड़ी मानव सेवा है। शिविर में सुमित राणा, कृष्णा सिंह, कमल सिंह, शशांक जोशी, भास्कर पलड़िया, योगेश जोशी, विनोद जोशी, नारायण बोरा, दयाल पांडेय, विवेक गुणवंत मौजूद रहे।

यूकेडी की सदस्यता ली

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल की एक बैठक शुक्रवार को मुखानी स्थित बैंकट हॉल में संपन्न हुई। बैठक में आम आदमी पार्टी के नैनीताल व अल्मोड़ा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव लोचन सहित कई लोगों ने दल की सदस्यता ली। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि बैठक का उद्देश्य घर-घर चर्चा, घर-घर पर्चा अभियान को लेकर पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करना तथा दल की आगामी कार्यशालाओं की रूपरेखा तय करना है। इस दौरान राजीव लोचन ने कहा कि वे दल की नीति और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करेंगे। बैठक में खड़क सिंह बगडवाल, चंद्रशेखर कापड़ी, भुवन सिंह बिष्ट, गोपाल सिंह बिष्ट, सुरेश पाण्डे, बच्ची बिष्ट, विजय बत्रा, जगदीश उपाध्याय, अमित अग्रवाल, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, भुवन जोशी, मोहन सिंह नेगी, श्याम सिंह, एनडी तिवारी, शम्भू दत्त जोशी, दिनेश आर्या, पार्षद रवि बाल्मीकि रहे।

15 दिन में बनेंगे आवासीय मानचित्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शुक्रवार को डीएम कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी ललित मोहन रायल की अध्यक्षता में जिला विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में लंबित आवासीय एवं गैर-आवासीय मानचित्रों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आवासीय मानचित्र 15 दिन तथा गैर-आवासीय मानचित्र 30 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से स्वीकृत किए जाएं। जिन मानचित्रों में आपत्ति हो, उसमें एक ही बार में संपूर्ण विवरण के साथ आपत्ति दर्ज कर आवेदक को उपलब्ध कराया जाए तथा समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों में विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आवश्यक है, संबंधित विभागों को प्रत्येक सप्ताह अनुस्मारक पत्र भेजा जाए, ताकि स्वीकृति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। जिलाधिकारी श्री रायल ने सभी सहायक अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं को नियमित स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सहायक अभियंता सप्ताह में अपने अधीनस्थ अवर अभियंताओं के साथ मानचित्रों की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। डीएम ने सचिव एवं संयुक्त सचिव को भी निर्देश दिए गए कि वे समय-समय पर अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित करने के साथ क्षेत्रीय निरीक्षण भी करें तथा मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और कार्य समयबद्ध रूप से संपन्न हों, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सचिव जिला विकास प्राधिकरण विजय नाथ शुक्ल, संयुक्त सचिव गोपाल सिंह चौहान सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सद्भावना क्रिकेट मैच

हल्द्वानी। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्टेडियम क्रिकेट ग्राउंड, गोलापार में शुक्रवार को खेल विभाग की तीन टीमों जिला खेल कार्यालय एकादश, मानसखंड खेल परिसर एकादश और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल समिति एकादश के अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों के मध्य 15-15 ओवरों के मैत्रीपूर्ण सद्भावना क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संचालन मानसखंड खेल परिसर की विशेष कार्यकारी अधिकारी रसिका सिद्दीकी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पहले मुकाबले में जिला खेल कार्यालय एकादश ने मानसखंड खेल परिसर एकादश को पराजित किया। कप्तान निर्मला पंत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 138 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मानसखंड एकादश की टीम 108 रन पर सिमट गई। दूसरे मुकाबले में मानसखंड एकादश ने इंटरनेशनल एकादश को आठ रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

खेल विवि राज्य के लिए सौगात: वर्मा

राज्य के लिए एक ऐतिहासिक कदम, सीएम का जताया आभार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य में बनने जा रहे खेल विश्वविद्यालय की स्थापना राज्य की खेल संस्कृति में एक नया आयाम जोड़ेगी। इस विश्वविद्यालय के निर्माण से न केवल राज्य की खेल प्रतिभाओं को नये-नये पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि यहाँ के प्रशिक्षित कोच भी तैयार होंगे, जो राज्य और देश भर में खेल अकादमियों, विश्वविद्यालयों एवं स्कूलों में कोच के रूप में कार्य करेंगे। इससे राज्य के खिलाड़ियों के लिए नई रोजगार संभावनाएं भी खुलेंगी। हल्द्वानी स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नागरिकों कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष नवीन वर्मा ने इस महत्वपूर्ण कदम के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी आभार व्यक्त किया। इस दौरान नवीन वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में बीपीएड (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) और डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स जैसे पाठ्यक्रमों के तहत प्रमुख खेलों जैसे हॉकी, वॉलीबॉल, तैराकी, बैडमिंटन और क्रिकेट में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कोच देश भर में नये खिलाड़ियों को तैयार करेंगे, जो भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में अद्भुत खेल प्रतिभा है, और बस उन्हें सही दिशा और अवसर देने की आवश्यकता है। अब वह दिन दूर नहीं जब राज्य के बॉक्सर्स, एथलीट्स और निशानेबाज दुनियाभर में अपनी धाक जमाएंगे। नवीन वर्मा ने कहा कि हमारे राज्य के क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में स्थान बना कर यह साबित कर दिया है कि उत्तराखंड के खेल क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कड़ी कार्रवाई

■ आगामी त्योहारों को लेकर चलाया चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। आगामी त्यौहार होली एवं रमजान को लेकर आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने को लेकर खाद्य पदार्थो में मिलावट की प्रभावी रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा आयुक्त उत्तराखण्ड सचिन कुर्वे के एवं जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के दिशा निर्देश पर खाद्य सुरक्षा उपायुक्त कुमाऊं मण्डल डा.राजेन्द्र सिंह कठायत के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन टीम के साथ रामनगर में चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत प्रवर्तन टीम द्वारा हलदुआ फारेस्ट चौक पोस्ट रामनगर में खाद्य प्रदार्थों के वाहनों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। तीन दर्जन से अधिक वाहनों का निरीक्षण कर दूध के 03, पनीर के 02, ब्रेड के 02, नमकीन का 01 बेकरी रस्क का 01 कुल 09 खाद्य नमूने जांच के लिए एकत्रित कर राज्य खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला को भेजे गए। 03 खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नोटिस देते हुए उनसे दो हफ्ते में जबाव तलब किया गया है।साथ ही आधा क्विंटल पनीर संदिग्ध परिस्थितियों में लाते हुए पाए जाने पर जनहित में नष्ट करवाया।इसके बाद टीम द्वारा रामनगर रोड पर स्थित 05 होटल और ढाबों का निरीक्षण किया जहां फूड हैंडलर के मेडिकल फिटनेस और पानी की जांच एवं अन्य मानक सही पाए गए। इसके बाद टीम द्वारा शिवलालपुर पांडेय रामनगर में रिटेल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और सभी प्रतिष्ठानों स्वामी/विक्रेताओं को संदिग्ध खाद्य पदार्थों का विक्रय नहीं करने के निर्देश दिए गए। अभियान दल में खाद्य सुरक्षा उपायुक्त कुमांऊ मण्डल डाक्टर राजेन्द्र सिंह कठायत, अजब सिंह रावत सहायक आयुक्त नैनीताल, असलम खान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कोतवाली से एसआई प्रेम बल्लभ जोशी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किया 16 फरवरी को राजभवन घेराव का ऐलान

■ अंकिता भंडारी हत्याकांड सहित जन मुद्दों पर आंदोलन तेज करने का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न जन मुद्दों को लेकर आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 फरवरी को राजभवन का घेराव किया जाएगा और प्रदेश की कानून व्यवस्था, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, अंकिता भंडारी और सुखवंत हत्याकांड सहित रजिस्ट्री पर लगी रोक जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ भुसरी ने कहा कि प्रदेश में आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है और सरकार जन समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों पर सड़क से लेकर राजभवन तक संघर्ष करेंगे। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने युवाओं से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, अपराध और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है, जिसे अब कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व विधायक प्रेमानंद ने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही आपराधिक घटनाएं सरकार की नाकामी को दर्शाती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जन आवाज को मजबूत करने की अपील की।

प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने महिलाओं की सुरक्षा को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराना कांग्रेस की प्राथमिकता है। वहीं दिनेशपुर नगर अध्यक्ष नारायण हालदार ने कहा कि 16 फरवरी का राजभवन घेराव ऐतिहासिक होगा और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे।

बैठक में तारक बछाड़, भीम ठुकराल, चंदन नयाल, किशोर सामंत, किशोर हालदार और सुभाष बेहड़ सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया।

मंडल अध्यक्ष के पार्टी छोड़ने पर बोले जिला मंत्री बिट्टू चौहान

■ कुछ लोगों के जाने से भाजपा कमजोर नहीं होती

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भाजपा मंडल अध्यक्ष के पार्टी छोड़ने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला मंत्री बिट्टू चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक विचारधारा आधारित संगठन है और कुछ व्यक्तियों के व्यक्तिगत स्वार्थ या लालच में आकर पार्टी छोड़ने से संगठन की ताकत कमजोर नहीं होती।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने की राजनीति करती आई है। यदि उन्होंने भाजपा के कुछ पदाधिकारियों को प्रलोभन देकर शामिल किया है, तो यह उनकी कार्यशैली को दर्शाता है, भाजपा की नहीं। बिट्टू चौहान ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद, विकास और जनसेवा की राजनीति करती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पार्टी का नेतृत्व और कार्यकर्ता निरंतर जनता की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग विचारधारा से जुड़े होते हैं, वे किसी लालच में नहीं आते, और जो केवल पद या लाभ के लिए राजनीति करते हैं, उनके जाने से पार्टी और अधिक मजबूत होती है। जिला मंत्री ने दावा किया कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक सशक्त है और जनता का विश्वास पार्टी के साथ है। आने वाले चुनावों में इसका जवाब जनता स्वयं देगी।

मजदूर अधिकारों को लेकर निकाला जुलूस

■ आशाओं को सरकारी कर्मचारी घोषित करने और न्यूनतम वेतन देने की मांग बुलंद की

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ट्रेड यूनियन ऐक्टू से सम्बद्ध उत्तराखण्ड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन की राष्ट्रव्यापी श्रमिक हड़ताल के तहत गल्ला मंडी में एकत्र होकर संक्षिप्त सभा कर गांधी पार्क तक जुलूस निकाला।

इस दौरान ऐक्टू की जिला सचिव अनीता अन्ना ने कहा कि मोदी सरकार मजदूरों, महिला कामगारों के अधिकारों पर हमला कर रही है। आशा वर्कर्स की हालत सभी उत्पीड़ित श्रमिकों में सबसे ज्यादा खराब है, उन्हें तो श्रमिक का दर्जा भी नहीं दिया जाता, बंधुवा मजदूर की तरह काम लिया जाता है। आशा वर्कर्स पर सरकार नए-नए काम का बोझ लगातार बढ़ाते जा रही हैं। शिशु मृत्यु दर कम करने में आशा वर्कर्स का बहुत बड़ा योगदान है। इसके बावजूद आशा वर्कर्स को वेतन देने के नाम पर सिर्फ नाममात्र की प्रोत्साहन राशि और कुछ योजनाओं का कमीशन दिया जाता है। यह खुला शोषण कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है। प्रदेश उपाध्यक्ष रीता कश्यप ने कहा कि चार श्रम कोड वापस लेने, आशाओं को न्यूनतम वेतन 35000 हजार करने, आशा वर्कर्स को राज्य कर्मचारी का दर्जा व न्यनूतम वेतन देने, रिटायरमेंट के समय पेंशन, अस्पताल में सम्मानजनक व्यवहार, ट्रेनिंग स्वास्थ्य विभाग स्वयं कराए और एनजीओ का हस्तक्षेप बंद हो, ट्रेनिंग का प्रतिदिन न्यूनतम 500 रूपये भुगतान करने, सभी बकाया राशि का भुगतान करने, हर माह का पैसा हर माह खाते में डालने सहित अन्य मांगों को लेकर आज आशा वर्कर्स हड़ताल पर हैं।

यूनियन की जिला अध्यक्ष ममता पानू ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार आशा वर्कर्स को न्यूनतम वेतन और कर्मचारी का दर्जा नहीं देकर उनका आर्थिक शोषण कर रही है। यहां काजल मिस्त्री, सुधा शर्मा, बबीता कश्यप,मंजू, इंद्रा रावत, पूजा शर्मा, अनीता बिष्ट, तारा बिष्ट, शशि बाला, सुनीता तिवारी, शरमीन सिद्दीकी,निशा शर्मा, लक्ष्मी देवी,गायत्री, मंजीत, देवकी दुबे, सरिता देवी, राजेश्वरी, राधारानी, सुमन, अमन कौर, फातिमा,कमला मिलकनी, सुरेंद्र कौर, सरिता देवी, रेखा, सुधा , काजल मिस्त्री, लक्ष्मी देवी, पुष्पा, रूबी, शोभा, मीरा, रामेश्वरी देवी, शमीम जहां, सुषमा रानी, नीलम रानी, राधा देवी, रविंदर कौर, सुनीता रानी, आरती अरोरा, रामेश्व. री, इंद्रा, प्रेमवती देवी, कमला देवी, रहीमा, इंद्रा देवी आदि मौजूद थे।

डायनेस्टी में धूमधाम से मनाया गया 'वसंतवैभव' वार्षिकोत्सव

■ बच्चों ने प्रस्तुत किए अनेकों अद्‌भुत कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'वसंतवैभव' वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम सभी विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच पर लाने के लिए किया जाता है। उन्होंने समस्त अभिभावकों से विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा व उनके सर्वांगीण विकास हेतु सहयोग करने के लिए कहा व सफल आयोजन हेतु समस्त शिक्षकों व अभिभावकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर विद्यार्थियों ने गणेश जी की वंदना, श्री कृष्ण की लीला, गीता सार, हमारी धरोहर उत्तराखंड की संस्कृति, सुंदर बांसुरी, तबला, हारमोनियम वादन, शिव तांडव जैसे अनेकों अद्‌भुत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मंच संचालन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कविता कापड़ी, रेखा सोनकर, कृष्णा नेगी, दीपक फुलेरा, शांति देवी, हरीश सिंह, नीरज बिष्ट, विनीता बिष्ट, दीपक पाण्डेय, इन्द्राणी पाण्डेय, विद्यालय की डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, गायत्री भट्ट, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, अशोक जोशी, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, कल्पना चंद, हेमलता बोरा, ऊषा भट्ट व विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे।

कार्निवाल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

■ आज सीएम धामी करेंगे मेले का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। 14 से 23 फरवरी तक गांधी पार्क में उधमसिंह कार्निवाल सरस आजीविका मेला-2026 आयोजित होगा। सरस मेले का शुभारम्भ सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा।

सरस मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने विधायक शिव अरोरा व अधिकारियों के साथ मेला स्थल गांधी पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को मेले की सभी तैयारियां समय से पूर्व करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कल शनिवार को सरस आजीविका मेले का शुभारम्भ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अपराह्न 4 बजे जनपद प्रभारी एवं ग्राम विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सांसद अजय भट्ट, महापौर विकास शर्मा, क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा की गरिमामय उपस्थिति में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम दिवस मुख्यमंत्री द्वारा सरस मेले के शुभारम्भ के उपरांत स्टांल का अवलोकन किया जाएगा व 5.30 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही हिमनांद बैण्ड की प्रस्तुति के साथ ही अमर नाथ सेवा मंडल द्वारा शिव जागरण की भक्तिमय प्रस्तुति होगी। उन्होंने मेले की समस्त तैयारियों का जायजा लेते हुए सभी व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण करने के निर्देश निरीक्षण के दौरान दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, अधिशासी अभियंता लोनिवि गजेन्द्र सिंह, विद्युत उमाकांत चतुर्वेदी, लघु सिंचाई सुशील कुमार, खण्ड विकास अधिकारी असित आनंद आदि मौजूद थे।

इंडस टॉवर्स ने मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

■ स्कूलों को डस्टबिन और पैड बैंक कराए मुहैया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सीएसआर पहल के तहत इंडस टॉवर्स ने पिंकीशी फाउन्डेशन के सहयोग से उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड के 70 सरकारी स्कूलों में मैन्स्ट्रुअल हाइजीन इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं जागरुकता प्रोग्राम चलाया। इस पहल के तहत हर स्कूल को डस्टबिन और पैड बैंक मुहैया कराए गए हैं, ताकि किशोरियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं भरोसेमंद मैन्स्ट्रुअल हाइजीन मटीरियल उपलब्ध कराया जा सके।

जिला प्रशासन ने इंडस टॉवर्स एवं पिंकीशी फाउन्डेशन के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। कहा कि इस पहल से लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, माहवारी के दौरान भी उन्हें स्कूल से छुट्टी नहीं लेनी पड़ेगी और उनकी उपस्थिति में सुधार होगा। इस पहल पर तेजिन्दर कालरा, सीओओ, इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने कहा माहवारी के लिए हाइजीनिक मटीरियल उपलब्ध कराना हर लड़की की मर्यादा, स्वास्थ्य एवं अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। नारी सम्मान प्रोग्राम के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लड़कियां बिना किसी रूकावट के आत्मविश्वास के साथ नियमित रूप से स्कूल आ सकें। इंडस टॉवर्स की मुख्य सीएसआर पहल प्रगति के तहत पेश किया गया नारी सम्मान प्रोग्राम जागरुक, सुलभता एवं सामुदायिक सक्रियता को बढ़ावा देता है। मल्टी-लेयर्ड मॉडल में स्कूलों, प्रशिक्षित स्कूल सखियों, अध्यापकों को शामिल कर तथा साम. ुदायिक आउटरीच को बढ़ाकर देकर नारी सम्मान प्रोग्राम सुनिश्चित करता है कि मैन्स्ट्रुअल हेल्थ एक साझा एवं समावेशी प्राथमिकता बन जाए।

अरूण गुप्ता, मैनेजिंग ट्रस्टी एवं प्रेजीडेन्ट, पिंकीशी फाउन्डेशन ने इस साझेदारी की सराहना करते हुए कहा यह उपलब्धि सामुहिक प्रयासों की क्षमता को दर्शाती है। इंडस टॉवर्स के साथ साझेदारी के जरिए हमने हजारों लड़कियों के लिए हाइजीनिक प्रोडक्ट्स को सुलभ बनाया है, उन्हें आत्मविश्वास के साथ मैन्स्ट्रुअल हेल्थ की देखभाल के बारे में जागरुक बनाया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिये गये निर्देशो के क्रम में 14 मार्च, 2026 द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी देते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधम सिंह नगर द्वारा जनपद में 14 मार्च 2026 (द्वितीय शनिवार) को प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक रूद्रपुर स्थित जिला न्यायालय सहित वाह्य स्थित दीवानी न्यायालयों काशीपुर, खटीमा, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज एवं किच्छा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटीगेशन के वादों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति अपने वादों/मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण करवाना चाहते हैं वे सम्बन्धित न्यायालय में किसी भी कार्य दिवस में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर अपने वादों को नियत करवा सकते हैं या जिला न्यायालय परिसर में स्थित एडीआर केन्द्र रुद्रपुर में स्वयं अथवा जरिए अधिवक्ता अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

गदरपुर मोक्ष धाम की सुंदरता अब पहुंचेगी देश-विदेश तक

■ महाशिवरात्रि पर रिलीज होगा भजन, मोक्ष धाम में हुई भव्य शूटिंग

■ विजय सुखीजा की मेहनत लाई रंग, शेखर जायसवाल ने की सराहना

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। मोक्ष धाम गदरपुर अपनी स्वच्छता, सौंदर्य और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के कारण दूर-दूर तक चर्चा का विषय बना हुआ है। अब इसकी प्रसिद्धि देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक पहुंचने जा रही है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहां एक भव्य भजन की शूटिंग किए जाने से क्षेत्रवासियों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मोक्ष धाम के अध्यक्ष विजय सुखीजा द्वारा किए गए सौंदर्यीकरण और व्यवस्थागत सुधारों की हर ओर सराहना हो रही है। उनके निरंतर प्रयासों से मोक्ष धाम न केवल अंतिम संस्कार स्थल रहा है, बल्कि श्रद्धा, शांति और स्वच्छता का प्रतीक बनकर उभरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह का सुसज्जित मोक्ष धाम विरले ही देखने को मिलता है। पूर्व पालिका अध्यक्ष अंजू भुड्डी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके परिचित, देश-विदेश में प्रसिद्ध भजन गायक शेखर जायसवाल महाशिवरात्रि के लिए अपने नए भजन "भोले से दिल क्यों लगाया" की शूटिंग हेतु उपयुक्त स्थान की तलाश में थे। इस पर उन्होंने उन्हें गदरपुर मोक्ष धाम का भ्रमण करने का सुझाव दिया। जब भजन गायक और उनकी टीम ने स्थल का निरीक्षण किया तो उन्हें यह स्थान भजन की भावनात्मक और आध्यात्मिक प्रस्तुति के लिए अत्यंत उपयुक्त लगा। विगत 8 फरवरी को मोक्ष धाम परिसर में पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ भजन की शूटिंग संपन्न हुई। शूटिंग के दौरान मोक्ष धाम की स्वच्छता, हरियाली और शांत वातावरण ने पूरी टीम को प्रभावित किया। इस अवसर पर शेखर जायसवाल ने विजय सुखीजा द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की खुलकर प्रशंसा की और शूटिंग के लिए स्थान उपलब्ध कराने पर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने अंजू भुड्डी के विशेष सहयोग के लिए भी धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा जताई।

बताया जा रहा है कि यह भजन महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रिलीज किया जाएगा, जिससे गदरपुर मोक्ष धाम की पहचान व्यापक स्तर पर स्थापित होगी और अन्य स्थानों को भी स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। गौरतलब है कि इससे पूर्व अंजू भुड्डी के प्रयासों से बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में भी शेखर जायसवाल के एक माता भजन की शूटिंग कराई जा चुकी है, जिसे लगभग 25 लाख से अधिक दर्शक देख चुके हैं। इस उपलब्धि ने क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान की है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इस प्रकार की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गति. विधियां न केवल क्षेत्र की पहचान बढ़ाती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का संदेश भी फैलाती हैं। गदरपुर मोक्ष धाम का बढ़ता गौरव इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक नजर

शिवरात्रि पर मीट की दुकानें बंद कराने को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। शिवसेना एवं भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन त हसीलदार को सौंपते हुए शिवरात्रि पर्व पर खटीमा में निकलने वाली शोभायात्रा दिवस पर मीट , मछली, व अंडे की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है।

शिवसेना जिला उप प्रमुख राजकुमार गुप्ता के नेतृत्व में तहसीलदार वीरेंद्र सिंह साजवाण को सौंपे ज्ञापन में शिव एवं भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने शिवरात्रि पर्व पर चकरपुर बनखंडी महादेव मंदिर में लगने वाले मेले में मीट की दुकानें मंदिर के आसपास न लगाने की मांग की है। ज्ञापन में शिव एवं भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने खटीमा में निकलने वाली शोभा यात्रा दिवस पर मांस, मछली, अंडे आदि की दुकानों में पूर्ण रूप से बंद करने की मांग की है। ज्ञापन में शोभित कठेरिया ब्लॉक अध्यक्ष शिवस. ना, मोहन लाल नगर अध्यक्ष, विक्रम बिष्ट कुमाऊं मंडल संगठन सचिव, बीना मिश्रा नगर अध्यक्ष भवानी सेवा, हर स्वरूप विश्वकर्मा, राज कुमारी, छेदा लाल, किरण सैनी, विशाल माली, रोहित कुमार आदि सम्मिलित थे।

प्रशासन की सख्ती: बिना नंबर जेसीबी समेत 9 वाहन सीज, 35 के कटे चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत कोतवाली गदरपुर पुलिस, दिनेशपुर पुलिस तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह की अध्यक्षता में संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना था।

अभियान के दौरान टीम ने विभिन्न मार्गों पर संदिग्ध एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की गहन जांच की। चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट संचालित हो रही एक जेसीबी को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त अन्य अनियमितताओं पाए जाने पर कुल 8 वाहनों को भी सीज किया गया। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 35 वाहनों के चालान काटे गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना दस्तावेज, बिना नंबर प्लेट, ओवरलोडिंग तथा अन्य नियम उल्लंघनों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ओवरलोड वाहनों पर प्रशासन हुआ सख्त

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर/सुल्तानपुर पट्टी। सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोतरी को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को सुल्तानपुर पट्टी क्षेत्र के छोई मोड़ पर प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। जिससे वाहन चाल. कों में हड़कंप मच गया।

चेकिंग अभियान का नेतृत्व एसडीएम डा. अमृता शर्मा ने किया। उनके साथ कोतवाल नरेश चौहान तथा आरटीओ विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद रही। अधिकारियों ने भारी वाहनों, खनन सामग्री से लदे ट्रकों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों की बारीकी से जांच की। इस दौरान कई वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक माल भरा पाया गया, जिनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने कहा कि ओवरलोडिंग सड़क हादसों का एक प्रमुख कारण है, जिससे न केवल वाहन चालकों बल्कि आम जनता की जान भी खतरे में पड़ जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कोतवाल नरेश चौहान ने बताया कि क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की आवाजाही की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके चलते यह संयुक्त अभियान चलाया गया। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और निर्धारित मानकों के अनुरूप ही वाहन संचालन करें।

दो बाइकों की हुई भिड़ंत, दो युवक गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। शुक्रवार को महेशपुरा में दो बाइकों की टक्कर हो गई, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

अमरपाल (45) पुत्र नैम चंद निवासी किशनपुर मौलागढ़ (यूपी) बाइक से दौराहा सामान लेने आ रहे थे। वहीं दूसरी ओर फरमान (22) पुत्र रहीस अहमद निवासी मिस्सरवाला बाइक से केलाखेड़ा की ओर जा रहे थे। महेशपुरा के पास दोनों बाइकों की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से तथा दौराहा चौकी पुलिस की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

चरस और स्मैक के साथ एक आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. मंजुनाथ टीसी द्वारा जनपद को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस के सभी प्रभारियों को अभियान चलाकर अवैध रूप से नशा तस्करी में लिप्त तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के मार्गदर्शन, पुलिस क्षेत्राधिकारी रामनगर सुमित पांडे के पर्यवेक्षण और कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को नई बस्ती गुलरघट्टी धोबी घाट कोतवाली रामनगर क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान नई बस्ती गूलरघट्टी निवासी दीपक कश्यप उर्फ काली पुत्र स्व. राम चन्द्र कश्यप को 64.47 ग्राम चरस और 25.43 स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 8/20/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कोतवाली रामनगर में पूर्व में एनडीपीएस एक्ट में तीन मुकदमे दर्ज है और वह कई बार जेल जा चुका है। इस दौरान पुलिस टीम में एसआई धर्मेन्द्र सिंह, कांस्टेबल संजय सिंह, संजय कुमार, महबूब आलम शामिल रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण शिविर में बच्चों को दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिक्षा भारती इंटर कॉलेज में बच्चों को कानूनी जानक. ारी सहित अन्य महत्वपूर्ण जानका. रियों से जागरूक करने हेतु एक शि. विर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपचंद उप्रेती ने किया। शिविर में न्यायाधीश आशीष तिवारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। वहीं शिविर में आयोजित हुए कार्यक्रम का संचालन पीएलवी विमल कुमार ने किया।

पैनल अधिवक्ता कुमारी चंचल सिंह ने बाल सुधार गृह तथा बच्चों से जाने अनजाने में होने वाले अपराधों के बारे में तथा शहाना बेगम ने व्हीकल एक्ट एवं कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। इसके साथ ही न्यायाधीश आशीष तिवारी ने बच्चों के प्रति मैत्री पूर्ण व्यवहार, स्कीम 2024, बाल श्रम, पोक्सो एक्ट आदि के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। वहीं पीएलवी विमल कुमार ने नशे से होने वाले कुप्रभावों के बारे में बताया और नशे से दूर रहने की बात कही।

इस मौके पर विद्यालय की कोऑर्डिनेटर सीमा उप्रेती, कमला तिवारी, पीएलवी मीरा देवी, भगवती राणा, आरबी सिंह सहित विद्यालय के सैकड़ों बच्चे उपस्थित रहे।

एग्री स्टैक, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं अंश निर्धारण की समीक्षा बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में एग्री स्टैक, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा अंश निर्धारण की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री तैयार किए जाने हेतु जनपद के कुल 1639 राजस्व ग्रामों में से 1439 ग्रामों का डाटा प्राप्त हो चुका है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के लिए कृषि, उद्यान, पशुपालन, ग्राम्य विकास, पंचायती राज एवं राजस्व विभाग के कार्मिकों की नियुक्ति की गई है।

पटवारी क्षेत्रवार रोस्टर तैयार किया जा रहा है, जिसके अनुसार विभिन्न स्थानों पर कैंप आयोजित

कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की जाएगी। वर्तमान तक कृषि विभाग के 53, उद्यान विभाग के 14 तथा पशुपालन विभाग के 18 कार्मिकों की नियुक्ति की जा चुकी है। राजस्व परिषद के सहयोग से आज अपराह्न 3:00 बजे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि योजना का नियमित अनुश्रवण करते हुए अधिकतम प्रगति सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। फार्मर रजिस्ट्री हेतु किसान मुख्य कृषि अधिकारी कार्यालय, विकास भवन पिथौरागढ़ तथा कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़, डीडीहाट एवं बेरीनाग में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सभी विकास खण्ड मुख्यालयों में स्थित कृषि विभाग के कार्यालयों में भी रजिस्ट्री कराई जा सकती है। बैठक में बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में जनपद पिथौरागढ़ राज्य स्तर पर शीर्ष तीन जनपदों में बना हुआ है। जिलाधिकारी ने प्रगति को संतोषजनक बताते हुए अधिकारियों को और अधिक प्रयास कर जनपद को प्रथम स्थान पर पहुँचाने के लिए कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, उप जिलाधिकारी सदर जितेंद्र वर्मा, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौधरी, मुख्य उद्यान अधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी हरीश आर्या, तहस. ीलदार सदर विजय गोस्वामी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटे कांवड़िये, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। पावन नगरी हरिद्वार से गंगाजल लेकर शिव भक्त अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। आस्था, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर कांवड़िए "बोल बम" और भोलेनाथ के जयकारों के साथ आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

यात्रा मार्ग पर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। बाजपुर क्षेत्र में कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए है। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। नेशनल हाईवे-74 से गुजरते हुए ग्राम महेशपुरा के पास बड़ी संख्या में शिव भक्त नजर आए। प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

गुंजन सुखीजा ने कांवड़ियों की सेवा को लगाया लंगर पंडाल

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। क्षेत्र से हरिद्वार की पावन धरा तक पैदल कांवड़ यात्रा कर गंगा. जल ला रहे शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा में जनसमर्पण का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। गुंजन सुखीजा, जो भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री हैं, इन्होंने झगड़पुरी हाईवे के समीप भव्य सेवा पंडाल स्थापित कर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, भोजन और जल की व्यवस्था की।

यह सेवा शिवभक्तों के प्रति श्रद्धा और सनातन परंपरा के संरक्षण का सशक्त संदेश देती है। दूर-दराज से पैदल चलकर आ रहे कांवड़ियों के लिए यह पंडाल आस्था का केंद्र बना हुआ है, जहां उन्हें न केवल शुद्ध सात्विक भोजन का लंगर प्रदान किया जा रहा है, बल्कि चिकित्सकीय सहायता और आराम की भी समुचित व्यवस्था की गई है। प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने बताया कि 13 और 14 फरवरी को लगातार दो दिनों तक यहां लंगर सेवा निर्बाध रूप से जारी रहेगी, ताकि गदरपुर से हरिद्वार की यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करना भगवान शिव की आराधना के समान है और यह सेवा भाव समाज में एकता, सद्भाव और धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करता है। यह सेवा पंडाल न केवल यात्रियों के लिए सहारा बना है, बल्कि समाज को परोपकार और धर्मनिष्ठा का संदेश भी दे रहा है।

बाजपुर में भाजपा का कुनबा बढ़ा

कांग्रेस समेत अन्य दलों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थामा कमल

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। "जनता का विश्वास है, भाजपा है तो विकास है" के नारे के साथ विधानसभा बाजपुर में राजनी. तिक हलचल तेज हो गई है। गुरुवार देर शाम उन्नति कुंज आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस एवं अन्य दलों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, उन्नत योजनाओं और जनहितकारी कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी में आस्था जताई।

कार्यक्रम के दौरान सभी नवागंतुकों का भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर महुआखेड़ागंज से तीन बार के सभासद एवं कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह, महुआखेड़ागंज विजयनगर वार्ड से सभासद जगदीश सिंह, बरखेड़ा पांडेय के पूर्व प्रधान सरफराज छोटू, महुआखेड़ागंज नगर पालिका प्रत्याशी सलीम अंसारी, पूर्व सभासद मोहम्मद रिजवान, हुसैन, रईस अहमद, अधिवक्ता इरफान, महबूब, मोहम्मद आलम, मोहम्मद हनीफ, समीर, फैजान, मोहम्मद खलील सहित सैकड़ों समर्थकों ने भाजपा का दामन थामा। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के नेता भाजपा की विचारधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए साथियों के आने से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति तेज होगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी नवागंतुक साथियों का हृदय की गहराइयों से स्वागत करते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अभियोजन कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा हुई

जिलाधिकारी ने नियमित मॉनिटरिंग व समन्वय के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ में अभियोजन कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कक्ष में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में लंबित एवं विचाराधीन अभियोगों की प्रगति की समग्र समीक्षा करते हुए दोषसिद्धि दर में वृद्धि तथा अभियोजन प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाना रहा।

बैठक में माह जनवरी 2026 तक की अद्यतन प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान न्यायालयों एवं सत्र न्यायालयों में प्रस्तुत जमानती प्रार्थना पत्रों की स्थिति, माल मुलाजिम की शिनाख्त, अभिलेखीय साक्ष्यों की उपलब्धता तथा न्यायालयों द्वारा निर्धारित तिथियों पर गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की प्रगति की समीक्षा की गई। जनवरी 2026 में दोषमुक्त हुए अभियोगों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया तथा स्टैंडिंग कमेटी में की गई समीक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। जिला सत्र न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों से दोषमुक्त मुकदमों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए उनके कारणों की समीक्षा की गई। बैठक में टाडा अधिनियम एवं गिरो. हबंद अधिनियम से संबंधित वादों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा साक्षियों के पक्षद्रोही (होस्टाइल) होने के कारणों का परीक्षण कर उनके निवारण हेतु आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त दस पुराने विचाराधीन अभियोगों की अद्यतन स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। अभियोजन कार्यालय एवं आवासीय भवन की आवश्यकता पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी तथा प्रत्येक लंबित प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी राकेश चंद्र, पुलिस विभाग के अधिकारीगण, शासकीय अधिवक्ता एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री साईं कॉलेज ने नेहरू राजकीय इंटर कॉलेज में लगाया काउंसलिंग शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। विद्यार्थी कार्यकाल से ही छात्र अपने भविष्य की नीव को तय करता है, और अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए उस पर सहजकता के साथ कार्य करना शुरू करता है । इतना ही नहीं उच्च शिक्षा तथा कैरियर के चुनाव की ओर कदम बढ़ाते हैं। ऐसे में कैरियर काउंसलिंग ही उनको सही मार्गदर्शन प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। इस दौरान टीम ने विद्यालय का भौतिक निरीक्षण भी किया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया

शुक्रवार को पीएम श्री नेहरू राजकीय इंटर कॉलेज महुआडाबरा जसपुर में आयोजित कक्षा दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग शिविर में श्री साई पॉलिटेक्निक महुआ डाबरा के विभाग अध्यक्ष पंकज कुमार ने कहीं। कहा कि सही जानकारी के अभाव में कई छात्र अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार निर्णय नहीं ले पाते, जिससे वे बाद में असंतोष महसूस करते हैं। कैरियर काउंस. लिंग इस समस्या का समाधान करती है। शिक्षाविद संजय राजपूत ने कहा कि कैरियर काउंसलिंग का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रुचि, क्षमता, व्यक्तित्व और पारिवारिक परिस्थितियों को समझकर उन्हें उपयुक्त मार्ग सुझाना है। विशेषज्ञ काउंसलर छात्रों से बातचीत, अभिरुचि परीक्षण और व्यक्तित्व मूल्यांकन के माध्यम से उनकी क्षमताओं का विश्लेषण करते हैं। श्री साई पॉलिटेक्निक महुआडाबरा बीएड विभाग अध्यक्ष कौशल

कुमार ने कहा कि कैरियर काउंस. लिंग छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश प्रक्रियाओं, छात्रवृत्तियों और कोर्स चयन की जानकारी भी देती है। यह उन्हें लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और तैयारी की रणनीति बनाने में भी सहायता करती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमो. हन लाल ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किय जाते हैं ताकि छात्र अपनी रुचि के अनुसार सही कैरियर चुन सकें। शारीरिक शिक्षक राजेश चौधरी ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने मन की बात सुनकर अपना कैरियर चुने। इससे पूर्व आगंतुकों का प्रधानाचार्य बृजमोहन लाल ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

यहां शिक्षा विद संजय राजपूत, कौशल कुमार, पंकज कुमार, प्रधानाचार्य बृजमोहन लाल, नाजिम कमर, राजेश चौधरी, योगेश पंत, महेंद्र सिंह, हरीश शर्मा, सरीस आलम, उपेंद्र सिंह, डॉक्टर तजम्मुल हसन, अरुण कुमार वर्मा, केपी सुमन, जयवीर सिंह, सतेंद्र कुमार, नीतू सैनी,मोनिका, नूतन रानी, नफीस अहमद,राम सजीवन, मनीष जोशी, राजीव कुमार , अरुण कुमार, सोमपाल, नसीम जहां, सुनीता आदि मौजूद रहे।

बिजली चोरी में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ऊर्जा निगम और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान दो घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई। दोनों मामलों में अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। 30 जनवरी को उपखंड अधिकारी अन्नू अरोरा, सहायक अभियंता पुनीत कुमार के साथ विजिलेंस की संयुक्त टीम ने खेड़ा बस्ती में छापा मारा। इस दौरान सबूरा के घर से 0. 713 किलोवाट और दरियानगर निवासी रवि कुमार के घर से 0. 134 किलोवाट विद्युत चोरी पकड़ी गई। यह लोग विद्युत पोल से कटिया डालकर चोरी कर रहे थे। संयुक्त टीम ने विद्युत कनेक्शन काटते हुए तार को सील कर दिया।

सीएमओ ने भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ कार्यक्रम के अंतर्गत पीयर एजुकेटर के सर्वांगीण विकास और व्यावसायिक मार्गदर्शन हेतु एक विशेष 'एक्पोजर विजिट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत पीयर एजुकेटर्स के एक दल ने टाटा मोटर्स लिमिटेड, पंतनगर के प्लांट का भ्रमण किया। इस भ्रमण दल को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कंपनी का उद्देश्य पीयर एजुकेटर्स को औद्योगिक कार्यप्रणाली, अनुशासन और भविष्य की संभावनाओं से रूबरू कराना। सीएमओ डा. केके अग्रवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के दौरों से युवाओं के दृष्टिकोण में विस्तार होता है और उन्हें किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। टाटा मोटर्स के विशेषज्ञों ने भ्रमण के दौरान पीयर एजुकेटर्स को ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, सुरक्षा मानकों और आधुनिक तकनीक की जानकारी दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के डा. हरेंद्र मलिक एसीएमओ, डा. डीपी सिंह एसीएमओ, डीपीएम हिमांशु, डीडीएम चांद मियां, पूरनमल, मो. आमिर खां, समस्त काउंसलर एवं टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पीयर एजुकेटर्स ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने करियर और कौशल विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

चंपावत में पहली बार फुटबॉल का महाकुंभ

15 फरवरी से स्व. तेज सिंह लडवाल मेमोरियल मैदान में गूंजेगा कुमाऊं प्रीमियर लीग 2026 का शंखनाद

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। खेल प्रेमियों के लिए यह ऐतिहासिक पल है। लड़वाल स्टेट स्थित स्वर्गीय तेज सिंह लडवाल मेमोरियल खेल मैदान 15 फरवरी को जिले में पहली बार आयोजित हो रही कुमाऊं प्रीमियर लीग 2026 का गवाह बनने जा रहा है। विजेता टीम को ₹6 लाख और उपविजेता टीम को ₹3 लाख का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। कुमाऊं मंडल के प्रत्येक जिले से लगभग आधा दर्जन टीमें इस प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंच रही हैं, जिससे मुकाबले बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

लीग का आगाज 15 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे शक्ति की प्रतीक बालिकाओं के फुटबॉल डेमो मैच से होगा, जो बेटियों के बढ़ते कदम और खेलों में उनकी भागीदारी का प्रेरक संदेश देगा। 17 फरवरी को सुबह 10 बजे पिथौरागढ़ और उधम सिंह नगर के बीच मुकाबला खेला जाएगा, दोपहर 1 बजे नैनीताल और बागेश्वर आमने-सामने होंगे, जबकि शाम 4 बजे चंपावत और अल्मोड़ा के बीच संभावित भिड़ंत होगी। 18 फरवरी को सुबह 10 बजे बागेश्वर और अल्मोड़ा, दोपहर 1 बजे उधम सिंह नगर और नैनीताल तथा शाम 4 बजे चंपावत और पिथौरागढ़ के बीच जोरदार मुकाबले निर्धारित हैं।

उत्तराखंड के प्रमुख उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र लड़वाल की पहल से चम्पावत में आयोजित इस लीग मैंच का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित कर उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना है। उनका मानना है कि खेल ही युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर समाज को मजबूत बना सकते हैं। कुमाऊं प्रीमियर लीग के आयोजक एवं विठोरिया यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के प्रबंध निदेशक तथा सर्वोपरि वेलफेयर सोसाइटी के प्रमुख वीरु कालाकोटी ने बताया कि लीग की शुरुआत गत वर्ष हल्द्वानी से की गई थी, जहां इसे अभूतपूर्व सफलता मिली। इस वर्ष कुमाऊं के अन्य जिलों में भी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जबकि फाइनल मुकाबला हल्द्वानी में प्रस्तावित है। प्रतियोगिता को लेकर चंपावत का स्वर्गीय तेज सिंह लडवाल मेमोरियल स्टेडियम इन दिनों दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

जिला अस्पताल में 'फ्री उपचार' पर सवाल, डीएम बने मरीज, तो खुली पोल

बाहर से दवाइयां मंगाने पर सख्ती, कार्य बहिष्कार से बढ़ी मरीजों की परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है, लेकिन जब सरकारी अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों के बावजूद मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदने के लिए कहा जाए तो सवाल उठना लाजिमी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार ने खुद एक सामान्य मरीज की तरह जिला अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि अस्पताल में दवाइयां उपलब्ध होने के बावजूद कुछ मरीजों को बाजार से दवाएं लाने के लिए कहा जा रहा था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने चिकित्सालय प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाहर से दवाइयां मंगाने की प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि शासन एक व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध करा रहा है, जन औषधि केंद्र संचालित है और जिला प्रशासन अस्पताल की हर आवश्यकता पूरी कर रहा है। ऐसे में गरीब मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना कतई उचित नहीं है।

डीएम की सख्ती के बाद कुछ चिकित्सकों द्वारा कार्य बहिष्कार जैसा कदम उठाए जाने से दूरदराज क्षेत्रों से आए मरीजों की बेचैनी बढ़ गई। अचानक लिए गए इस निर्णय से अस्पताल में उपचार व्यवस्था प्रभावित हुई और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिना पूर्व सूचना कार्य बहिष्कार को लेकर आम जनता में नाराजगी भी देखी गई।

प्रमुख राज्य आंदोलनकारी एडवोकेट नवीन मुरारी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा सौभाग्य का कार्य है, इसे छोटी-छोटी बातों पर बाधित करना उचित नहीं। उनका कहना है कि यदि कोई समस्या थी तो उसे प्रशासन या मुख्य चिकित्सा अधिकारी के संज्ञान में लाया जाना चाहिए था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने कहा कि मामला इतना गंभीर नहीं था कि कार्य बहिष्कार की नौबत आती। उन्होंने स्वीकार किया कि घटना की समय पर जानकारी नहीं मिल पाई और मरीजों को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी आज रुद्रपुर में

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 14 फरवरी को जनपद भ्रमण पर आ रहे हैं। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार 14 फरवरी शनिवार को देहरादून से वायुयान द्वारा प्रस्थान कर 4.10 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उसके उपरांत मुख्यमंत्री 04.20 बजे कार द्वारा प्रस्थान कर 04.35 बजे त्रिशूल चौक रुद्रपुर पहुंचकर कर त्रिशूल चौक का लोकार्पण कर कांवड़ियों का स्वागत करेंगे तथा त्रिशूल चौक से गांधी पार्क तक शिव बारात में प्रतिभाग करेंगे। मुख्यमंत्री 05 बजे सरस आजीविका मेला-2026 का उद्घाटन करेंगे व नगर निगम रुद्रपुर के 01 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे तथा 06.40 बजे से 07 बजे तक शिव जागरण कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके उपरांत मुख्यमंत्री धामी अपने निजि आवास नगला तराई खटीमा को प्रस्थान करेंगे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एसके पब्लिक स्कूल मझोला में आयोजित एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक जगजीत सिंह, विशिष्ट अतिथि अजय चक्रवर्ती ने सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रबंधक जगजीत सिंह ने विद्यार्थियों को खेल भावना के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि खेल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन ही नहीं अनुशासन ईमानदारी व टीम भावना का प्रतीक है। प्रधानाचार्य मोहन चंद्र तिवारी ने खेल प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास तथा स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणादायक बताया । शैक्षिक निदेशक राजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में जसप्रीत कौर प्रथम, अराध्या गंगवार द्वितीय एवं स्नेह प्रीत कौर तृतीय रही। बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में उजैफ प्रथम, हिमांशु द्वितीय व जयकीरत निया तृतीय रहे । गोला फेंक बालक वर्ग हरगुन प्रथम, मोहित सिरोला द्वितीय व मनविंदर सिंह तृतीय रहे। बालिका वर्ग में अमनप्रीत कौर प्रथम, जय कीरत कौर द्वितीय व संगम कुमारी तृतीय रहे । 400 मीटर दौड़ बालिका वर्ग हरकीरत कौर प्रथम, वंशिका द्वितीय व खुशी नलवा तृतीय रहे। बालक वर्ग में अंसराज प्रथम, अमन कुमार द्वितीय व श्रेयांश तृतीय रहे। लंबी कूद बालक वर्ग दीपशिखा प्रथम, नवदीप कौर द्वितीय व लोनिका सक्सेना तृतीय रही। बालक वर्ग में वंश प्रथम उजैफ द्वितीय व वरुणवीर तृतीय रहे। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण सिंह व सीपी सक्सेना ने किया। निर्णायक की भूमिका में डीएस नेगी, जयदीप सिंह, नीरज व माया सैनी रही।

पूर्णागिरि मेला 27 फरवरी से

"हर श्रद्धालु हमारा मेहमान": जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। उत्तर भारत के प्रमुख सिद्धपीठों में शुमार पूर्णागिरि मंदिर का वार्षिक मेला इस वर्ष 27 फरवरी (होलिया एकादशी) से प्रारंभ होकर 15 जून तक लगातार 109 दिनों तक चलेगा। पहली बार मेले का शुभारंभ होली से पूर्व किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग दिखाई दे रही है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री का स्वागत "मेहमान" की तरह किया जाए, ताकि यहां से लौटने वाला हर श्रद्धालु जिले की सकारात्मक छवि अपने साथ लेकर जाए और अनजाने में ही चम्पावत का "ब्रांड एंबेसडर" बन जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मेले को वर्षभर आयोजित किए जाने की घोषणा के बाद भक्तों में संतोष की लहर है। अब तक जिला पंचायत की ओर से मेला व्यवस्थाएं सीमित अवधि करीब तीन से साढ़े तीन माह तक संचालित की जाती थीं, जबकि श्रद्धालुओं का आगमन वर्षभर (बरसात को छोड़कर) बना रहता है।

राजभवन घेराव को लेकर कांग्रेसियों ने बनाई रणनीति

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। आगामी 16 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार की विफलताओं के विरोध में आहूत राजभवन घेराव कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय रामनगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक रणजीत रावत ने की। बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत रावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल रही है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, किसानों एवं युवाओं की उपेक्षा जैसे गंभीर विषयों पर सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 16 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर राजभवन घेराव कार्यक्रम को सफल बनाएं और जनता की आवाज को बुलंद करें। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, यात्रा व्यवस्था, जिम्मेदारियों के वितरण और अनुशासन बनाए रखने पर

विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में भुवन शर्मा, देशबंधु रावत, ओमप्रकाश, हरदीप सिंह, अनिल अग्रवाल खुलासा, गिरधारी लाल, नजाकत अली, बाबर खान,मुनव्वर हुसैन, मुजाहिद सिद्दीकी, शेर खान, अनीस खान, मोहसिन खान, अनीश अहमद, कुबेर कदाकोटी, कैलाश उपाध्याय, ओमप्रकाश आर्यवंशी, पप्पू अधिकारी, कुबेर कडाकोटी, शकील अहमद आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी 10 मार्च को हाई कोर्ट तलब

बचुली देवी की अवमानना याचिका पर सुनवाई, वर्चुली जवाब पेश करेंगे डीएम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नैनीताल जिले के ओखलकांडा विकास खंड के बडोन निवासी बचुली देवी की अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल को अदालत के आदेशों की अवमानना करने पर नोटिस जारी कर 10 मार्च मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से कोर्ट में पेश होकर जबाव दाखिल करने के निर्देश दिये हैं। याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति आलोक वर्मा की एकलपीठ में हुई। मामले के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान ओखलकांडा की बडोन क्षेत्र पंचायत सीट की प्रत्याशी बचुली देवी का नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ जिला न्यायाधीश/निर्वाचन न्यायाधिकरण के समक्ष चुनाव याचिका दायर हुई थी । याचिकाकर्ता के अनुसार बडोन सीट क्षेत्र पंचायत सीट से उन्होंने नामांकन दाखिल किया और पीठासीन अधिकारी ने उनके 29 प्रपत्र प्राप्त किये लेकिन बाद में उनका नामांकन इस आधार पर रद्द किया गया कि उनके 27 ही प्रपत्र जमा थे। याचिकाकर्ता के अनुसार दूसरे उममीदवार कमलेश कैड़ा जो कि विधायक की पत्नी हैं को लाभ पहुंचाने के लिये यह उनका नामांकन रद्द किया गया। इस मामले में निर्वाचन न्यायाधिकरण ने जिला अधिकारी/जिला निर्वाचन अधिक. ारी को नामांकन से संबन्धी मूल रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश 18 दिसंबर 2025 को दिए थे। जो अब तक नहीं दिए गए हैं। जिसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है। न्यायिक आदेश के बावजूद मूल अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। 5 फरवरी 2026 को भी आदेश की पुन: पुष्टि किए जाने के बाद अनुपालन न होने पर इसे न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना माना गया। अवमानना याचिका अधिवक्ता जय कृष्ण पांडेय द्वारा बताया गया कि उच्च न्यायालय ने न्यायालय की अवमानना एकट 1971 के प्रावधानों के अंतर्गत संज्ञान लेकर जिलाधिकारी को प्रथम दृष्टया अवमानना का नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा है।

हल्द्वानी नगर निगम तीन स्ताह में स्टेटस रिपोर्ट पेश करे

नैनीताल। हाईकोर्ट ने हल्द्वानी में फड़/ठेले वालों के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए नगर निगम से तीन हफ्ते में स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है। बता दें हल्द्वानी के सामाजिक कार्यकर्ता हितेश पांडे की ओर से जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। नगर निगम की ओर से कहा गया कि फड़ /ठेले वालों के मामले में भूमि का चयन कर लिया गया है। जिला प्रशासन के साथ बैठक कर इस मामले में अंतिम निर्णय लिया जाना शेष है। उन्होंने अदालत से तीन सप्ताह का समय मांगा जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया और नगर निगम से तीन सप्ताह में स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले के अनुसार हल्द्वानी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हितेश पांडे ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि हल्द्वानी शहर के बाजारों, फुटपाथों, सार्वजनिक स्थानों व गलियों में अवैध फड़ व ठेले लगाये जा रहे हैं। उनका पंजीकरण भी नहीं है। इससे बाजारों में भीड़भाड़ और अव्यवस्था उत्पन्न हो रही है। आम जनता के लिए चलने की जगह तक नहीं रह गयी है। यही नहीं भीड़भाड़ वाले बाजारों में ई रिकशा व टेंपो भी घुस जा रहे हैं। जिनकी वजह से दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। कुछ दुकान मालिक भी इसको बढ़ावा दे रहे हैं और अपनी दुकान के आगे फड़ और ठेलों वालों को प्रश्रय दे रहे हैं। इन लोगों का कोई रिकार्ड भी नगर निगम के पास उपलबध नहीं है। फलस्वरूप शहर में अपराध भी बढ़ रहे हैं। जनहित याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की गई है कि अवैध रूप से चल रहे फड़ ठेलों को हटाया जाय। साथ ही पंजीकृत फड़ व्यवसायियों के लिए स्थान का चयन किया जाय। साथ ही टेपों व ई रिकशा का लिए भी पार्किंग की व्यवस्था कराई जाय। सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया जाए।

आडिटर जनरल को तीन सप्ताह की मोहलत

नैनीताल। हाईकोर्ट ने छात्रवृति घोटाले की विशेष आडिट कराए जाने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आडिटर जनरल से तीन सप्ताह में जवाब देने को कहा है साथ ही याचिकाकर्ता से प्रति शपथ पत्र देने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इंटरनेशनल पब्लिक वेलफेयर सोसायटी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह निर्देश जारी किए। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में वर्ष 2011 से 2024 के मध्य निजी महाविद्यालयों द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति के छात्रों के फर्जी नामांकन के माध्यम से छात्रवृति की धनराशि हड़पने का मामला सामने आया था। इस मामले की जांच एसआईटी द्वारा की जा रही है। अभी तक जांच पूरी नहीं हो पायी है। यह भी कहा गया कि वर्ष 2018 से अभियोजन लंबित होने के चलते एससी/एसटी के छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश नहीं पा रहे हैं। उच्च शिक्षा में एससी/एसटी के छात्रों के प्रवेश में गिरावट आई है। याचिकाकर्ता संस्था की ओर से है इस मामले की विशेष आडिट और वसूली कराने की मांग की गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि 8 दिसंबर को भी कोर्ट ने आडिटर जनरल से जवाब पेश करने को कहा था। इस मामले में चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

विधायक कैड़ा ने अफसरों को दिए कड़े निर्देश

धारी। भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने आज विकास भवन भीमताल में वन विभाग, उद्यान विभाग तथा एसबीआई बीमा कंपनी के उच्च अधिकारियों के साथ की। बैठक में विधायक कैड़ा ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा बाघ व गुलदार के द्वारा भीमताल विधानसभा में कई महिलाओं को अपना निवाला बना दिया है लेकिन अभी तक आदमखोर बाघ व गुलादार की आदमखोर होने की पुष्टि नहीं हो पाई है! ना ही पकड़े गये गुरदारो की डीएनए रिपोर्ट आ पाई है। उधर विधायक कैड़ा ने वन निगम के अधिकारियो को कहा धारी, रामगढ़ तथा ओखलकांडा व भीमताल के घाटों में अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी नहीं मिल पा रही! जिस करण मजबूरन लोगो को कभी . कभी जगलो से कच्ची लडकी काटनी पड़ रही है। जिस कारण पर्यावरण को भी काफी नुकसान हो रहा है। विधायक कैड़ा ने वन विभाग के अधिकारियो की आदमखोर बाघ व गुलदार की शीघ्र पकड़ने तथा पकड़े गुलदारो की डीएनए रिपोर्ट शीघ्र मगाने, जगल से लगे गाँव में सौर ऊर्जा लाइट लगाने चारे की व्यवस्था करने व गाँव गांव में बाघ व गुलदार के आतंक से निजात दिलाने हेतु प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिये। इस दौरान मंडल अध्यक्ष भीमताल कमल जोशी, जिला पंचायत सदस्य ज्योति आर्या, जिला मंत्री मनोज भट्ट, प्रकाश चंद्र, अनिल चनोतिया, दिनेश सागुड़ी समेत कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

भवाली में यातायात जागरूकता अभियान

नैनीताल। कोतवाली भवाली और यातायात पुलिस की टीम ने डेविटो हायर सेकेंड्री स्कूल भवाली के छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर यातायात जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान छात्र-छात्राओं, स्थानीय टैक्सी व बस चालकों व आमजनमानस को दी यातायात नियमों की जानकारी दी गयी। प्रभारी निरीक्षक भवाली प्रकाश मेहरा व यातायात पुलिस टीम द्वारा ने कई जानकारियां दी।

कार्यशाला में रंगकर्मियों ने दी कई जानकारियां

नैनीताल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भीमताल द्वारा आयोजित पांच दिवसीय संगीत कार्यशाला के तहत वरिष्ठ रंगकर्मी हरीश चन्द्र पाण्डे व बृजमोहन जोशी द्वारा की ओर से कई जानकारियां दी गयी। इससे पूर्व सभी प्रतिभागी शिक्षकों के द्वारा मां सरस्वती की वन्दना से किया गया। इसके बाद रंगकर्मी हरीश चंद्र पांडे के द्वारा रंगमंच के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी तथा लोक नाट्य की भी जानकारी दी। बृजमोहन जोशी द्वारा उत्तराखंड के लोक संगीत, लोक गीतों, बाल गीतों के साथ साथ गीत नृत्यों के विषय में विस्तार से महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। कार्यशाला के दूसरे सत्र में हरीश चंद्र पांडे के मार्गदर्शन में अभिनय की बारिकियों को सिखने के बाद प्रतिभागी शिक्षकों के द्वारा उसे बहुत सुंदर तरीके से प्रदर्शित किया गया। समापन पर कार्यक्रम समन्वयक कविता मेहरा तथा सभी प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा की इस कार्यशाला के दोनों मुखय संदर्भ दाताओं को सममानित किया गया।

बर्ड वाचिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

नैनीताल। साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु पर्यटन विभाग जनपद नैनीताल की जिला योजना के अंतर्गत पांच दिवसीय बर्ड वाचिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 9 से 13 फरवरी तक तुमडिया डैम मालधन चौड़ में आयोजित किया गया जिसमें 18 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी प्रशिक्षणर्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की प्रशिक्षण प्राप्त युवकों को नए-नए पक्षियों की जानकारी दी गई जिससे प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को भविष्य में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

नैनीताल। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून प्रेम सिंह खिमाल के निर्देशानुसार शुक्रवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून सीमा डुँगराकोटी एमकेपी पीजी कालेज देहरादून में राष्ट्रीय सेवायोजन के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सचिव द्वारा महिलाओं के अधिकार, पोश एक्ट, पाक्सो एकट, साइबर अपराध, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून से महिलाओं को मिलने वाले निशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में प्रधानाचार्या डाक्टर सरिता कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डाक्टर ममता सिंह सहित कालेज के प्रोफेसर और छात्राएं उपस्थित रहे। सचिव द्वारा अंत में एनएसएस की छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में पराविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत द्वारा भी सहयोग किया गया। प्रधानाचार्या द्वारा सचिव को धन्यवाद ज्ञापित किया गया

कुमाऊं वाणी: पहाड़ी समुदायों की आवाज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं वाणी, उत्तराखंड का एक प्रमुख कम्युनिटी रेडियो स्टेशन, पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को जोड़ने और उन्हें विकास की जानकारी देने का काम कर रहा है। मार्च 2010 में स्थापित, यह रेडियो स्टेशन खासतौर पर कुमाऊं और गढ़वाल के गांवों में कृषि, स्वास्थ्य, पोषण और अधिकारों जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाने के लिए शुरू किया गया था। कुमाऊं वाणी ने महिलाओं को भी एक मंच प्रदान किया, जिससे उनकी आवाज सार्वजनिक हो सकी। रेडियो के जरिए किसानों ने पारंपरिक और रासायनिक खेती के तरीकों पर चर्चा की, और गांवों में सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की गई। इस स्टेशन का उद्देश्य लोकल संस्कृति, लो. कगीत और ओरल हिस्ट्री को भी संरक्षित करना है। 2025 तक 500 से ज्यादा गांवों तक पहुंचने का लक्ष्य रखने वाले कुमाऊं वाणी ने युवा रिपोर्टर और प्रशिक्षित टीम के माध्यम से 3.5 लाख श्रोताओं तक अपनी सेवा पहुंचाई है, और रोजाना 9 घंटे का प्रोग्राम प्रसारित करता है।

विद्यार्थियों ने जीता गोल्ड व सिल्वर मेडल

काशीपुर। रुद्रपुर के यूनिटी लॉ कॉलेज के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में आयोजित कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय महिला एवं पुरुष बुडबॉल प्रतियोगिता में एससी गुड़िया आईएमटी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्राप्त किए है। एससी गुड़िया कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट हायर स्टडीज यूजी विभाग की प्राचार्य डॉ. निमिषा अग्रवाल ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में महिला डबल्स इवेंट में संस्थान की छात्राओं ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया वहीं पुरुष वर्ग में संस्थान के विद्यार्थियों ने डबल्स इवेंट में गोल्ड मेडल अर्जित कर संस्थान का नाम रोशन किया है। संस्थान के कीड़ा प्रभारी दीपक गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता के पश्चात विश्वविद्यालय की टीम का चयन होगा।

अंतर राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का समापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। मेरा युवा भारत नैनीताल द्वारा युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में हर्मिटेज (यूजीसी-एमएमटीटीसी कुमाऊँ विश्वविद्यालय) नैनीताल में आयोजित पांच दिनी अंतर राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रम शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन की शुरुआत प्रातरू योग सत्र से हुई जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके उपरांत प्रतिभागियों ने मां नैना देवी मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद नगर पालिका परिषद नैनीताल द्वारा प्रायोजित नैनीताल झील में नौकायन का सभी प्रतिभागियों ने आनंद लिया। इसके पश्चात समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सरिता आर्या विधायक तथा विशिष्ट अतिथि गोपाल सिंह रावत सांसद प्रतिनिधि व मुन्नी टोलिया प्रबंधक युवा छात्रावास नैनीताल, वरिष्ठ पत्रकार किशोर जोशी व सुमन उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता में मुजफ्फरपुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऐपण प्रतियोगिता में समस्तीपुर के आयुष ने प्रथम, वैशाली की प्रतीक्षा ने द्वितीय तथा पटना के सूरज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान समस्तीपुर टीम को सर्वश्रेष्ठ अनुशासन टीम के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विधायक सरिता आर्या ने जिले में मेरा युवा भारत (पूर्व में नेहरू युवा केंद्र) द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने युवाओं को अंतर राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रमों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ और नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने इन कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने हेतु नरेंद्र मोदी एवं मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया तथा बिहार से आए युवाओं के उत्साह की भूरि-भूरि प्रशंसा की,वहीं सांसद प्रतिनिधि गोपाल सिंह रावत ने विभिन्न जिलों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए युवाओं के अनुशासन एवं सहभागिता को प्रेरणादायक बताया। इस दौरान युवा भाजपा नेता हरीश सिंह राणा समेत कई लोग मौजूद थे। अंत में डौल्वी तेवतिया (उप निदेशक मेरा युवा भारत नैनीताल) ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। संचालन पुष्कर दानू एवं अजय कोहली ने किया।

संगठित अपराधियों पर लगेगी गैंगस्टर

एसएसपी ने दिए सघन चेकिंग व वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने निर्देश, सीओ को विदाई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसएसपी देवेंद्र पींचा द्वारा पुलिस लाइन अल्मोड़ा के सभागार में जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग व पुलिस कर्मचारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान सीओ अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी का देहरादून स्थानान्तरण होने पर अल्मोड़ा पुलिस द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। एसएसपी अल्मोड़ा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अग्रिम दायित्वों की शुभकामनाएं दी। साथ ही एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा सीओ बलवन्त सिंह रावत को सर्किल अल्मोड़ा का पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किया गया। जिसके बाद हाल ही में घटित आपराधिक घटनाओं, लंबित मामलों, बीट पुलिसिंग, गश्त, पिकेट और साइबर अपराध से जुड़े मामलों की गहन समीक्षा की गई। सैनिक सम्मेलन में उपस्थित समस्त कार्मिकों की व्यक्तिगत, सामूहिक एवं विभागीय समस्याऐं पूछकर उनका निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। जनपद के समस्त थानों में दर्ज अपराधों, अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही एवं अपराधों के निस्तारण व लंबित

विवेचनाओं की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण करने हेतु सभी विवेचकों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही व जघन्य आपराधिक मामलों में फारेंसिक टीम से समन्वय कर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही के लिये के निर्देशित किया गया। सघन चेकिंग व वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने व आपरा. धिक व संदिग्ध गतिविधियां परिलक्षित होने पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले मकान मालिकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर संवेदनशील होकर त्वरित कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। साथ ही सख्त हिदायत दी गयी कि किसी भी प्रकार की लाप. रवाही संज्ञान में आने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान 03 अभियोगों में थाना सल्ट क्षेत्र से कुल 38.86 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद कर 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान देने वाले अपर एसआई दीवान सिंह व राजस्व क्षेत्र से गुमशुदा किशोरी को गुड़गांव से सकुशल बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करने व जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 108.455 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद कर 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान देने वाले हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार को पुलिस ऑफिसर ऑफ दी मंथ चुना गया। यहां एएसपी हरबंस सिंह, सीओ रानीखेत विमल प्रसाद, सीओ अल्मोड़ा बलवन्त सिंह रावत, सीओ दूरसंचार राजीव कुमार टम्टा, प्रतिसार निरीक्षक रमेश चंद्र, निरीक्षक अशोक कुमार धनकड़ (वाचक), प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा योगेश चंद्र उपाध्याय, निरीक्षक दरबान सिंह मेहता, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे अन्य मौजूद रहे।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा। दन्या में किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने आरोपी यूपी निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने किशोरी को डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया था। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार दन्या निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि वह बीते जनवरी में वह उपचार के लिए हल्द्वानी गई थी। इस दौरान उनकी पुत्री घर में अकेली थी। उनकी गैरहाजरी में आरोपी ने कुछ आपत्तिजनकफोटो दिखाकर ब्लैकमेल किया। बेटी के डर का फायदा उठाकर उसने घर में घुसकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इधर, पुलिस ने महिला की शिकायत के बाद आरोपी सोहेल पुत्र यूनुस, निवासी भगतपुर मुरादाबाद को धारा 64, 351 बी और पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष दिनेश नाथ महंत ने बताया कि किशोरी का मेडिकल परीक्षण किया गया है।

सेंट मेरी में एआई लैब का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सेंट मेरी कावेंट कॉलेज में शुक्रवार को एआई लैब का उद्घाटन विधायक सरिता आर्य किया गया। विधायक ने कहा कि आज का युग आधुनिक तकनीक का है और शिक्षा क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। विद्यालयों में स्मार्ट कलास, डिजिटल बोर्ड व ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और तकनीकी संसाधनों के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के सही उपयोग से विद्यार्थियों की समझ तथा रचनात्मकता और आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है। कहा कि मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का सदुपयोग करें तथा पढ़ाई को प्राथमिकता दें। कहा कि तकनीक का सही दिशा में उपयोग बच्चों के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। टैक्निशियन अमित कुमार ने

बताया कि उनके द्वारा संचालित आधुनिक टेक्नोलॉजी लैब में बच्चों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा दी जा रही है। इस लैब में विद्यार्थी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, रोबोट बनाना, 3डी प्रिंट टेक्नोलॉजी, ड्रोन डिजाइनिंग और प्रोग्रामिंग जैसी उन्नत तकनीकों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां प्रशिक्षित ट्रेनर बच्चों को प्रायोगिक तरीके से हर विषय की गहन जानकारी देते हैं, जिससे विद्यार्थियों की तकनीकी समझ मजबूत हो रही है। बताया कि लैब में आवश्यक मैटेरियल और उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा फ्री लैब प्रोग्राम के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को इस सुविधा से जोड़ा जा रहा है। इस दौरान नितिन सिंह कार्की, भरत सिंह मेहरा, ट्रेनर ज्योति जलाल, मो. जैद टैक्निशियन हेड, प्रशांत श्रीवास्तव मैनेजर, प्रधानचार्य सिस्टर मंजूषा, प्रधानचार्य ऑल सेंट कॉलेज सिस्टर रिचर्ड, प्रबंधक शीबा, सिस्टर ईलीना, सिस्टर निर्मला, सिस्टर एएन ग्रेश, संदीप सिंह व रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण शिक्षा एवं दायित्व पर कार्यशाला

अल्मोड़ा। एसएसजे परिसर अल्मोड़ा के शिक्षा संकाय में 'पर्यावरण शिक्षा एवं दायित्व' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के 'वृक्ष पुरुष' के नाम से विख्यात पर्यावरण संरक्षणकर्ता किशन सिंह मलड़ा रहे। मुख्य अतिथि ने पर्यावरण शिक्षा के महत्व और शिक्षकों की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मिलकर विद्यालयों में सुंदर वाटिका का निर्माण कर सकते हैं तथा औषधीय पौधों और वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं। शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष प्रो. रिजवाना सिद्दकी, डा. नीलम, डा. देवेंद्र चम्याल, डा. ममता कांडपाल, डा. पूजा प्रकाश, डा. विनीता लाल, ललिता रावल, मनोज आर्या थे।

आरक्षण नियमावली का पालन हो: शिल्पकार सभा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सोबन सिंह जीना विश्व. विद्यालय अल्मोड़ा के द्वारा निकाली गई विज्ञप्ति में आरक्षण नियमावली का पालन नहीं करने पर शिल्पकार सभा नैनीताल के शिष्टमंडल ने उप जिलाधिकारी नैनीताल के माध्यम से राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री को विज्ञापन प्रेषित किया। शिल्पकार सभा के मुताबिक सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर के कुल 58 पदों हेतु 10 फरवरी 2026 को जारी विज्ञप्ति का अवलोकन करने पर यह तथ्य संज्ञान में आया है कि इन पदों में से अनुसूचित जाति के लिए मात्र 1 पद आरक्षित किया गया है जो कि प्रचलित आरक्षण नियमों एवं राज्य सरकार की अधिसूचित व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। कहा है कि

नियमानुसार सीधी भर्ती के पदों में अनुसूचित जाति हेतु 19 फीसदी, अनुसूचित जनजाति हेतु 4 फीसदी तथा अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 14 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। 58 पदों के सापेक्ष यह प्रतिशत स्पष्ट रूप से अधिक पदों पर आरक्षण का प्रावधान करता है। ऐसे में केवल 1 पद अनुसूचित जाति हेतु आरक्षित करना न्यायसंगत एवं संवैधानिक व्यवस्था की भावना के विपरीत प्रतीत होता है। शिल्पकार सभा ने गुजारिश की है कि इस विज्ञप्ति की पुन: समीक्षा कर नियमानुसार आरक्षण रोस्टर लागू करते हुए संशोधित कर नई विज्ञप्ति जारी की जाए जिससे सामाजिक न्याय एवं समान अवसर के संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। सभा के अध्यक्ष रमेश चंद्रा ने कहा कि किसी भी विभाग द्वारा आरक्षण नियमावली का पालन नहीं किया जा रहा है जिस कारण आज भी हजारों पद बैक लॉग से खाली पड़े हैं। सभा ने मांग की है कि विश्वविद्यालय प्रशासन पुन: संशोधित विज्ञप्ति निकाले जिसमें नियमानुसार देय आरक्षित पद समि. लित हो। शिष्ट मंडल में अध्यक्ष रमेश चंद्रा, महामंत्री राजेश लाल, लेखापरीक्षक संजय कुमार, विधि सलाहकार मनोज कुमार, पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार संजू, एनआर आर्य, पीआर आर्य, एडवोकेट प्रमोद कुमार, एडवोकेट गंगा प्रसाद तथा अनिल कुमार आदि शामिल थे।

रेडियो की दुनिया को जाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानाचार्या डा. भारती नारायण भट्ट के मार्गदर्शन में पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज दौलिया की छात्राओं ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान आरजे सुनीता भास्कर और राकेश नैनवाल ने छात्राओं को रेडियो प्रसारण की दुनिया से परिचित कराया। उन्हें बताया गया कि रेडियो कैसे टेलीकास्ट होता है और रिकॉर्डिंग की प्रक्रिया क्या होती है। इसके साथ ही छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के लिए तनाव मुक्त रहने और परिषदीय परीक्षा में सफलता पाने के टिप्स दिए गए। इस सत्र में छात्रों की काउंसलिंग भी की गई। रेडियो प्रसारण के दौरान छात्राओं ने लोकगीत प्रस्तुत किए और कुमाऊंनी भाषा में संवाद किया। अभिलाषा कीर्ति ने स्वास्थ्य के विषय में जानकारी दी, जया आर्या ने सामा. जिक मुद्दों पर चर्चा की, और प्रियंका चम्याल ने विज्ञान के विषय में जानकारी साझा की। सुनीता भास्कर ने छात्राओं को उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय के विभिन्न कोर्सेज के बारे में भी अवगत कराया।

झीलों के सौन्दर्यीकरण पर हुआ मंथन

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रखे सुझाव

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल, नौकुचियाताल तथा सात. ताल झीलों के सौन्दर्यीकरण को लेकर जिले के भीमताल स्थित विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद पांडेय के दिशा-निर्देशों पर जिला विकास अधिकारी गोस्वामी ने झीलों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण में संबंधित झील से जुड़े दर्जन भर विभागों शहर के सामाजिक वर्गों से जुड़े लोगों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में वन विभाग, प्राधिकरण, जिला ग्रामय अभिकरण, कृषि, उद्यान, पर्यटन, उरेडा, सिंचाई तथा खंड विकास अधिकारी, नगर पालि. का तथा जिला पंचायत आदि विभागों से जुड़े अधिकारियों से सामाजिक

कार्यकर्ता पूरन बृजवासी ने सभी झीलों के सौन्दर्यीकरण के लिए बड़ी उच्च कोटि, कुमाऊँनी शैली में योजना तैयार करने की मांग की। झीलों की सुरक्षा हेतु प्रस्ताव तैयार करने की मांग की। इस दौरान बीडी पलड़िया ने कहा कि भीमताल झील की गाद मिट्टी निकासी कराये, विभाग झील में आने वाले नालों की नियमित सफाई करे। बैठक में ग्राफिक ऐरा कॉलेज की प्रतिनिधि डा. फरहा खान ने सभी अधिकारियों से सभी झीलों के नियमित कूड़ा सफाई तथा प्लास्टिक मुक्त झीलों को रखने की मांग साथ ही सभी झीलों के चारों ओर अच्छी रैलिंग एवं लाइटिंग लगाने को कहा। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य पंकज सूर्या ने सात ताल से नियमित कूड़ा सफाई के लिए गाड़ी कर्मचारियों की तैनाती की मांग की जबकि रमेश पलड़िया ने बाघ के आतंक से निजात दिलाने, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी ने उद्यान विभाग से कहा डैम समीप पार्क तथा अन्य पार्क तथा सभी झीलों किनारे फूलवारी कर सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने की बात कही। पूरन बृजवासी ने कमल ताल एवं नल दमयन्ती ताल के लिए भी सौंदर्यीकरण एवं स्वैच्छिक कार्य करने पर जोर दिया जिस पर नगर पालिका एवं सिचाई विभाग ने योजना पर कार्य चलने की बात बताई। बैठक में अधिशासी अधिक. ारी नगर पालिका राहुल कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी समेत कई लोग मौजूद थे।

ग्राफिक एरा में शिविर सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाद्दाता

भीमताल। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर के एनएसएस द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मॉडल राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मेहरा गांव में हुआ। इस अवसर पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के समन्वयक डा. शिवांगी चन्याल, वरिष्ठ पत्रकार गीतेश त्रिपाठी, और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, इसके बाद शिविर की प्रमुख गतिविधियों जैसे स्वच्छता अभियान, ग्राम सर्वेक्षण, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक और सौर ऊर्जा जागरूकता सत्र का प्रस्तुतीकरण किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने कंप्यूटर साक्षरता और दिशा कार्यक्रम के अनुभव साझा किए। कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए रोहित कोली और श्रीमती सुनीता देवी को सम्मानित किया गया। अंत में, उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को पुरस्कार प्रदान किए गए और उन्हें समाज सेवा की इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को हराया

जिम्बाब्वे ने किया बड़ा उलटफेर

● दो विकेट पर 169 रन का स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर किया

कोलम्बो, वार्ता। ब्लेसिग मुजारबानी (17 रन पर चार विकेट) और ब्रेड इवांस (23 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को शुक्रवार को 23 रन से हराकर टी 20 विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन का स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया। उन्होंने 2007 टी-20 विश्व कप में ताकतवर ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया था और अब 2026 में उन्हें एक बार फिर हराया है। ब्लेसिग मुजारबानी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम जिम्बाब्वे के खुश चेहरों से भरा हुआ था, जबकि ऑस्ट्रेलियाई सपोर्टर्स समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी टीम यह गेम कैसे हार गई। उन्हें बैटिंग करने के लिए कहा गया, उन्होंने 2 विकेट पर 169 रन बनाए और यह स्कोर उन्हें 23 रन से जीतने के लिए काफी था। ब्लेसिग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने नई बॉल से शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया के टॉप-ऑर्डर को चकनाचूर कर दिया। इंगलिस डीप में कैच आउट हुए, ग्रीन और टिम डेविस डक आउट हुए और ट्रैविस हेड बोल्ड हुए, जिससे टीम का स्कोर 29 रन पर 4 विकेट रह गया। ग्लेन मैक्सवेल (31) और मैट रेनशॉ (65) ने 5वें विकेट के लिए 77 रन जोड़कर अपनी टीम को गेम में वापस ला दिया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा क्रैम्प्स के कारण आउट हो गए और ऐसा लगा कि यह पल हाथ से निकल गया। लेकिन रयान बर्ल एक ओवर करने आए और उन्होंने मैक्सवेल को आउट किया, स्टोइनिस - जो दिन में पहले चोटिल हो गए थे - सस्ते में आउट हो गए और लोअर-ऑर्डर बिखर गया, जबकि जरूरी रन रेट बढ़ गया था। रेनशॉ लड़ते रहे, लेकिन इवांस और मुजारबानी ने वापसी करके मैच को फिनिशिग टच दिया। जिम्बाब्वे क्रिकेट के इतिहास में यह एक मशहूर दिन था, उन्होंने हालात को बेहतर ढंग से समझा, उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और दो पॉइंट्स लेकर चले गए। इससे पहले जिम्बाब्वे की पारी में ब्रायन बेनेट ने सर्वाधिक नाबाद 64 रन बनाए।

आईसीसी ने आयरलैंड, जिम्बाब्वे टी-20 विश्व कप टीम में रिप्लेसमेंट को मंजूरी दी

● आयरलैंड ने पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम ऑपिंग को शामिल किया जबकि जिम्बाब्वे टीम में ब्रेंडन टेलर की जगह बेन करन को शामिल किया

चेन्नई, वार्ता। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की इवेंट टेक्निकल कमिटी ने शुक्रवार को आयरलैंड और जिम्बाब्वे टीम में रिप्लेसमेंट को मंजूरी दे दी। आयरलैंड टीम में पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम टॉपिंग को शामिल किया गया, जबकि जिम्बाब्वे टीम में ब्रेंडन टेलर की जगह बेन करन को शामिल किया गया। 9 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच के दौरान दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद टेलर के बाहर होने पर करन को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था। किसी खिलाड़ी की जगह लेने के लिए इवेंट टेक्निकल कमिटी की मंजूरी जरूरी है, तभी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है। विश्व कप की इवेंट टेक्निकल कमिटी में वसीम खान (चेयर, आईसीसी जनरल मैनेजर - क्रिकेट), गौरव सक्सेना (आईसीसी जनरल मैनेजर - इवेंट्स और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, आईबीसी रिप्रेजेंटेटिव), हेमांग अमीन (टूर्नामेंट डायरेक्टर, होस्ट रिप्रेजेंटेटिव) और शॉन पोलक (इंडिपेंडेंट नॉमिनी) शामिल हैं।

टॉपिंग टी-20 वर्ल्ड कप के लिए आयरलैंड टीम में स्टर्लिंग की जगह लेंगे

चेन्नई, वार्ता। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की इवेंट टेक्निकल कमिटी ने शुक्रवार को आयरलैंड टीम में पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम टॉपिंग को शामिल करने की मंजूरी दे दी। 11 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आयरलैंड के मैच के दौरान फील्डिंग करते समय घुटने के लिगामेंट में चोट लगने के कारण स्टर्लिंग के बाहर होने के बाद टॉपिंग को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था। किसी खिलाड़ी की जगह लेने के लिए इवेंट टेक्निकल कमिटी की मंजूरी जरूरी है, तभी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है।

संक्षिप्त खेल समाचार

आई-लीग का नाम बदलकर इंडियन फुटबॉल लीग किया

नई दिल्ली, वार्ता। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने गुरुवार को घोषणा की कि 2025-26 सीजन से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) के तौर पर रीब्रांड किया गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक घोषणा में कहा कि एआईएफएफ एग्जीक्यूटिव कमेटी ने 12 फरवरी, 2026 को हुई अपनी मीटिंग में, 2025-26 सीजन से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग के तौर पर रीब्रांड करने को मंजूरी दे दी है। बयान में आगे कहा गया कि कमेटी ने इंडियन सुपर लीग और इंडियन फुटबॉल लीग की गवर्निंग काउंसिल के चार्टर को और मंजूरी दी। यह कदम जनवरी में हुई चर्चा के बाद उठाया गया है।

मेरी व धालीवाल की योजना 10वें ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी: हर्ष ठाकर

नई दिल्ली, वार्ता। कनाडा के मध्यम क्रम के बल्लेबाज हर्ष ठाकर ने शुक्रवार को कहा कि मेरी और नवनीत धालीवाल की योजना 10 ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी और कोच का भी यहीं मैसेज था। कनाडा के बल्लेबाज ठाकर ने पहली पारी के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हमारा स्कोर बराबर है, यहां 150 बुरा नहीं है। जब आप बैक ऑफ लेंथ गेंदबाजी करते हैं, तो गेंद थोड़ी रुकती है और थोड़ी टू-पेस खेलती है। मेरी और धालीवाल की योजना 10वें ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी और कोच का यही मैसेज था। जाहिर है, एक टी-20 मैच में, आपको पॉजिटिव रहना होता है। मैंने अपनी पहली कुछ गेंदों पर थोड़ा समय लिया, लेकिन एक बार जब मैं जम गया, तो मैं और अधिक आक्रामक तरीके से खेल पाया। उन्होंने कहा कि जब आप पर दबाव में होते है तो आपको शांत बनाए रखना होता हैं।

हनी बैसोया ने जीता डीपी विश्व प्लेयर्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली, वार्ता। हनी बैसोया ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले गए 1.5 करोड़ रुपये की डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 में आखिरी दिन शुक्रवार को पांच-अंडर 65 के स्कोर के साथ तीन शॉट की जीत दर्ज करते हुए हफ्ता शानदार तरीके से खत्म किया। हनी बैसोया (63-65-64-65), जो रात भर पांच शॉट से आगे चल रहे थे, ने चौथे राउंड में एक बोगी के मुक. ाबले छह बर्डी बनाकर बढ़त हासिल की और हफ्ते का कुल स्कोर 23-अंडर 257 कर लिया और इस तरह टाइटल के लिए उनका पांच साल का इंतजार खत्म हो गया। यह 29 साल के हनी की आठवीं प्रोफेशनल जीत थी। बैसोया ने 22,50,000 रुपये का विनिग चेक जीता, और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर पहुंच गए। क्षितिज नवीद कौल (62-71-65-62), जो रात भर तीसरे स्थान पर थे और लीड से छह शॉट पीछे थे, ने इस हफ्ते दूसरी बार 62 का स्कोर किया, जो पिछले दिन का सबसे कम स्कोर था, जिससे वे एक स्थान ऊपर उठे और टूर्नामेंट का अंत 20-अंडर 260 के साथ रनर-अप के तौर पर किया। वीर अहलावत (65-67-66-65) ने अपने चौथे राउंड में 65 के स्कोर के बाद 17-अंडर 263 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। हनी ने जीत के बाद कहा, ष्इतने लंबे समय के बाद विनर सर्कल में वापस आकर मैं बहुत खुश हूं। आज कोर्स पर मेरा दिन बहुत अच्छा रहा। भले ही, मैंने ओवरनाइट पांच शॉट की लीड ली थी, मुझे पता था कि मुझे फाइनल राउंड में बहुत अच्छा खेलना होगा, क्योंकि वीर और क्षितिज, जो मेरा पीछा कर रहे थे, अपने दिन बहुत कम स्कोर करने में सक्षम हैं और उन्हें कभी भी कम नहीं आंका जा सकता।

पाक के खिलाफ खेल सकते हैं अभिषेक: वरुण

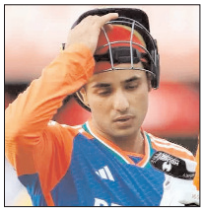

पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक नामीबिया के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं ले पाए

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का मानना है कि रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले भारत के महत्वपूर्ण मैच में अभिषेक शर्मा वापसी कर सकते हैं। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक नामीबिया के खलिाफ मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे। इससे पहले दिल्ली पहुंचने पर जांच के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा था। हालांकि बाद में वह डिस्चार्ज भी हो गए और नामीबिया के खलिाफ मैच से पहले मैदान में भी थे। वहीं विश्व कप में उनका डेब्यू कुछ खास नहीं था था और वह अमेरिका के खलिाफ पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए थे। वरुण ने कहा कि मुझे लगता है वह अगला मैच खेलेंगे।

मैं पक्का नहीं कह सकता, लेकिन जितनी मेरी उनसे बात हुई है, वह ठीक लग रहे हैं। उन्होंने आज थोड़ा अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि वह वापसी की राह पर हैं। यह भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव के टॉस के समय दिए गए बयान से ज्यादा सकारात्मक संकेत था। उन्होंने कहा था। उन्हें एक-दो मैच लग सकते हैं, मुझे नहीं पता। मैच के बाद अर्शदीप सिंह के एक सोशल मीडिया वीडियो में भी अभिषेक दिखे, जिसमें उन्हें कहते सुना गया कि वह ठीक हैं, लेकिन उनका वजन थोड़ा कम हो गया है।

अभिषेक की गैरमौजूदगी में संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की और आठ गेंदों पर 22 रन बनाते हुए तीन छक्के जड़े। हालांकि, दूसरे ओपनर इशान किशन ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिससे संकेत मिलता है कि फिलहाल सैमसन बैक-अप ओपनर ही हैं। किशन ने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए अपनी जगह मजबूती से पक्की कर ली है।

नामीबिया के खिलाफ भारत के ऑलराउंड प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए सूर्यकुमार यादव

● कहा: शिवम-हार्दिक पांड्या के बीच पार्टनरशिप काबिल-ए-तारीफ

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को टी-20 वर्ल्ड कप ग्रुप ए मुकाबले में नामीबिया पर 93 रन की जीत के बाद अपनी टीम के लचीलेपन और गेंदबाजी की गहराई की तारीफ की। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि सभी के लिए काफी अच्छा खेल था। मुझे लगता है कि यह बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट नहीं था, लेकिन जिस तरह से ईशान और संजू ने शुरुआत की, ऐसा लग रहा था कि यह एक आसान विकेट है।

उन्होंने आगे कहा कि फिर शिवम और हार्दिक के बीच पार्टनरशिप, जिस तरह से उन्होंने दो या तीन जल्दी विकेट खोने के बाद बल्लेबाजी की, मुझे लगता है कि यह बहुत तारीफ के काबिल था। गेंद थोड़ी रुक रही थी, लेकिन मैं नामीबिया के गेंदबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, जोश के साथ मैदान में उतरे और अपने प्लान को पूरा किया। भारत ने इशान के 24 गेंदों में 61 रन और हार्दिक पांड्या के 28 गेंदों में 52 रन की मदद से नौ विकेट पर 209 रन बनाए, जबकि नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने चार विकेट लिए। नामीबिया ने पावरप्ले में अच्छा जवाब दिया।

डी मिनौर ने फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

रोटर्डम, वार्ता। टॉप-सीडेड ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर ने गुरुवार को इनडोर हार्ड-कोर्ट इवेंट में 2015 के चैंपियन स्टेन वावरिका को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार पांचवें साल क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई और तीन बार के चैंपियन रोजर फेडरर के उस स्टेज पर लगातार पहुंचने के रिकॉर्ड की बराबरी की। एटीपी 500 के पिछले दो एडिशन के फाइनलिस्ट, डी मिनौर ने इस साल के फील्ड में किसी से भी ज्यादा जीत (15) हासिल की हैं।

शेल्टन क्वार्टरफाइनल में, डिफेंडिग चैंपियन शापोवालोव भी आगे बढ़े

डलास, वार्ता। बेन शेल्टन ने गुरुवार को नेक्सो डलास ओपन में फ्रेंच लेफ्टी एड्रियन मानेरिनो के कड़े मुकाबले का सामना किया और जीत हासिल कर अपने 25वें टूर-लेवल क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। एटीपी रैंकिंग में नंबर 9 के खिलाड़ी शेल्टन ने शानदार शॉटमेकिग से भरे एक उतार-चढ़ाव वाले मुकाबले में मानेरिनो को 7-6(2), 6-7(4), 6-3 से हराया। पिछले हफ्ते मोंटपेलियर में फाइनलिस्ट मानेरिनो ने शेल्टन की फायरपावर को अच्छे से झेला, जिसका सबसे अच्छा प्रदर्शन पहले सेट के टाई-ब्रेक के शुरुआती पॉइंट पर 29-शॉट की रैली के दौरान हुआ, लेकिन दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने दो घंटे और 40 मिनट के बाद आगे बढ़ने के लिए जरूरी मौकों पर अपना लेवल बढ़ाया।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के कप्तान बने

जयपुर, वार्ता। रियान पराग को आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स का कप्तान बनाया गया है, जो संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में जाने के बाद फ्रेंचाइजी के लिए एक नए युग की शुरुआत है। पराग, जिन्होंने 2019 में आईपीएल में डेब्यू किया था, ने अपने सभी सात सीजन रॉयल्स के साथ बिताए हैं। पिछले साल जब सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तो उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी, जिसमें दो जीत और छह हार मिली थीं, जिससे टीम नौवें स्थान पर रही थी।

हालांकि यह समय मुश्किल साबित हुआ, पराग ने बल्ले से प्रभावित किया, उन मैचों में 38-57 का औसत बनाया, जिसमें ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करियर की सबसे अच्छी 95 रन की पारी भी शामिल है। कुल मिलाकर, पराग ने 84 आईपीएल मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 141-84 के स्ट्राइक रेट से 1566 रन बनाए हैं। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2024 में आया, जब उन्होंने 149-21 के स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने और भी तेज 166-52 की औसत से रन बनाए थे, लेकिन उनका कुल स्कोर घटकर 393 रह गया, जिसमें सिर्फ एक हाफ-सेंचुरी शामिल थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, (वि0/यॉ) ग्रामीण विभाग, उत्तराखण्ड तपोवन मार्ग, रायपुर रोड, देहरादून

पत्रांक 1379 /ग्रा0नि0वि0/निविदा सूचना/2025-26 दिनांक 12/02/2026

-: ई-निविदा आमंत्रण सूचना - 48 :-

अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0) ग्रामीण निर्माण विभाग उत्तराखण्ड देहरादून इस विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों/मूल निर्माता से निम्नलिखित कार्य पूरा करने के लिए दिनांक 27.02.2026 को अपराह्न 12.00 बजे तक निविदा आमंत्रित करता है। निविदा से संबंधित मूल अभिलेख उसी दिन अपराह्न 12.00 बजे तक कैम्प कार्यालय अधिशासी अभियंता (वि0/यॉ0) भीमताल, नैनीतल में टेण्डर बॉक्स में डालना अनिवार्य होगा तथा निविदा उसी दिन अपराह्न 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी0एस0टी0 रहित (लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं जी0एस0टी0	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार हेतु श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	ADDITONAL WORK OF CENTRAL AC SYSTEM & PENEL INSTALLATION AT MRI ROOM CCB (50 BED) HOSPITAL IN CHAMPAWAT.	46.20 लाख।	1,17,500.00 रूपये	3000.00 रू0 + 18 % GST	1 माह	30 दिन	"ए" विद्युतीकरण पंजीकृत ठेकेदार व मूल निर्माता।

-: निविदा की शर्तें :-

नोट:- 1. उक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी http://www.uktenders.gov.in पर एवं अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0) ग्रामीण निर्माण विभाग उत्तराखण्ड देहरादून के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

(इं0 तहसीन अहमद)
अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0),
ग्रामीण निर्माण विभाग
उत्तराखण्ड देहरादून

UTARAKHAND POWER CORPORATION LTD
Electricity Distribution Division Almora
उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि0
विद्युत वितरण खण्ड अल्मोड़ा
दूरभाष : 05962-230114 फैक्स न0:-05962-233225

पत्रांक 498/वि0वि0ख0(अ0)/विज्ञापन प्रकाशन/2025-26 दिनांक 13.02.2026

ई -निविदा प्रकाशन सूचना

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा विद्युत निरीक्षक उत्तराखण्ड शासन, हल्द्वानी से पंजीकृत एवं विभागीय कार्य का अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से, जो उत्तराखण्ड विद्युत सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत ए- श्रेणी में पंजीकृत होने के साथ-साथ जी0एस0टी0, ई0पी0एफ0 विभाग तथा आयकर में पंजीकृत हो, निम्न विवरणानुसार कार्य सम्पादन हेतु ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई निविदा कय/जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक 09/03/2026 15:00 बजे तक एवं ई निविदा (भाग-1) खुलने की आनलाईन/आफलाईन तिथि दिनांक 10/03/2026 को 14:00 बजे।

ई-निविदा संख्या 30/2025-026- विद्युत वितरण खण्ड अल्मोड़ा के अन्तर्गत उपखण्ड प्रथम के अधीन सोमेश्वर अनुभाग में कैपीटल मद मे विकेन्द्रीकृत सामग्री की आपूर्ति सहित विभिन्न स्थानों में 181 नग विद्युत पोल स्थापित किये जाने का कार्य। धरोहर धनराशि 34000.00 निविदा कय मूल्य रू0 590.00 मात्र।

उक्त निविदाओं की अन्य नियम व शर्ते वैबसाईट www.uktenders.gov.in पर दिनांक 19.02.2026 से देखी जा सकती हैं। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकार/निरस्त/संशोधित करने का अधिकार पूर्णतया सुरक्षित रहेगा।

'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' "विद्युत बिलो के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाऐं" "उपभोक्ता टौल फ्री नम्बर 18004190405 में अपनी शिकायत दर्ज करायें।"

अधिशासी अभियन्ता
वि0वि0ख0,अल्मोड़ा

उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग
'विद्युत नियामक भवन' निकट आई.एस.बी.टी., पो0ऑ0-माजरा, देहरादून

राज्य में प्रस्तावित विद्युत दरों पर जन सुनवाई

आयोग के समक्ष उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि0 (UPCL), पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0 (PTCUL), यूजेवीएन लि0 (UJVN Ltd.) तथा एस0एल0डी0सी0 (SLDC) द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सहीकरण (Truing up), वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक अनुपालन समीक्षा (APR) तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दायर ए0आर0आर0 (APR) एवं टैरिफ याचिकाओं पर उपभोक्ताओं व अन्य सम्बन्धित संस्थाओं, व्यक्तियों से सुझावों/मतों को जानने हेतु उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग द्वारा निम्न कार्यक्रम के अनुसार जन सुनवाई आयोजित की जा रही है:-

जन सुनवाई की तिथि	स्थान
18 फरवरी 2026 (प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक)	कर्णप्रयाग : सभागार, क्षेत्र पंचायत विकास खण्ड, कर्णप्रयाग
20 फरवरी 2026 (प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक)	मुनस्यारी : विकास खण्ड सभागार, मुनस्यारी
23 फरवरी 2026 (प्रातः 10:30 बजे से 1:30 बजे तक)	रूद्रपुर : सभागार, विकास भवन, नैनीताल रोड़, रूद्रपुर (ऊधमसिंह नगर)।
27 फरवरी 2026 (प्रातः 10:30 बजे से 01:30 बजे तक)	देहरादून : सुनवाई कक्ष, उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग विद्युत नियामक भवन, निकट ISBT, माजरा, देहरादून।

यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था इस सम्बन्ध में अपने मत आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं तो वे कृपया जन सुनवाई में उपस्थित होकर अपने मत माननीय आयोग के समक्ष लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपरोक्त प्रस्तावित समस्त टैरिफ याचिकाओं का अवलोकन आयोग की वैबसाईट www.uerc.gov.in पर किया जा सकता है।

वि0सं0- 31/2025-26 सचिव

जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत भगवानपुर में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में

65 शिकायतें हुई दर्ज, 36 का मौके पर निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उप जिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में विकासखंड भगवानपुर के न्याय पंचायत भलस्यागाज राजकीय प्राथमिक विद्यालय में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय शिविर आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 1755 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 410 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, इस शिविर में 2165 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 65 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 36 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देशराज कर्णवाल, उपाध्यक्ष, (राज्यमंत्री स्तर) समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत सैकड़ों क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा कुल 65 समस्याएं दर्ज कराई गई। पानी की टंकी, आधार कार्ड, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, किसान सम्मान निधि , भूमि विवाद, अतिक्रमण, विद्युत विभाग के बिल, जलभराव, चकरोड, साफ-सफाई तथा राजस्व भूमि से संबंधित समस्याएं प्रमुख रहीं। इस अवसर पर उप जिलाधि कारी देवेंद्र सिंह नेगी ने सभी संबंधित अधिकारियों को क्षेत्रवासियो की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिए और जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी ,राज्यमंत्री श्री धारम प्रजापति,प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा देवी सिंह रंगा,पूर्व सलाहकार सीएम नरेंद्र सिंह,मंडल अध्यक्ष संदीप रघुवंशी,मंडल अध्यक्ष विराट गोयल,खंड विकास अधिकारी आलोक गार्गेय सहित समस्त ग्राम प्रधानगण,पंचायत सदस्यगण, अधि कारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मसाले की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आज प्रातः लगभग 4:16 बजे फायर स्टेशन रुड़की को डीएवी तिराहा, कोतवाली गंगनहर क्षेत्र में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही फायर यूनिट रुड़की तत्काल मोटर फायर इंजन के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई और कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया।

घटनास्थल पर पहुँचने पर पाया गया कि "कृष्णा मसाले" नामक दुकान में भीषण आग लगी हुई थी। आग तेजी से फैल रही थी, जिससे आसपास की दुकानों को भी खतरा उत्पन्न हो गया था। फायर कर्मियों ने होज पाइप बिछाकर पॉपिंग के माध्यम से कड़ी मशकत और सूझबूझ के साथ आग पर पूर्ण रूप से काबू पाया तथा आग को अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया। इस अग्निकांड में दुकान में रखा मसाला एवं अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। दुकान स्वामी श्री विशाल गुप्ता पुत्र श्री कृष्ण कुमार गुप्ता मौके पर उपस्थित थे। उनके अनुसार लगभग 3 लाख रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है। सौभाग्यवश इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग लगने के कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। घटना के दौरान कोतवाली गंगनहर का पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। अग्निशमन कार्य पूर्ण होने के उपरांत घटना की सूचना कंट्रोल रूम रुड़की को प्रेषित कर दी गई। घटनास्थल पर उपस्थित टीम ,लीडिंग फायरमैन ख विपिन सैनी,चालक ख मोहन सिंह फायरमैन ख हरीश रंगा,फायरमैन ख सुनील बंदोलिया मौजूद रहे। फायर स्टेशन रुड़की की सतर्कता और त्वरित कार्यवाही से एक बड़ा हादसा टल गया।

ग्राम खेड़ाजट गोलीकांड में फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। ग्राम खेड़ाजट में 3 फरवरी 2026 की सायं हुई फायरिंग की घटना में फरार चल रहे एक और कुख्यात आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पूर्व में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली मंगलौर के नेतृत्व में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश दिए गए थे। निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक स्वयं टीम के साथ सक्रिय हुए और आरोपियों की तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए आरोपी के रिश्तेदारों एवं संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी की। लगातार फरारी के चलते न्यायालय से आरोपी के विरुद्ध कुर्की उद्घोषणा वारंट प्राप्त कर चस्पा कराया गया। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस ने 13 फरवरी 2026 को आरोपी को धर दबोचा।गिरफ्तार आरोपी का विवरण-हिमांशु पुत्र रणवीर, निवासी ग्राम खेड़ाजट्ट, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार।

उत्तराखंड क्रांति दल के नेता कर रहे पहाड़ और मैदान को बांटने का काम : समीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव समीर आलम कहा की उत्तराखंड क्रांति दल के नेता आशीष नेगी पहाड़ और मैदान को बांटने का काम लगातार कर रहे हैं। मुझे लगता है की आशीष नेगी अपना दिमागी संतुलन खो बैठे हैं। कभी पहाड़वाद की बात करते है तो कभी मैदानी लोगो को गुरुकुल नरसन के बॉर्डर के बाहर भेजने की बात करते है में ये कहना चाहता हूँ आखिर क्यों आशीष नेगी को इतनी छूट दे रखी है। आज आशीष नेगी प्रदेश के अंदर बिगड़ते कानून व्यवस्था की बात करते है जबकि उनके ऊपर खुद्द 30/35 मुकदमे दर्ज है क्या आशीष नेगी जनता को ये बताने का कष्ट करेंगे की उनके ऊपर ये मुकदमे क्यों दर्ज है जिस आदमी पर इतने मुकदमे हो वो आदमी कानून की बात करता हुआ अच्छा नहीं लगता मुझे लगता है आशीष नेगी जैसे लोग खुद्द पहाड़ मैदान के नाम पर हमारे शांत प्रदेश का माहोल खराब करना चाहते है क्यों आशीष नेगी अपने मुंह से ये ये नहीं बोलते के पहाड़ के साथ साथ ही हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर को भी परमानेंट मूल निवास प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए लेकिन आज तक इस बात को लेकर या मैदानी क्षेत्रों को लेकर आशीष नेगी और उत्तराखंड क्रांति दल का कोई बयान आज तक नहीं आया मुझे तो ये लगता है कहीं ना कहीं अब आशीष नेगी जैसे लोग आम जनता के साथ साथ पुलिस प्रशासन में भी पहाड़ मैदान करना चाहते है हो सकता है उसी साजिश के तहत देहरादून पुलिस के वर्तमान कप्तान अजय सिंह को भी टारगेट किया जा रहा हो में आशीष नेगी को ये बोलना चाहता हूँ पूरा उत्तराखंड एक है ना कोई पहाड़ी है और ना कोई मैदानी हम सब भाई है ये उत्तराखंड हम सबका है और अपने उत्तराखंड का माहोल हम किसी को भी खराब नहीं करने देंगे।

श्री साईं सेवा मंडल ने लगाया रक्तदान शिविर

रुड़की। श्री साईं सेवा मंडल ट्रस्ट रूडकी द्वारा 10वें रक्तदान शिविर का आयोजन गौशाला में किया गया जिसमें सैकड़ों रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में सौ यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित हुआ।

जानकारी के अनुसार रुडकी व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद कश्यप ने सभी रक्तवीरों को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। दान किये गये रक्त से किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इस अवसर पर चैपियन सुराज रोड़, पारस, खुशहाल, नितिन चौहान, जीतेश ग्रोवर, अंकुर आदि मौजूद रहे।

ट्रक यूनियन पर शिवभक्तों के लिए भंडारा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर ट्रक यूनियन पर 33 वर्षों से शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जा रहा है ट्रक यूनियन के प्रधान अध्यक्ष चौधरी अरुण कुमार ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिवरात्रि पर शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने कहा यह करीब 33 वर्षों से ट्रक यूनियन की ओर से लगातार जारी है और आगे भी जारी रहेगा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमरीश गर्ग ने कहा कि पहले इस भंडारे का आयोजन लक्सर के व्यापारी अशोक आदि के द्वारा किया जाता था करीब 33 वर्षों से ट्रक यूनियन इस भंडारे को लगातार चला रही है उन्होंने कहा अगर किसी की श्रद्धा हो तो वह भंडारे में जो भी श्रद्धा हो दे देता है बाकी पूरा खर्चा ट्रक यूनियन के पदाधिकारी व मेंबर ही वहन करते हैं उन्होंने कहा यह भंडारे का आयोजन आगे भी जारी रहेगा

गन्ने की आवक कम होने से कोल्हू संचालक परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। गन्ना कोल्हू में गन्ने के दाम कम होने से गन्ने की आवक कम होने से गन्ना कोल्हू संचालको को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कस्बा झबरेड़ा तथा आसपास के क्षेत्र में लगभग 80 गन्ना कोल्हू संचालित है जिनमे गन्ने की पेराई कर गुड बनाने का काम युद्ध स्तर पर किया जाता हैं कुछ समय से गन्ने का खरीद दाम 400 से 470 तक चला तो किसानों द्वारा गन्ना मील में सप्लाई न कर गन्ना कोल्हू में गन्ना सप्लाई किया गया और उस समय शुगर मिल में नो केन होती रही तीन या चार दिन गन्ना इकट्ठा कर मिल को चलाया जा रहा था परंतु फरवरी माह में गन्ना कोल्हू में गन्ने का दाम कम होने से गन्ने की आवक में कमी आई है वही शुगर मिलो द्वारा भी गन्ने के भाव में कुछ बढ़ोतरी की गई है जानकारी मिली है कि देवबंद में शुगर मिल द्वारा गन्ने के भाव में 30 रुपए बढ़ोतरी की गई है जिससे उसे क्षेत्र का गन्ना मिल में जाना शुरू हो गया है और गन्ना कोल्हू में गन्ने का दाम 390 से 410 तक ही चल रहा है इसीलिए गन्ना कोल्हू में गन्ने की आवक कम हो रही है गन्ना ठेकेदार मुकीम, पप्पू ,बालू,खजान, मुरसलीन,नौशाद आदि का कहना है कि शुगर मिल द्वारा गन्ने के भाव में बढ़ोतरी करने से गन्ने की आवक में कुछ कमी हुई है परंतु गन्ना कोल्हू में गन्ने की पूर्ति लगभग हो रही है जहां क्षेत्र में गन्ने के भाव गिरे हैं वहीं गुड़ के भाव भी गिरे है। गन्ना ठेकेदारों का कहना है कि गुड़ के भाव गिरने से उनका काफी नुकसान चल रहा है।

❖झबरेड़ा क्षेत्र में करीब 80 गन्ना कोल्हू पर सैकड़ों मजदूर भी करते हैं काम

ट्रेन में यात्री का मोबाइल हुआ चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। ट्रेन में सफर कर यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। अनिल कुमार निवासी दिल्ली ने दिल्ली जीआरपी को तहरीर देकर बताया कि वह परिजन के साथ देहरादून-दिल्ली मसूरी एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहे थे। ट्रेन के हरिद्वार से रवाना होने के बाद रात के समय किसी ने उनके तीन मोबाइल फोन चोरी कर लिए। दिल्ली जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला लक्सर जीआरपी को भेज दिया। लक्सर जीआरपी थानाध्यक्ष रचना देवरानी ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

पुलिस ने दबोचा जानलेवा हमले का आरोपी

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर। कलियर पुलिस ने नहर पटरी पर जान लेवा हमले के आरोपी को केवल 24 घंटे में दबोच कर जेल भेज दिया है।

थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि बुधवार को धनौरी रोड स्थित झुग्गी-झोपड़ी पीठ बाजार से आगे नहर पटरी के पास आपसी विवाद के चलते मारपीट हुई।जिसमें आरोपी ने अजय पर चाकू से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।और पीड़ित निल की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।गुरुवार को पुलिस टीम ने आरोपी शेख कासिम निवासी लिमोदरा थाना झगड़िया जिला भरूच (गुजरात) को गिरफ्तार कर लिया। और उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध चाकू भी बरामद कर लिया गया। चाकू बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया है। टीम में एसएसआई सुनील दत्त पंत, हेड कांस्टेबल रविन्द्र बालियान, जितेन्द्र सिंह और नीरज राणा शामिल रहे।

नए श्रम कानूनों के विरोध में रेलकर्मियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन ने केंद्र सरकार के औद्योगिक श्रम संहिता कानून को श्रमिकों के हितों के खिलाफ बताया है। यूनियन से जुड़े रेलकर्मियों ने कानून के विरोध और अपनी मांगों को लेकर लक्सर में प्रदर्शन किया। यूआरएमयू के केंद्रीय पदाधिकारियों के आह्वान पर लक्सर शाखा इकाई कार्यालय पर आयोजित गेट मीटिंग में शाखा अध्यक्ष मोहम्मद सुभान खान ने कहा कि सरकार ने 26 श्रम कानूनों को रद्द कर औद्योगिक श्रम संहिता कानून बनाकर श्रमिकों के हितों का हनन किया है। नए कानून में यूनियन को मान्यता देने के लिए 51 फीसदी वोटिंग की अनिवार्य किया जा रहा है। रेलवे कर्मचारी यूनियन इसका पुरजोर विरोध करती है। शाखा सचिव नरेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की उपेक्षा कर रही है। नए श्रम कानूनों को वापस नहीं लिए जाने पर कर्मचारी आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना कर्मचारियों के हित में नहीं है। सरकार को नई पेंशन योजना वापस लेकर पुरानी पेंशन योजना लागू करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनियन कर्मचारियों के हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।

नवनिर्मित लाइब्रेरी में 16 फरवरी से पंजीकरण शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की ब्लॉक स्थित मां भारती लाइब्रेरी में 16 फरवरी से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत छात्रों के लिए पंजीकरण शुल्क 700 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतिमाह 500 रुपये की फीस रखी गई है।

लाइब्रेरी प्रबंधन रोमा सैनी ने बताया कि सीमित सीटों के कारण केवल 40 विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। प्रबंधन के अनुसार पंजीकरण छात्रों की संख्या और उपलब्ध सीटों के आधार पर किया जाएगा। पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जाएगी ताकि गंभीर और नियमित अध्ययन करने वाले छात्रों को प्राथमिकता मिल सके। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में अध्ययन के लिए शांत और अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, राज्य स्तरीय परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक प्रतियोगिताओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यह लाइब्रेरी विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। यहां बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रकाश, पंखे, एसी और स्वच्छ वातावरण का ध्यान रखा गया है। छात्रों को नियमित उपस्थिति और अनुशासन का पालन करना अनिवार्य होगा। रोमा सैनी ने कहा कि क्षेत्र में पढ़ाई के लिए शांत और सुरक्षित स्थान की आवश्यकता को देखते हुए इस लाइब्रेरी की शुरुआत की गई है। सीमित सीटों के कारण इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय पर पंजीकरण कराने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी व्यवस्था से युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा और वे अपने लक्ष्य की ओर अधिक एकाग्रता के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

बिजली वसूली को लेकर सख्ती, काटे कनेक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ऊर्जा निगम द्वारा बकाया बिजली बिलों की वसूली को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कम में चुडियाला बिजली घर की टीम ने सरखेडी और कुजा गांव में बिल वसूली का अभियान चलाया। बिल अदा न करने पर 25 घरेलू उपभोक्ताओं व 13 निजी नलकूपों की कनेक्शन काट दिये गये। जिससे गांव में हडकंप की स्थिति बनी रही। इस दौरान टीम ने करीब तीन लाख की बकाया राशि की वसूली की। अवर अभियंता वसीम ने बताया कि बिलों को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

फार्मेसी अधिकारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रतिनिधिमंडल की सीएमओ से सकारात्मक वार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। जिले के राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। संघ के जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार और जिला मंत्री एस. पी. बडोला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. सिंह से शिष्टाचार भेंट कर लंबित मामलों पर समाधान की मांग उठाई।

इस दौरान फार्मेसी अधिकारियों ने सेवा संबंधी विसंगतियों के निस्तारण, लंबित बिलों के शीघ्र भुगतान तथा अस्पतालों में बढ़ते कार्यभार को देखते हुए फार्मेसी अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने और नए पद सृजित करने की मांग प्रमुखता से रखी। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में स्टाफ की कमी के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. सिंह ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि लंबित बिलों और सेवा संबंधी विसंगतियों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। साथ ही पदों में वृद्धि के प्रस्ताव को महानिदेशक कार्यालय भेजने पर सहमति बनी, ताकि शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जा सके। डॉ. सिंह ने सरकारी चिकित्सालयों में कार्यरत फार्मेसी अधिकारियों और मुख्य फार्मेसी अधिकारियों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।बैठक के अंत में संघ पदाधिकारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संघ कोषाध्यक्ष विपिन वर्मा, प्रीति अस्थाना, उमेश मैठाणी, विंदु गुप्ता, संजीव चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों की अनदेखी पर पार्षद नाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामनगर वार्ड नंबर 25 में जलभराव और गंदगी की समस्या को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वार्ड पार्षद पंकज सतीजा ने नगर निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि समस्याओं के समाधान के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

पार्षद का कहना है कि नगर निगम की ओर से जो टैंकर नाले का गंदा पानी निकालने के लिए भेजा गया, वह सिर्फ दिखावे की कार्रवाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल "फॉर्मेलिटी" निभाई जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस और स्थायी कदम नहीं उठाया जा रहा। उनके अनुसार, नालियों की नियमित सफाई नहीं की जा रही है, जिससे गली-मोहल्लों में गंदगी फैल रही है और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। बरसात हो या सामान्य दिन, गंदा पानी गलियों में जमा रहता है। इससे आवागमन बाधित होता है और बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि अस्थायी रूप से टैंकर भेजने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। पार्षद पंकज सतीजा ने दोहराया कि उन्होंने कई बार लिखित शिकायतें की हैं और अधिकारियों से मुलाकात भी की है, लेकिन अब तक स्थिति में कोई बड़ा सुधार देखने को नहीं मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।वहीं नगर निगम प्रशासन का कहना है कि समस्या को संज्ञान में लेकर टीम को मौके पर भेजा गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 14 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

चर्चाओं में ट्रेड डील

शुक्रवार को संसद सत्र की कार्रवाई 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। 13 दिनों तक चली लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई अधिक समय तक बाधित ही रही और बजट सत्र का 13वां दिन भी अन्य दिनों से इतर नहीं रहा और लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्रवाई जहां करीब दस मिनट तक चल पाई तो वहीं राज्यसभा की कार्रवाई दो घंटे तक चल पाई। वैसे भी अब लोग यह देखने के लिए आदि हो चले हैं। अब संसद में चर्चाएं कम, शोर-शराबा अधिक होता है और इस प्रवृत्ति में कोई कमी आती दिखाई नहीं दे रही है। यह भी समझना मुश्किल है कि आखिर हमारे माननीय चर्चाओं से क्यों बचते हैं। सरकार अपने कार्यों का बखान करती नहीं थकती और विपक्षी दलों को चूका हुआ बताती है। वहीं विपक्षी दल सत्ता पक्ष पर जनहित कार्यों से मुंह मोड़ने का आरोप लगाते रहते हैं। जब ये दोनों बातें अगर सही हैं तो फिर चर्चाओं से क्या भागना। माना कि चर्चा संसद में कार्रवाई सुचारू रूप से चले, इसकी जिम्मेदारी दोनों पक्षों की होती है, लेकिन सरकार को यह मानना ही पड़ेगा कि यह जिम्मेदारी उसके हिस्से में ज्यादा आती है। अमेरिका के साथ जो ट्रेड डील हुई है, निश्चित रूप से वह बेहद महत्वपूर्ण समझौता है और सरकार उसकी तारीफ भी कर रही है और बता रही है कि इस समझौते से देश में रोजगार के द्वार खुलेंगे, विशेषकर किसानों को बहुत फायदा होगा, जबकि विपक्ष ऐसा नहीं मानता। सबसे बड़ी बात यह है कि किसान भी ऐसा नहीं मानते। इस ट्रेड डील को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच संसद व संसद से बाहर भी तकरार जारी है। शुक्रवार को भी दो बयान सामने आए हैं। इसमें एक बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का है, जो अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते को किसानों के हित में बता रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर किसानों को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। गोयल के अनुसार अमेरिका से समझौता देश के किसानों को फायदा देगा। खेती के सामान का ज्यादा निर्यात होगा और उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों में ज्यादा खुशहाली आएगी। तो वहीं लोकसभा के परिसर में किसान संगठनों के अनेक नेताओं ने राहुल गांधी से बात की। बताया जा रहा है कि बातचीत में भारत अमेरिका अंतिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने पर चर्चा हुई। किसान नेताओं का कहना था कि मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी रोटी पर इससे प्रभाव पड़ेगा। बड़ी बात यह है कि अभी तक सरकार की तरफ से भी यह स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया कि वास्तव में यह डील किस तरह हुई है। केवल प्रशंसा ही सामने आ रही है। जाहिर है इससे भ्रम की स्थिति बनेगी, जोकि बन भी रही है और लगता है कि यह ट्रेड डील भारतीय राजनीति में काफी उथल पुथल मचाएगी।

चंद हाथों की जागीर बन चुका था कानून

आज नई परिभाषा के साथ उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है, 2017 से पहले सत्ता के संरक्षण में गुंडे और माफिया पनप रहे थे, अपराधी, अपराधी होता है, हमारी सरकार ने पहले दिन जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई थी और आज भी उसी पर कायम है, पहले कानून चंद हाथों की जागीर बन चुका था, कर्फ्यू और दंगे आम बात थे तथा पर्व-त्योहार आशंका के पर्याय बन गए थे, पहले पुलिस का मनोबल टूटा हुआ था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी, आज यूपी उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है, 2017 के बाद से प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ और आज भय नहीं, आस्था का वातावरण है, महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है, 2 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों में 20 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री , उप्र

नई प्रजातियों की खोज समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक नई उपलब्धि

एम. इमरान

हाल के वर्षों में समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक अद्भुत उपलब्धि सामने आई है, जब प्रशांत महासागर की गहराइयों का अन्वेषण कर रहे शोधकर्ताओं ने लगभग 800 नई प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया। यह खोज केवल वैज्ञानिक उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की विविधता और उसकी जटिलता को समझने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है और इसका अधिकांश हिस्सा महासागरों से बना है। इनमें भी प्रशांत महासागर, जो विश्व का सबसे बड़ा और सबसे गहरा महासागर है, अपनी रहस्यमई गहराइयों के कारण लंबे समय से वैज्ञानिकों को आकर्षित करता रहा है। अब जब आधुनिक तकनीक, गहरे समुद्र में उतरने वाले स्वचालित यंत्र और उन्नत कैमरों की सहायता से इन गहराइयों तक पहुंचना संभव हुआ है, तब समुद्री जीवन के अनदेखे संसार की परतें खुलनी शुरू हुई हैं।

प्रशांत महासागर की गहराइयों में स्थित समुद्री तल, जिसे सीबेड कहा जाता है, अत्यंत कठोर और चुनौतीपूर्ण वातावरण प्रस्तुत करता है। यहां सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंचता, तापमान अत्यंत कम होता है और जल का दबाव इतना अधिक होता है कि सामान्य जीवों का वहां जीवित रह पाना लगभग असंभव प्रतीत होता है। फिर भी जीवन ने इन विषम परिस्थितियों में भी अपने लिए स्थान बना लिया है। शोधकर्ताओं ने जिन 800 नई प्रजातियों को दर्ज किया है, उनमें विभिन्न प्रकार के स्पंज, कोरल, केंचुए जैसे जीव, अजीब आकार की मछलियां, सूक्ष्म जीव, समुद्री तारे, झींगा और कई प्रकार के अकशेरुकी जीव शामिल हैं। इन जीवों की बनावट, रंग और व्यवहार इतने अनोखे हैं कि वे मानो किसी दूसरे ग्रह से आए हुए प्रतीत होते हैं।

यह खोज मुख्य रूप से गहरे समुद्र में खनिज संसाधनों की संभावित खोज के दौरान किए गए सर्वेक्षणों के माध्यम से सामने आई। जब वैज्ञानिकों ने समुद्री तल का मानचित्रण करना प्रारंभ किया, तब उन्हें वहां जीवन की अप्रत्याशित विविधता देखने को मिली। इन अभियानों में स्वचालित पनडुब्बियों, रोबोटिक आर्म से युक्त रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स और उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों का उपयोग किया गया। इन उपकरणों ने हजारों मीटर की गहराई में जाकर तस्वीरें और नमूने एकत्र किए। बाद में प्रयोगशालाओं में इन नमूनों का विश्लेषण कर यह पाया गया कि इनमें से सैकड़ों जीव विज्ञान के लिए पूर्णत: नए हैं।

नई प्रजातियों की खोज का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हमने पृथ्वी पर जीवन के नए रूप देखे हैं, बल्कि इस तथ्य में भी है कि ए प्रजातियां समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गहरे समुद्र के जीव कार्बन चक्र, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और समुद्री खाद्य श्रंखला में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि इन क्षेत्रों में बिना पर्याप्त अध्ययन के खनन या अन्य औद्योगिक गतिविधियां आरंभ की जाती हैं, तो इससे इन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। इसीलिए वैज्ञानिक समुदाय अब यह आग्रह कर रहा है कि गहरे समुद्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि से पहले व्यापक पर्यावरणीय आकलन किया जाए।

इन खोजों ने यह भी सिद्ध किया है कि पृथ्वी पर जैव विविधता का एक विशाल हिस्सा अभी भी हमारे ज्ञान से परे है। वैज्ञानिक अनुमान लगाते हैं कि समुद्र की गहराइयों में लाखों प्रजातियां ऐसी हो सकती हैं, जिनका अभी तक कोई रिकॉर्ड नहीं है। प्रशांत महासागर के समुद्री तल पर पाए गए जीवों की अनुकूलन क्षमता अद्भुत है। कुछ जीवों के शरीर पारदर्शी हैं, ताकि वे अंधेरे में छिपे रह सकें। कुछ के शरीर पर ऐसे रासायनिक यौगिक होते हैं, जो उन्हें अत्यधिक दबाव और कम तापमान में जीवित रहने में सहायता करते हैं। कई जीव जैव-दीप्ति का उपयोग करते हैं, जिससे वे स्वयं प्रकाश उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रकाश उन्हें शिकार आकर्षित करने, साथी को पहचानने या शत्रुओं से बचने में मदद करता है।

समुद्री तल पर पाए गए नए कोरल और स्पंज की प्रजातियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। कोरल संरचनाएं समुद्री जीवन के लिए आश्रय स्थल का कार्य करती हैं। हालांकि अधिकांश लोग कोरल को उथले जल में पनपते हुए देखते हैं, परंतु गहरे समुद्र में भी ठंडे पानी के कोरल पाए जाते हैं, जो हजारों वर्षों तक जीवित रह सकते हैं। ए कोरल संरचनाएं अत्यंत धीमी गति से बढ़ती हैं, इसलिए यदि इन्हें कोई क्षति पहुंचती है तो उनका पुनर्निर्माण बहुत लंबा समय लेता है। नई प्रजातियों की खोज ने यह स्पष्ट किया है कि गहरे समुद्र का पारिस्थितिकी तंत्र उतना ही समृद्ध और जटिल है जितना कि स्थल पर स्थित वर्षावन। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पहलू औषधीय अनुसंधान से भी जुड़ा है। समुद्री जीवों में पाए जाने वाले रासायनिक यौगिक कई बार औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। पहले भी समुद्री स्पंज और अन्य जीवों से कैंसर रोधी तथा संक्रमण-रोधी दवाओं के लिए प्रेरणा मिली है। अब जब सैकड़ों नई प्रजातियां सामने आई हैं, तो संभावना है कि इनमें से कुछ भविष्य की दवाओं के विकास में सहायक सिद्ध हों। इस प्रकार समुद्री जैव विविधता का संरक्षण मानव स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिकों ने यह भी रेखांकित किया है कि समुद्र की गहराइयों का अध्ययन जलवायु परिवर्तन को समझने में सहायक हो सकता है। समुद्री तल पर जमा अवसाद और वहां रहने वाले सूक्ष्म जीव पृथ्वी के जलवायु इतिहास का रिकॉर्ड संजोए रखते हैं। इनके अध्ययन से यह जाना जा सकता है कि अतीत में पृथ्वी का तापमान कैसे बदलता रहा और समुद्री जीवन ने उन परिवर्तनों के साथ कैसे अनुकूलन किया। यह ज्ञान भविष्य में संभावित जलवायु परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने में सहायक हो सकता है। प्रशांत महासागर के समुद्री तल की यह खोज हमें यह भी याद दिलाती है कि मानव ज्ञान अभी भी सीमित है। अंतरिक्ष की खोज जितनी रोमांचक है, उतनी ही रहस्यमई हमारे अपने ग्रह की गहराइयां भी हैं। समुद्र की अंधेरी, ठंडी और उच्च-दबाव वाली दुनिया में जीवन की इतनी विविधता का मिलना इस बात का प्रमाण है कि प्रकृति कितनी सृजनशील और अनुकूलनशील है। यह खोज वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और आम जनता सभी के लिए एक संदेश है कि हमें महासागरों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए। आज जब विश्वभर में समुद्री संसाधनों के दोहन की होड़ लगी हुई है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करें। यदि गहरे समुद्र में खनन की अनुमति दी जाती है, तो उससे पहले वहां के जैव विविधता का विस्तृत अध्ययन और संरक्षण रणनीतियों का निर्माण अनिवार्य होना चाहिए। लगभग 800 नई प्रजातियों का दस्तावेजीकरण इस दिशा में पहला कदम है, परंतु यह यात्रा अभी लंबी है। आने वाले वर्षों में और भी अनगिनत खोजें सामने आ सकती हैं, जो हमें जीवन के मूलभूत प्रश्नों के उत्तर खोजने में सहायता करेंगी। अंतत: प्रशांत महासागर की गहराइयों में हुई यह खोज मानव जिज्ञासा और वैज्ञानिक समर्पण का परिणाम है। यह हमें सिखाती है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, जीवन अपना रास्ता खोज लेता है। यह खोज न केवल विज्ञान की जीत है, बल्कि प्रकृति की अदम्य शक्ति और विविधता का उत्सव भी है। महासागरों के संरक्षण और सतत उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में यह उपलब्धि एक मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बनेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कीटों का प्रकाश की ओर आकर्षण अब तक एक रहस्य है किंतु हमें समझना होगा कि कीट-पतंगे मिट्टी को उपजाऊ बनाने में, परागण में व खाद्य उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मल एवं लाशों का सफाया करने में भी कीटों का बड़ा योगदान है। हम कई मामलों में इनकी 9 लाख प्रजातियों पर निर्भर हैं। इसलिए इन्हें बचाने के लिए हमें कृत्रिम प्रकाश का उपयोग कम करके अन्य विकल्प खोजने होंगे।

इनसेक्ट्स के लिए घातक हर वक्त रोशनी

जंतु जगत के संघ आर्थोपोडा के वर्ग इंसेक्टा में विचित्र प्रकार के कीट शामिल हैं और उनके क्रियाकलाप भी विचित्र होते हैं। इसलिए इन कीटों का अध्ययन, शोध और इनके रहस्यमय जीवन की जानकारियां पाना अत्यधिक रूचिकर व मजेदार होता है। सामान्यत: जंतु और पौधे प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया देते हैं। पौधों में प्रकाशानुवर्तन और गुरुत्वानुवर्तन के गुण विद्यमान हैं। कीटों में भी प्रकाशानुवर्तन होता है। प्रकाशानुवर्तन में कीट प्रकाश स्रोत की ओर गमन करते हैं। यह प्रवृत्ति धनात्मक प्रकाशानुवर्तन कहलाती है। कीटों का प्रकाश के प्रति आकर्षण भिन्न-भिन्न होता है। कॉकरोच Periplaneta americana रोशनी से दूर अंधेरे की तरफ भागते हैं। इस प्रवृत्ति को ऋणात्मक प्रकाशानुवर्तन कहते हैं। कई कीट-पतंगे प्रकाश स्रोत से आकर्षित होकर इनके करीब आते हैं। उदाहरण के लिए, बारिश के मौसम में जलते हुए बल्ब के चारों तरफ हमें ढेरों कीट-पतंगों के झुंड देखने को मिलते हैं। कीट-पतंगे रोशनी के स्रोत के इर्द-गिर्द भिनभिनाते रहते हैं और अंत में प्रकाश स्रोत से टकराकर उसकी गर्मी से मर जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने इनकी इस प्रवृत्ति पर कई शोध किए हैं और तर्क, अवधारणाएं व सिद्धांत दिए हैं किंतु पूरी तरह से सटीक रूप से आज भी इसका जवाब विवादास्पद है। बायोलोजिकल कंजर्वेशन में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 30 में से 10 कीट बल्ब को चांद समझकर रात भर बल्ब के चक्कर लगाते हैं व सुबह तक मर जाते हैं। एक प्रसिद्ध परिकल्पना के अनुसार जब पूर्व में कृत्रिम प्रकाश स्रोत नहीं थे, तब कीट पतंगे चांद का अनुगमन किया करते होंगे ताकि वे अपनी दिशा का निर्धारण कर सकें। चूंकि चांद से इनकी दूरी बहुत अधिक है इसलिए इनके द्वारा गति करने पर बनाया गया कोण हमेशा ही एक समान बना रहेगा, लेकिन अब कृत्रिम प्रकाश स्रोत के होने से उन्हें यह आभास होने लगा कि चांद धरती पर आ गया है। इस परिकल्पना के मुताबिक वे अपने और कृत्रिम प्रकाश स्रोत (जिसे वे चांद समझ रहे हैं) के बीच समान कोण बनाए रखना चाहते हैं, किंतु प्रकाश स्रोत करीब होने से ऐसा संभव नहीं हो पाता और वे उसी से टकराकर मर जाते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि केवल नर कीट ही प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं जबकि मादा नहीं। ज्ञात हुआ है कि नर कीट-पतंगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मादा कीट-पतंगे विशेष प्रकार की गंध छोड़ते हैं। यह गंध वैसी ही होती है जैसी गंध जलते हुए प्रकाश स्रोत से निकलती है। इस कारण से नर कीट को आभास होता है कि वहां कोई मादा है और वह उसकी खोज में प्रकाश के करीब पहुंच जाते हैं एवं प्रकाश स्रोत से टकराकर मर जाते हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार 60 प्रतिशत कीटों को कृत्रिम प्रकाश में दिखना भी बंद हो जाता है। ऐसा भी माना जाता है कि कीट-पतंगे रोशनी के संपर्क में आने के बाद जब उससे दूर होते हैं तब इन्हें करीब आधे घंटे तक कुछ भी दिखाई नहीं देता है। इस वजह से अंधेपन से बचने के लिए वे प्रकाश स्रोत के चारों ओर मंडराते रहते हैं। जब अचानक से ये स्रोत के बहुत करीब पहुंचकर उससे टकराते हैं तब उसकी गर्मी से इनकी मौत हो जाती है। परीक्षणों द्वारा यह भी पता चला है कि कुछ मादा पतंगे अपने शरीर से अवरक्त प्रकाश (इंफ्रारेड) उत्पन्न करती हैं जिससे नर पतंगे आकर्षित होते हैं। ठीक उसी तरह का अवरक्त प्रकाश आग या जलती हुई चीजों से उत्पन्न होता है जिससे नर पतंगे आकर्षित होते हैं। यही कारण है की कीट-पतंगे प्रकाश स्रोत के आसपास मंडराते रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक जर्मनी में गाड़ियों की हेडलाइट से सालाना करीब 120 करोड़ से ज्यादा कीट मारे जाते हैं। रात में कीट सफेद व पीले रंग के कपड़ों में चिपकने लगते हैं क्योंकि इन्हें पराबैंगनी प्रकाश और कम तरंग दैर्ध्य के रंग अत्यधिक आकर्षित करते हैं। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह प्रकाश के प्रति अत्यधिक संवेदी होते हैं। स्पष्ट है कि अब तक कीटों के प्रकाश के प्रति आकर्षण के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा कोई ठोस व एकमेव सिद्धांत नहीं दिया गया है।

...साभार

वर्ल्ड रेडियो डे : एक दौर था जब रेडियो का हर कोई दीवाना था

राधा नामदेव

राधा नामदेव के नाम से मुझे रेडियो से पहचान मिली है और मैं एक व्यवसाई महिला हूं और रेडियो मेरा जीवन साथी 1985 से मैं 8 साल की उम्र से रेडियो सुनती आ रही हूं या यूं कहें मेरी जिंदगी में एक अहम भूमिका रेडियो ने निभाई है। विश्व रेडियो दिवस के विषय में बहुत लिखने का मन है, रेडियो दिवस की अधिकारिक घोषणा 2011 में की गई थी और 2012में 13 फरवरी को पहली बार विश्व रेडियो दिवस मनाया गया, तब से हम रेडियो प्रेमी हर साल 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाते आ रहे हैं, रेडियो दिवस हमारे लिए किसी त्यौहार से कम नहीं है।

रेडियो का हमारे जीवन में बहुत बड़ा योगदान है हम सभी रेडियो प्रेमी एक परिवार की तरह रहते हैं। रेडियो 90के दशकों में जितना दुर्लभ था। आज के टाइम में उतना ही आसान है। वो वक्त था जब हम रेडियो सिर्फ घर में ही सुन सकते थे आज के टाइम में हम रेडियो हर वक्त अपनी जेब में रखते हैं और कोई प्रोग्राम नहीं छूटता। बड़ा ही सरल है आज के टाइम में रेडियो सुनना महत्वपूर्ण जानकारियां, समाचार गीत संगीत का एक ऐसा भंडार जो आज भी लोगों के दिलों पर राज करता है। एक बार फिर से विश्व रेडियो दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सितारों ने रूपहले पर्दे पर दी रेडियो को आवाज

मुंबई। बॉलीवुड के कई सितारों ने रूपहले पर्दे पर रेडियो को आवाज़ दी है। हर साल 13 फरवरी को वर्ल्ड रेडियो डे मनाया जाता है। रेडियो आज भी ऐसा माध्यम है जो दूरियों को मिटाता है, लोगों को जोड़ता है और भावनाओं को आवाज़ देता है। पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से बहुत पहले, रेडियो ही बातचीत, संगीत और खबरों का सबसे भरोसेमंद ज़रिया था। बॉलीवुड ने रेडियो को हमेशा सिर्फ़ एक पेशे के रूप में नही, बल्कि लोगों को जोड़ने वाले एक भावनात्मक सहारे के रूप में दिखाया है। सिर्फ़ यही नही, हिंदी फिल्मों ने रेडियो के इस असर को कई यादगार किरदारों के ज़रिए भी दिखाया है। सलाम नमस्ते 2005 में प्रीति जिंटा ने रेडियो जॉकी अम्बर एम्बी मल्होत्रा का किरदार निभाया था। यह किरदार आत्मनिर्भर, बेबाक और मॉडर्न था। उस समय जब एफएम रेडियो युवाओं में लोकप्रिय हो रहा था, एम्बी ने दिखाया कि आरजे सिर्फ़ गाने नहीं बजाते, बल्कि श्रोताओं के दोस्त भी होते हैं। लगे रहो मुन्नाभाई 2006 में विद्या बालन यानी जान्हवी एक रेडियो शो होस्ट थी, जो अपने शो के ज़रिए गांधीजी के विचार आम लोगों तक पहुंचाती हैं। इस फिल्म ने दिखाया था कि रेडियो कैसे समाज में सकारात्मक सोच और बदलाव ला सकता है। लगे रहो मुन्नाभाई में संजय दत्त का किरदार रेडियो जॉकी नहीं था, लेकिन रेडियो की भूमिका कहानी में बहुत अहम थी। रेडियो के ज़रिए गांधीगिरी लोगों तक पहुंची और यह साबित हुआ कि यह माध्यम किसी की भी सोच को प्रभावित करने की जबरदस्त ताक़त रखता है। गुजारिश 2010 ऋतिक रोशन ने ईथन मैस्करेनहास का किरदार निभाया था, जो हादसे के बाद रेडियो जॉकी बन जाता है। उनका लेट-नाइट शो भावनाओं और शायरी से भरा होता है। यह किरदार दिखाता है कि रेडियो आवाज़ के ज़रिए दिलों से कैसे जुड़ता है। तुम्हारी सुलु 2017 में विद्या बालन एक साधारण गृहिणी सुलु के रूप में नज़र आती हैं, जो लेट-नाइट रेडियो जॉकी बन जाती है। उनका किरदार रेडियो की सादगी और अपनापन दिखाता है, जहां श्रोता खुलकर अपनी बातें साझा करते हैं।

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान प्रदर्शन करते कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा व अन्य विपक्षी सांसद।

दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय में गोलीबारी, दो की मौत, एक घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय के परिसर में हुई गोलीबारी की एक घटना में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। 'फॉक्स न्यूज' ने शुक्रवार को यह जानक. ारी साझा की। यह घटना गुरुवार शाम 'ह्यूजाइन सूट्स' छात्र आवासीय परिसर में हुई। घटना के बाद विश्वविद्यालय ने परिसर में 'लॉकडाउन' लागू कर दिया है। दक्षिण कैरोलिना कानून अनुपालन विभाग इस मामले की जांच कर रहा है।

भारतीय वायुसेना ने थाईलैंड वायु सेना के साथ अभ्यास में साझा किए रणकौशल के गुर

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र में थाईलैंड की वायु सेना रॉयल थाई वायुसेना के साथ तीन दिन तक एक अभ्यास में हिस्सा लिया जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग सुदृढ़ हुआ और पारस्परिक समझ में वृद्धि हुई। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 9 से 12 फरवरी तक हुए इस युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास में द्विपक्षीय सहभागिता पर जोर दिया गया। अभ्यास में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान और रॉयल थाई वायुसेना के साब ग्रिपेन जेट ने अपने रण कौशल का प्रदर्शन किया। समुद्री क्षेत्र के उपर वायु सेना के विमानों की विस्तारित दूरी की उड़ानों के लिए आईएल-78 आकाश में ईंधन भरने वाले टैंकरों द्वारा सहायता प्रदान की गई।

इमरान की एक आंख की 85 प्रतिशत रोशनी खत्म

कोर्ट के ऑर्डर पर हुई जांच, पूर्व पाक पीएम इमरान बोलेः प्राइवेट इलाज की इजाजत नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की करीब 85 प्रतिशत रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे।

अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई। जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया। डाक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ। इलाज और इंजेक्शन देने के बाद भी उनकी दाईं आंख में अब सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत रोशनी बची है। वहीं इमरान का कहना है उन्हें निजी डाक्टर से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई है। इमरान खान को अगस्त 2023 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वे तब

■ अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई

से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से इमरान खान को अडियाला जेल में लगातार अलग-थलग रखा गया है। उनके वकील ने मुलाकात के बाद बताया कि वो काफी परेशान और मानसिक रूप से दबाव में नजर आए। 73 साल के इमरान खान ने यह भी कहा कि उन्हें अपने निजी डाक्टरों से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उनका रेगुलर ब्लड टेस्ट भी नहीं हुआ। यहां तक कि दो साल में उन्हें दांतों के डाक्टर के पास भी नहीं ले जाया गया, जबकि उन्होंने कई बार इसकी मांग की थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उनके परिवार और वकीलों से मिलने पर भी पाबंदियां लगाई गईं। अदालत के आदेश के बावजूद उनकी बहनों को नियमित रूप से मिलने नहीं दिया गया। हालांकि हाल ही में जेल प्रशासन बदलने के बाद अब उन्हें अपनी पत्नी से हफ्ते में एक बार 30 मिनट मिलने की इजाजत मिली है। उनके बेटों कासिम और सुल. `मान से 2025 में सिर्फ दो बार फोन पर बात करने दी गई। पिछले पांच महीनों से उन्हें अपने मुख्य वकील और कानूनी टीम से भी मिलने नहीं दिया गया। रिपोर्ट के अंत में चेतावनी दी गई है कि अगर तुरंत बेहतर मेडिकल जांच, साथ ही परिवार और वकीलों से मिलने की सुविधा बहाल नहीं की गई, तो उनकी सेहत को और गंभीर खतरा हो सकता है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने पिछले महीने बताया था कि इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन आक्लूजन (सीआरवीओ) नाम की बीमारी पाई गई है। पार्टी ने कहा था कि मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय में सही इलाज नहीं मिलने पर इमरान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

बांग्लादेश में दो दशक बाद बीएनपी की बड़ी जीत

बीएनपी + गठबंधन ने 299 में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए 150 के आंकड़े को पार किया

ढाका। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रथोम ओलो के मुताबिक बीएनपी+गठबंधन ने 299 सीटों में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 297 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 77 सीटें मिली हैं। देश में करीब 20 साल बाद बीएनपी की सरकार बनेगी। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है।

तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। तारिक रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेरे भाई तारिक, उनकी टीम और बाकी सभी को बधाई। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं। बांग्लादेश चुनाव में कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी बुरी तरह हारी है। उसके गठबंधन को सिर्फ 70 सीटें मिलीं हैं। शेख हसीना की सरकार

■ जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक की गणना में 77 सीटें मिली हैं

■ हिंदू वोट बीएनपी को मिले बीएनपी ने मोदी को धन्यवाद कहा रिश्ते मजबूत करने की उम्मीद जताई

गिराने वाले स्टूडेंट्स की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी यानी एनसीपी को भी बांग्लादेशियों ने नकार दिया। पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के वोट खासकर हिंदू वोटर बीएनपी में शिफ्ट हो गए। बीएनपी को अवामी लीग के गढ़ रहे गोपालगंज के अलावा खुलना, सिलहट, चटगांव, ठाकुरगंज में जीत मिली है।

जमात का अतीत आड़े आ गया, लोगों को याद रहा कि उसने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का विरोध किया था। जमात इस दाग को नहीं धो पाई। स्टूडेंट्स की नेशनल सिटीजन पार्टी को आपसी फूट और जमात से गठबंधन करना भारी पड़ा। उन्हें लोगों ने पूरी तरह खारिज कर दिया। बांग्लादेश में वोटिंग के दौरान कई जगहों पर झड़पें भी हुईं। खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक बीएनपी नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई। दूसरी तरफ मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से 3 लोग घायल हो गए थे। बीएनपी ने पीएम मोदी के बधाई पोस्ट का जवाब दिया। बीएनपी के चुनाव प्रबंधन कमिटी के चेयरमैन नजरुल इस्लाम खान ने कहा कि हम भी मोदी जी का धन्यवाद देते हैं। हमारा मानना है कि तारिक रहमान के नेतृत्व में दोनों देशों के रिश्ते और लोगों के बीच का बंधन और मजबूत होगा। चीन ने बांग्लादेश में हुए सफल और शांतिपूर्ण आम चुनाव की तारीफ की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव ठीक तरह से हुए और बीएनपी को बहुमत मिला है। उन्होंने कहा कि चीन, बांग्लादेश के घरेलू राजनीतिक फैसलों का समर्थन करता है और ढाका के साथ मिलकर चीन-बांग्लादेश रणनीतिक सहयोग साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तैयार है। इससे पहले मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने चीन के साथ रिश्ते मजबूत करने और ज्यादा निवेश लाने की कोशिश की थी। अब बीएनपी की सरकार से भी उम्मीद है कि वह चीन के साथ अच्छे संबंध बनाए रखेगी, क्योंकि चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। देश के इतिहास में चौथे जनमत संग्रह में 60.26 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 48074429 वोट हां के पक्ष में पड़े, जबकि 22565627 वोट नहीं के पक्ष में पड़े। गुरुवार को 13वें संसदीय चुनाव के साथ आयोजित जनमत संग्रह में कुल 70640056 लोगों ने मतदान किया। यह परिणाम जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर में शामिल संवैधानिक सुधार के 48 बिंदुओं को लागू करने के लिए जनता की सहमति को दर्शाता है।

बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करने का उत्सुकः शहबाज

इस्लामाबाद। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को प्रचंड बहुमत मिला है। 300 सीटों में 200 से ज्यादा सीटें जीतकर बीएनपी सत्ता में आ रही है। ऐसे में तारिक रहमान प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच भारत के बाद अब पाकिस्तान ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने शुक्रवार को बीएनपी और पार्टी नेता तारिक रहमान को संसदीय चुनावों में भारी बहुमत हासिल करने पर बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने एक बयान में बांग्लादेश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के लिए इस्लामाबाद के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान व्यापार, रक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ढाका में नया राजनीतिक वातावरण पूरे क्षेत्र में अधिक संतुलित, स्वतंत्र और पारस्परिक रूप से सम्मानजनक जुड़ाव में योगदान देगा। इसी के साथ बांग्लादेश की निरंतर स्थिरता, प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी बीएनपी को 'शानदार जीत' दिलाने पर तारिक रहमान को बधाई भी दी।

ढाका-3 से अल्पसंख्यक हिंदू नेता गायेश्वर राय जीते

ढाका। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से आने वाले गायेश्वर चंद्र राय ने ढाका-3 संसदीय सीट पर प्रभावशाली जीत दर्ज की है।

■ राय ने 99163 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को पराजित किया

राय ने 99163 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को परा. जित किया। शाहिनुर इस्लाम जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार थे। यह जीत 1971 में स्वतंत्रता के बाद ढाका से चुने गए पहले हिंदू सांसद के रूप में दर्ज की गई है। राय की जीत ऐसे समय में आई है जब देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कथित हमलों और उत्पीड़न की खबरें सामने आती रही हैं। दिसंबर में कट्टरपंथी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बनी थी। भारत ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। ऐसे माहौल में एक हिंदू नेता का राजधानी क्षेत्र से जीतना राजनीतिक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बदलाव की संभावना का प्रतिनिधित्व करते तारिक रहमान

नई दिल्ली। लंदन में 17 साल के स्व-निर्वासन से लौटने के लगभग दो महीने बाद सभी उम्मीदों को धता बताते हुए तारिक रहमान ने बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को एक निर्णायक जीत दिलाई है। इस शानदार जीत में बीएनपी ने दो-तिहाई से अधिक सीटों पर कब्जा किया और अवामी लीग पर लगे विवादास्पद प्रतिबंध के बाद बने शून्य को भर दिया। इस जीत ने शासन का कोई पिछला अनुभव न रखने वाले व्यक्ति को 17 करोड़ लोगों के राष्ट्र के प्रमुख के पद पर पहुंचा दिया है। विरासत की राजनीति के अभ्यस्त इस देश में, रहमान का उत्थान अपरिहार्य और असंभव दोनों ही महसूस हुआ। वह जियाउर रहमान के सबसे बड़े बेटे हैं, वही पूर्व सैन्य अधिकारी जिन्होंने 1971 में बंगलादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

भारत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछड़ने वाला देश नहीं: डा. जितेंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिह ने जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को नई गति देने के उद्देश्य से एक लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान, विकास और नवाच. ार पहल के तहत दो हजार करोड़ रुपये के बीआईआरएसी-आरडीआई फंड की पहली राष्ट्रीय घोषणा की। डॉ. जितेंद्र सिह ने आज यहां इसकी घोषणा करते हुए कहा कि भारत अब जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछड़ने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ चुका है। यह पहल विज्ञान-आधारित विकास की दिशा में भारत के दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला से उद्योग तक के अंतर को पाटने के लिए यह फंड एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

सोवियत युग के आलोचक राय मेदवेदेव का निधन

मास्को। सोवियत युग के प्रमुख आलोचक और लेखक राय मेदवेदेव का शुक्रवार को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया, इसकी जानकारी रूस के राज्य मीडिया ने दी। मेदवेदेव स्टालिन और बाद के सोवियत नेताओं की नीतियों के आलोचक के रूप में जाने जाते थे।

मेदवेदेव ने सोवियत युनियन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएसयू) द्वारा अपनाई गई मार्क्सवादी नीतियों की आलोचना की। उनके किताब 'लेट हिस्ट्री जज' के पश्चिम में प्रकाशित होने के बाद उन्हें 1969 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। उनके पिता अलेक्जेंडर, जो रेड आर्मी में कमिसर थे, स्टालिन की शुद्धिकरण नीतियों के दौरान गिरफ्तार हुए और जीयूएलएजी श्रम शिविर में मृत्यु हो गई। मेडवेदेव का नाम उनके पिता ने भारतीय कम्युनिस्ट नेता एम एन राय के नाम पर रखा था। 1960 के दशक में सोवियत बुद्धिजीवियों में उदित हुए सुधारवादी समाजवाद के विचारों को उनके कार्यों में देखा जा सकता है। 1970 में, उन्होंने एंड्रेई सखारोव और अन्य के साथ मिलकर सोवियत नेतृत्व को खुला पत्र लिखा। मेदवेदेव ने अपने जुड़वां भाई झोरेस के साथ मिलकर लिखी किताब 'ए क्वेश्चन आफ मैडनेस' में झोरेस के कालुगा मनोवैज्ञानिक अस्पताल में अनैच्छिक बंदीकरण का वर्णन किया। 1989 में, मिखाइल गोर्बाचेव की पेरिस्ट्रोइका और ग्लासनास्ट सुधारों के दौरान मेदवेदेव ने कम्युनिस्ट पार्टी में फिर से प्रवेश किया।

मोरक्को सरकार ने बाढ़ प्रभावित चार प्रांतों को आपदा क्षेत्र किया घोषित

काहिरा। मोरक्को सरकार ने बाढ़ के कारण देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित चार प्रांतों, लाराचे, अल केनित्रा, सिदी कासेम और स्लीमेन को आपदा क्षेत्र घोषित किया है। मोरक्को मीडिया ने सरकार के हवाले से यह जानकारी दी है। हेस्प्रेस अखबार ने गुरुवार को कहा कि मोरक्को सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों के लिए तीन अरब मोरक्कन दिरहम (32.79 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का सहायता कार्यक्रम भी शुरू किया है। मोरक्को के अधिकारियों के अनुसार प्रभावित प्रांतों से लगभग 1.88 लाख निवासियों को निक. ाला गया है। रिपोर्ट के अनुसार बारिश और बाढ़ से 110000 हेक्टेयर से अधिक का क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

चीनी प्रभुत्व को रोकने को मजबूत भारत जरूरी: कपूर

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों पर अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री ने संसदीय सुनवाई के दौरान टिप्पणी की

वाशिंगटन। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों पर अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर ने घोषणा की है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभुत्व को रोकने के लिए एक मजबूत और स्वतंत्र भारत जरूरी है।

मंत्री ने संसदीय सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। संसदीय सुनवाई में दक्षिण और मध्य एशिया के रणनीतिक महत्व पर व्यापक सहमति दिखाई दी, हालांकि चीन के बढ़ते प्रभाव और राजनीतिक उथल-पुथल वाले इस क्षेत्र में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर सांसद गहराई से विभाजित नजर आए। कपूर ने स्पष्ट किया कि अमेरिका भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नीति का उद्देश्य केवल चीन को रोकना नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र में संतुलन और संप्रभुता बनाए रखना है। सुनवाई के दौरान व्यापार, कूटनीति और अफगानिस्तान नीति पर तीखे दलीय मतभेद हावी रहे। सांसदों ने इस पर बहस की कि अमेरिका को चीन के प्रभाव का मुकाबला

■ सुनवाई के दौरान व्यापार कूटनीति और अफगानिस्तान नीति पर तीखे दलीय मतभेद हावी रहे

कैसे करना चाहिए और दक्षिण एवं मध्य एशिया में तेजी से बदलते राजनीतिक बदलावों पर क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए। सत्र की शुरुआत करते हुए अध्यक्ष और प्रतिनिधि बिल हुइजेंगा ने कहा कि दक्षिण और मध्य एशिया उपसमिति की कार्यवाही शुरू की जाती है। इस सुनवाई का उद्देश्य दक्षिण मध्य एशिया में अमेरिका की विदेश नीति की जांच करना है। उन्होंने इस क्षेत्र को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक बताया और कहा कि वहां अमेरिकी रणनीति अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और हमारी वैश्विक उपस्थिति की कुंजी है। हुइजेंगा ने कहा कि दक्षिण और मध्य एशिया लगभग दो अरब लोगों, गतिशील अर्थव्यवस्थाओं और रणनीतिक जलमार्गों का घर है जो भारत-प्रशांत में शक्ति संतुलन को आकार देते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हमारा जुड़ाव आने वाले दशकों के लिए एशिया में अमेरिका की भूमिका को परिभाषित करेगा। अध्यक्ष ने आगाह किया कि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड' पहल के माध्यम से अपने सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए 'दमनकारी ऋण' देता है और छोटे देशों को कर्ज के जाल में फंसाता है।' उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने अपनी सैन्य आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करते हुए भारत, नेपाल और भूटान के साथ अपनी सीमाओं को मजबूत किया है।

ट्रम्प ने दूसरा युद्धपोत पश्चिम एशिया भेजा

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका की बड़ी तैयारी, नए फैसले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक नए फैसले ने दोनों देशों के बीच इस कड़वाहट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

दरअसल ट्रम्प ने दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत 'यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड' को कैरेबियन सागर से हटाकर मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) भेजने का आदेश दिया है। यह मिडिल ईस्ट में तैनात होने वाला अमेरिका का दूसरा बड़ा विमानवाहक पोत होगा। इस इलाके में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। इस खबर को सबसे पहले द

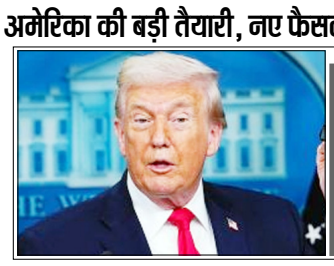

■ इस इलाके में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है

न्यूयार्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया था। ट्रम्प के इस फैसले के बाद अब मध्य पूर्व के इलाके में अमेरिका के दो बड़े विमानवाहक पोत और उनके साथ चलने वाले वारशिप इस इलाके में पहुंच जाएंगे। ट्रम्प प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाना चाहता है। सैन्य गति. विधियों की जानकारी देने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बातें साझा की हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन और तीन मिसाइल वाले विध्वंसक जहाज (डिस्ट्रायर) दो हफ्ते पहले ही मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। यूएसएस फोर्ड के लिए यह एक अचानक बदलाव है। पिछले साल अक्टूबर में ट्रम्प ने इसे भूमध्य सागर से कैरेबियन भेजा था। उस समय वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए वहां बड़ी सैन्य मौजूदगी तैयार की गई थी। यह कदम ट्रम्प की उस सुरक्षा रणनीति से अलग नजर आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया के दूसरे हिस्सों के बजाय पश्चिमी गोलार्ध पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही थी। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रम्प ने एक्सियोस को बताया था कि वह मध्य पूर्व में एक और युद्धपोत भेजने के बारे में सोच रहे हैं। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में 14.208 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। स्वर्ण भंडार में 14. 208 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के कारण 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.361 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 723.774 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। स्वर्ण भंडार में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह सोने की कीमतों में बदलाव है।